

सं० 16]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 18, 1987 (चेन्न 28, 1909)

No. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 18, 1987 (CHAITRA 28, 1909)

इस भाग में भिन्म पृष्ठ संख्या थी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### माग 111-खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्य कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1987

सं० ए० 32013/7/86 प्रणा० 2—इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिस्चना दिनांक 9-12-86 के प्रांशिक संशोधन में, संघ लोक सेवा प्रायोग के प्रध्यक्ष, प्रायोग के कार्यालय में प्रोग्नामर श्री यू० ग्नार० ग्रम्त्रियन को 10-2-87 से श्रागामी ग्रादेशों तक, संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में 1100-50-1600/-ए० के वेतनमान में, नियमित श्राधार पर वरिष्ठ प्रोग्नामर (सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप "क" राजपत्तित) के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्रीमती नीता कपूर कृते उप सिंघव (प्रशा०) संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-11001, दिनांक 5 मार्च 1987

मं० ए० 32013/2/87-प्रणा०-I--प्राध्यक्ष, संघ लोक सेवा भाषोग, सं० लो० से० भ्रा० (कर्मचारी वृन्व) विनियमन 1---26GI/87 1958 के नियम 7 के भ्रन्तर्गत उन्हें प्रवन्त शक्तियों के भ्रधीन संघ लोक सेवा भ्रायोग के के० म० से० संवर्ग के स्थायी भ्रनुभाग भ्रधिकारी श्री एच० एस० भाटिया को 19-2-87 से 18-5-87 की तीन महीने की और भ्रागे की भ्रवधि के लिए भ्रथना भ्रागमी भ्रादेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ भ्राधार पर भ्रवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 6 मार्च 1987

सं० ए० 19014/10/80-प्रशा०—I—विवेशी मुद्रा विनियमन श्रपील बोर्ड, विधि कार्य विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय, में श्रपनी प्रतिनियुक्ति की श्रवधि के समाप्त होने पर, श्री घीसा राम बजारिया ने संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में 27-2-1987 (श्रपराह्म) से श्रवर सचिव के पद का कार्य भार संभाल लिया है।

एम० पी० जैन ग्रव्**र सचिव (का० प्र**शा०)

R&D NO. D-(DN)--73

(2975)

गृह मंत्रालय श्रपराध शास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान

नई दिल्ली-55, दिनांक 30 मार्च 1987

स० 1 1/87-अविवि सं०---राष्ट्रपति डा० गोपालजी मिश्रा, निदेशक, विधि विज्ञान संस्थान, पंजाब, चण्डीगढ़ को अपराध शास्त्र एवं विधि विज्ञान संस्थान (गृह मंत्रालय) नई दिस्ली में दिनांक 4-3-87 (पूर्वाह्न) से २० २०००-२५०० (पूर्व संशोधित) के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति के आधार पर उप-निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

भ्रार० एस० कुलकर्णी निदेशक

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली--110003, दिनांक मार्च 1987

सं० ए-19036/5/77-प्रशा०-5--श्री ग्रार० के० प्रसाद, पुलिस उपाधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्रूरो की सेवाएं विमांक 28 फरवरी, 1987 ग्रपराह्म से, प्रतिनियुक्ति ग्राधार पर ग्रवर सिच्च (विधि) के पद पर नियुक्ति के लिए मंदि-मण्डल सिचवालय (श्रनुसंधान एवं विश्लेषण स्कन्ध) को सौंपी जाती हैं।

> धर्मपाल भस्ला प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल नई दिल्ली--110003, दिनांक 20 मार्च 1987

•सं० पी० सात०—1/86—स्थापना—I (के० ६० पु० बल)—— राष्ट्रपति, श्री टी० एस० बहाद, ग्रपर पुलिस उप महानिरीक्षक को पुलिस उप महानिरीक्षक पद की नियुक्ति, पदोश्रति पर ग्रस्थायी रूप से ग्रगले आदेश जारी होने तक के लिए सहर्ष करते हैं।

2. श्री टी० एस० बहाद ने भ्रपने पदका कार्यभार दिनांक 6-2-1987 (भ्रपराह्म) को संभाल लिया है ।

सं० ओ० दो० 2312/86-स्थापना-1---राष्ट्रपति, डा० एस० गोबिन्दा स्वामी, जी० डी० ओ० ग्रेड-II, ९ बटा० के० रि०पु० बल का त्यागपत्र दिनांक 3-3-1987 (झपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

# दिनांक 25 मार्च 1987

मं० डी० एफ-50/86-स्थापना -1--श्री एस० के० कपूं, सहायक कमोडेंट, 62 बटा० के० ६० पु० बल की सेवाएं श्राई० बी० (गृष्ट मंद्रालय) भारत सरकार नई दिल्ली की प्रति-

नियुक्ति भ्राधार पर दिनांक 28-10-1986 (पूर्वाह्न) से सौंपी जाती हैं।

> प्रशोक राज महीपति महायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
नई विल्ली-110003, दिनांक 17 मार्च 1987
सं० ई-32015(4)/1/87-कार्मिक-ा के० औ०
सु० ब० में प्रत्यावर्तित होने के फलस्वरूप, श्री बी० एन०
भारद्वाज ने 3 मार्च, 1987 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब०
मुख्यालय (प्रचालन), नई विस्ली के सहायक कमांडेंट के पद

#### दिनांक 20 मार्च 1987

सं० ई-28017/10/84-कार्मिक-II--- प्रधिवर्षिता की प्रायु प्राप्त होने पर, सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप, श्री एम० एस० बोस ने दिनांक 28 फरवरी, 1987 (प्रपराह्न) को के० औ० सु० ब० यूनिट, श्राई० ओ० सी०, बरौनी, जिला बेगूसराय (बिहार) के कमोडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दुर्गामाधव मिश्र महानिदेशक/के० औं०सु०व०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय मई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1987

सं० 10/16/83-प्रशा०-I--इस कार्यालय की तारीख 28-3-84 की ममसंख्यांक प्रधिसूचना के प्रनुक्रम में राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में वरिष्ठ हिन्दी प्रधिकारी श्री के० एन० पंत की तदर्थ धाधारपर नियुक्ति को 30-6-86 तक की और प्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित भाधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्रीपन्तकामुख्यालय नई दिल्ली में होगा। वी० एस० वर्मा भाग्तके महापंजीकार

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 मार्च 1987

मं० 8-बा० ले० प०/169-84--महालेखाकार (लेखा-परीक्षा-II), तमिलनाडु, मद्रास के कार्यालय में कार्यरत श्री शेख दाऊद सहायक लेखापरीक्षा श्रधिकारी (वा०) श्रपनी श्रधिवार्षिता श्रायु प्राप्त काले पार दिनांक 31-1-1987 (श्रपराह्म) में सेवा निवृत्त हो गए हैं।

> डी० एन**० ग्रानन्द** सहायक निशंतक महालेखापरीक्षक (का०)

निवेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय का कार्यालय कलकत्ता-700001. दिनांक 27 मार्च 1987

सं० प्रशा० I/सी/राजपितत/3469-3470--निदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय कलकता ने निम्नलिखित प्रनुभाग प्रधि-कारियों को रु० 2000-60-2300-ई० बी०-75-3200 के वेतनमान पर स्थानापन्न सहायक लेखापरीक्षा प्रधिकारी के पद पर उनके नामों के साथ दिए गए तारीख से अगला प्रादेश जारी किए जाने तक निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय कलकत्ता में नियक्त किए हैं :--

への	नाम	कार्यालय ग्रहण की
सं०		ता <i>री</i> ख

सर्वश्री	
1. जयन्स चौधुरी	26—2—87 (म∶राह्न)
2. खोन्दकर फैजल म्राली	26-2-87
3. नीरोद वरण दास	26-2-87
4. दिलीप कुमार चकवर्ती	26-2-87
<ol> <li>ग्रासीम कुमार घोष</li> </ol>	26-2-87
<ol> <li>दिलीप मुखोपाध्याय</li> </ol>	28-2-87

एम० दत्त, ले० प० ग्रिधकारी

कार्मालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)---प्रथम मध्य प्रदेश,

रवालियर, दितांक 24 मार्च 1987

सं० प्रमा० 1/ल० श्र०/प्रमोशत/एफ० नं०/65/373— महालेखाकार (लेखा एवं हकवारी) प्रथम, म० प्र० खालियर ने श्री बाई० सी० जैन श्रनुभाग श्रधिकारी (02/374) को श्रागामी श्रादेशों तक दिनांक 10-3-87 पूर्वाह्न से स्थाना-पन्न स्थिति में लेखा श्रधिकारी के पद पर ६० 2375-75-3200 द० रो०-100-3500 के वेतनमान पर पदोन्नत किया है।

ं (प्राधिकार : महालेखाकार ) लेखा एवं हकदारी प्रथम के श्रादेश दिनांक 9-3-87 ।

> निरंजन पंत, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रणासन)

महाचेखाकार (ले० ५०) 1 कार्यालय महाराष्ट्र,

बम्बई-400020, विनांक 18 मार्च 1987

सं० प्रशासन 1/ले० प०/सामान्य/ले० प० श्र०/1(1)/ 10—महालेखाकार महोदय ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा ग्रिधिकारियों को उनके नामों के समक्ष लिखी गयी तिथियों ने प्रभावी, पुतः ग्रादेश जारी होने तक सेखा परीक्षा प्रधिकरी पद पर, सहर्ष नियुवत किया है ।

क० नाम सं०	लें ० ५० ग्रा० पद पर नियुक्ति की तिथि
 मर्वथी	
(1) एम० पी० जोशी	5-2-1987 पूर्वाह
(2) जी० रत्नम	2-2-1987 "
(3) एम० के० वर्षे	2-2-1987
(4) के० विजय नरसिंहन	2-3-1987 "
(5) स्रार० एस० हेगड़े	2-2-1987
(6) पी० एस० <b>भ्रो</b> गले	11-2-1987 "

शुभलक्ष्मीवः वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रकासन

# कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा

#### रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110 001, दिनांक 24 मार्च 1987

सं० 5457/ए० प्रजासन/130/86—-वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त करने ५२ श्री एम० एम० एम० सुन्द्रम, स्थायी लेखापरीक्षा श्रधिकारी, रक्षा सेवाएं, दिनांक 28-2-1987 (श्राराह्म) को सेवा निवृत्त हुए ।

> एन० एल० चौपड़ा संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली

#### श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा श्रौर श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय सायन बम्बई--22, दिनांक 24 मार्च 1987

सं० 15/2/87-स्थापना--विभागाध्यक्ष डीजी फसली वस्वई श्री के० सुकुमारन को इस महानिदेशालय के मधीनस्थ कार्यालय क्षेत्रीय श्रम संस्थान में सहायक श्रनुसंधान ग्रधिकारी के पद पर स्थाना क रूप से दिनांक 9 मार्च 1987 से श्रगले श्रादेण ग्राने तक नियक्त करते हैं।

एस० बी० हेगडे पाटिस, उपमहानिदेशक श्रीर विभागाध्यक्ष

#### उद्योग मन्नालय

श्रीद्योगिक विकास विभाग विकास श्रायुक्त (सन्धु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 19 मार्च 1987

सं० 12 (323)/62-प्रशा० (राज०)--राष्ट्रपति, श्री एच० एम० साम, निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिकी),लघु उद्योग सेवा संस्थान, रांची को, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम-1972 के नियम 48(1)(ए) के तहत दिनांक 2-2-87 (पूर्वाह्म) से स्वैच्छिक श्रवकाण ग्रहण करने की श्रनुमति देते हैं।

#### दिनांक 25 मार्च 1987

सं० 12(44)/61-प्रशा० (राज०) खण्ड-V: राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, पटना के उप निदेशक (यांत्रिकी) श्री भार० जीं० पी० श्रस्थाना की नियुक्ति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, रांची में निदेशक, ग्रेड- $I^{I}$  (यांत्रिकी) के पद पर अगले भादेश जारी होने तक, दिनांक 27-2-87 (पूर्वाह्र) से तदर्थ भाधार पर करते हैं।

सं 12(648)/70-प्रशा (राज ) -- मेवा निवृति की आयु प्राप्त कर लेने पर लघु उद्योग नेवा संस्थान, कलकत्ता के सहायक निवेशक, ग्रेड-2 (सामान्य प्रशासन प्रभाग) श्री एस के बमु को दिनांक 28-2-1987 (श्रप ) में सरकारी मेवा से सेवानिवृत किया जाता है।

सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशासन)

कार्यालय, महानियन्त्रक,

एकस्व, रूपांकन एवं व्यापार चिह्न बम्बई--400020, दिनांक 20 मार्च 1987

संख्या सी० जी०/एफ०/14/7(13)(पी० श्राई० एस०)/86/272—राष्ट्रपति, श्री वी० एल० रामनाथन् को दिनांक 7 मार्च 1986 (पूर्वाह्न) से ज्येष्ठ प्रोग्रामर (ग्रुप 'ग्र' राजपित ) के पद पर नियमित रूप से वेतनमान रू० 700–1300 पर एकस्य सूचना कार्यालय, नागपुर में नियुक्त करते हैं। वे उपरोक्त दिनांक से 2 वर्ष की श्रवधि तक परवीक्षाधीन रहेंगे।

सं० सी० जी०/एफ०/1/5(1)(v)/87-273--श्री सी० श्रार० मित्रा को 'सूचना श्रिधकारी' के पद पर दिनांक 30-10-1984 से स्थायी तौर पर पत्न संख्या सी० जी०/एफ०/1/5(1)(v)/87 के अनुसार 'पेटेन्ट कार्यालय' में नियुक्त किया जाता है ।

सं० सी० जी०/एफ/5(1)(v)/87/274—श्री टी० के० चट्टोपाध्याय दिनांक 30-3-1985 में ''वैज्ञानिक ग्रिधकारी'' के पद पर, पत्न संख्या सी० जी०/एफ/5(1)(v)/87 के ग्रमुमार ''पेटेन्ट कार्यालय'' में स्थायी रूप में नियुक्त किया जाता हैं।

#### विनांक 23 मार्च 1987

सं० सी० जी०एफ/14/7/(13)/पेटेन्ट/315—लोक सेवा संघ द्वारा श्री रामा राव को इंजीनियर के पद पर दूर संचार मंद्रालय में मोनोटेरिंग संस्था के लिए उनका चयन कर लिया गया है। वे 'पेटेन्ट श्रीर डिजाइन' कार्यालय से परिक्षक के पद से दिनांक 2-1+87 से अपना कार्यभार पत्न संख्या सी० जी० एफ/14/7(13)/पेटेण्ट के अनुसार छोड़ते हैं।

श्रार० ए० स्नाचार्य महानियन्त्रक एकस्व, रूपांकन श्रौर व्यापार चिह्न

इस्पात श्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 26 मार्च 1987

सं० 1982बी/ए-19011(1-एम० एन० एम०)/86-19ए--राष्ट्रपति जी श्री मुक्तेश्वर नाथ मिश्रा को भूवैज्ञानिक (किनष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 र० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 9-2-87 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 1997बी/ए-19011 (1-म्रार० के०)/86-19ए-राष्ट्रपति जी श्री राकंश कुमार को भूवैज्ञानिक (किनष्ठ) के
पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900द०-रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान के न्यूनतम
वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में स्रागामी स्रादेश होने तक
16-2-87 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहें हैं।

श्रमित कुशारी, निदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 26 मार्च 1987

सं ० ए-19012/173-85-स्था ० ए०--महानियंद्रक, भारतीय खान ब्यूरो श्री एन० सी० बिश्वास, प्रशासन ग्रधिकारी, भारतीय खान ब्यूरो का पद त्याग दिनांक 3 मार्च 1987 के श्रपराह्म से सहर्ष स्वीकृत करते हैं। तदनुभार श्री एन० सी० बिश्वास का नाम इन विभाग की प्रभावी स्थापना से दिनांक 4-3-1987 (पूर्वाह्म) से काट दिया जाता है।

पी० पी० वादी प्रशासन श्रधिकारी कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

# म्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1987

 को सरकारी सेवासे, मूल नियम 56 (जें) (1) के भ्रन्तर्गत 31 भ्रगस्त, 1985 पूर्वाह्म से जक्षरन सेवा निवृत्त कर दिया गया है।

> श्राम्युतोष कुरी प्रमानन उपनिदेशक (मुख्यालय) कृते महानिदेशक

#### फिल्म प्रभाग

यम्बई-400026 दिनांक 26 मार्च 1987

सं ए-32014/1/87-म्रार सी०:--मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने श्री ए० जे० म्रजाहम, स्थायी यूनिट मैंनेजर, फिल्म प्रभाग बम्बई को उसी कार्यालय में दिनांक 18 मार्च, 1987 के पूर्वाह्न से श्रगला श्रादेण होने तक रूपए 2375-75 3200-द० रो०-100-3500 के वेतनमान में नियमित श्राधार पर निर्माण प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

श्रार० पी० परमार राहायक प्रशासकीय श्रधिकारी **कृतें** मुख्य निर्माता

#### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मार्च 1987

सं० ए० 32013/1/82-सी० आर० आई०/प्रशा०-1/ ई० पी० आई०---राष्ट्रपति ने निम्नलिखित व्यक्तियों को निम्न विवरणानुभार आगामी आदेशों के जारी होने तक केन्दीय अनुसंधान संस्थान कसौली (हिमाचल प्रदेश) में सहायक निदेशक (गैर चिकित्सा) के पद पर उनके नाम के क्षामने लिखी तिथि से नियुक्त किया है ।

ऋ०सं०	नाम		<b>दिनांक</b>	
1. श्री	इन्द्रजीत र	ावल	5-8-86	(पूर्वाह्न)
2. श्री	सी० एन०	मिश्रा	8-8-86	(पूर्वाह्न)

सं० ए० 12025/5/79--(ए० म्राई० म्राई० पी० एच०)/ प्रमासन-1/पी० एच० (सी० की० एल०)---राप्ट्रपति ने श्रीके० जे० नाथ को 29 म्रक्तूबर, 1981 के पूर्वाह्म से म्रखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में पर्यावरणिक सफाई (एन्वायनमेण्टल सेनिटेशन) के प्रोफेसर के पद पर स्थायी स्थाधार पर नियुक्त कर विया है।

> श्रीमती जैस्सी फासिस उप निवेशक प्रशासन (जन स्वास्थ्य)

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द कार्मिक प्रभाग केन्द्रीय समिश्र

बम्बई-400085, दिनांक 23 मार्च 1987

सं० पी० ए०/73(2)/87-श्रार०-4:209-23 फरवरी 1987 को जारी समसंख्यक ग्रिधिमूचना के श्रनुक्रम में, नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, डा० (श्रीमती) ज्योति गोपन मेनोन को इस श्रनुसंधान केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग में 4 मार्च 1987 पूर्वाह्म से 3 ग्रप्रैल 1987 ग्रपराह्म तक रेक्डिंट चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर पूर्णत: ग्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

जे० राममूर्ती उप-स्थापना ग्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय श्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई-400 085, दिनांक 19 मार्च 1987

सं० क्रभनि/41/3/85-प्रणा०/12480--परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने अस्थायी लेखापाल (तदर्थ), श्री जगन्नाथ गोपाल साठे, को इसी निदेशालय में दिनांक 9-3-1987 (पूर्वाह्न) से 12-6-1987 (अपराह्न) तक 2000-60-2300-द० रो०-75-3200 रुपए के वेतनमान में शहायक लेखा अधिकारी के पद पर तदर्थ प्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्रीमती एस० एस० दलवी, सहायक लेखा अधिकारी के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की है।

बी० जी० कुलकर्णी अशासन भ्रधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 4 मार्च 1987

सं० ना० ई० म/का प्र० भ०/1603/440---नाभिकीय ईधन सम्मिश्र में प्रशासन के उप मुख्य कार्यपालक जी निम्न-लिखित पदाधिकारियों को उनके नामों के सम्मुख दर्शायी गयी तिथियों में प्रभावी, सम्मिश्र में २० 2000-60-2300-ए० रो०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में ग्रस्थायी हैसियत से स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रधिकारी (ए८० बी०) के रूप में ग्रागामी श्रादेशों पर्यत नियुक्त करते हैं:--.

न जागामा जापसा प्रमुख गर्मा हु				
ऋमांक नामं	वर्तमान पद	बै० घ्र० (एस० बी)		
		के रूप में नियुक्ति		
		की तिथि		
सर्वश्री				
1. राघवेन्द्र जोणी	प्रारेखकार ' <b>'</b> डी	1-8-86		
2. डेविड टी० गोकवि	<mark>ग्रारेखकार</mark> ''डी'	1-8-86		
3. म्रो० वी० राममूर्ति	वै० सहायक (ड	1-8-86		
4. पी० बी० रमण मूर्ति	वै० सहायक (उ	1-8-86		
5. जी० राधा <b>कृ</b> ष्ण		<b>अ</b> ति) 1−8−86		
6. बी० भ्रार० श्राचार्य		1-8-86		
7. जे०सूर्य नारायण राबु	'वै० र'हायक (	डीं) 1-8-86		
8. पी०पी०राधाकृष्णन		डी) 1-8- <b>8</b> 6		
9. घी०एस० रामरावु	बै० सहायक (उ	डी) 1-8-86		
10. मार० सुधाकर		îr) 1-8-86		
11. के० तिलकराजन		1-8-86		
12. के० जयरमण	वै० सहायक (ई	(7) $1-8-86$		
 13. बी०कृष्ण कुमार		1-8-86		
14. बी० बी० फर्मा		डी) 1-8 <del>-</del> 86		
15. ए० रामचन्द्र रावु		ft) 1-8-8 <b>6</b>		
16. के० नानचारहय्य	वै० महायक (३	डੀ) 1−8−8 6		
- 17. के० सत्य⊣ाल	<b>बै</b> ० महायक (डे	1-8-86		
18. बी० वी० रत्नम	-	ते) 1-8-86		
19. ए० कन्न राव्		ft) 1-8-86		
20. पी०के०एस०				
नारायणन	वै० महायक (डी	1-8-86		
21. ग्रारः एमः कर्ना	वै० सहायक (डी	) 1-8-86		
22. एन० बी० राष्	<b>बै</b> ० सहायक (डी	26-8-86		
23. ए० विनय कुमार	वै० सहायक (डी			
24. के० एन०एम०गुप्त	वै० सहायक (डी			
	बै० सहायक (डी	2-8-86		
26. म्रार० गणेशन				
27. एन <b>े रा</b> जन	वै० सहायक (डी	1-8-86		
28. एच० के० सिंह	वै० सहायक (डी			
29. जी० लक्ष्मीनारायण				
रावु	वै० सहायक (डी	1-8-86		
30. एम० पी० जगन्नाथन				
प्रमाद	वै० सहायक (डी)	1-8-86		
		गोपाल सिंह		
	प्रबन्धक,	कार्मिक व प्रशासन		

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1987

सं० ए० 32013/3/85-स्था०-विमान क्षेत्र ---राष्ट्रपति, निम्नलिखित वरिष्ठ विमानक्षेत्र श्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दर्शायी गयी तारीख से ग्रीर ग्रगले ग्रादेश होने तक उपनिदेशक/नियंत्रक विमान**क्षेत्र** के ग्रेड में नियमित ग्राधार पर नियक्त करने हैं:---

<b>本</b> の सं の		कानाम	नियुक्ति	की तारीख
2. श्री के	- ० के० सरद ७ सी० मि <sup>9</sup> गी० बी०	श्रा		16-5-86 14-5-86 27-5-86

#### दिनांक मार्च 1987

सं० ए०-12025/1/84-स्थापना-I--राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा ब्रायोग की सिफारिश पर श्री प्रदीप पाठक को दिनांक 11-4-1986 (पूर्वाह्न) से ब्रगले ब्रादेग होने तक 700-1300 रु० के वेतनमान में उड़न योग्यता अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री प्रदीय पाठक को निदेगक उड़न योग्यता, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया जाता है

> मुकुल भट्टाचार्जी, उपनिदेशक प्रशासन

# केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ममाहर्ता, बम्बई-ILI का कार्यालय बम्बई, विमांक 23 मार्च 1987

सं० 11/39-26/86/टी० एच-1-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के निम्नलिखित वरित श्रेणी निरीक्षकों ने पदोन्नति पर उनके नामों के द्यागे दर्शायी गयी तारीख से बम्बई-III केन्द्रीय उद्गीद शुल्क, समूह "ख" के रूप में कार्यभार सम्भान लिया है :---

ऋ०सं०	नाम	कार्यभार संभालने की तारीख
 1. श्री	एम० डी० केलकर	30-4-85
2. 転甲	(री कें० राजी	25-5-85
	जी० के० टक्के	4-8-86
4. श्री	टी० जे० राठोड	1-11-85
	बी० डी० वांगी	3-10-86
<sub>6</sub> . श्री	यू०एस० श्रार०शेख	8-9-86
	ठही० पी० मुलगुंड	4-9-86
8. श्री	बी० सी०, धारवाड	8-9-86
9. श्री	बी० जी० ग्रानीखडी	28-11-86
10. श्री	म्रार० बी० राय	28-11-86
11. श्री	<b>ठ</b> ही० ए० <b>द</b> हे	2 <b>-</b> 12-86
	•	

धार० कै० थावानी; समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुरुक बम्बई–]II

#### केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-110 066, दिनांक 23 मार्च 1987

सं० ए० 19012/1177/86-स्थापना पांच--ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री एस० कें० मण्डल, किन्छ श्रिभयन्ता को श्रितिरिक्त महायक निदेणक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-दे० रो०-75-3200-100-3500/- रुपए के वेतनमान में 27-1-87 की पूर्विक्तं से एक वर्ष की अवधि के लिए श्रथवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हों, पूर्ण श्रस्थायी तथा तवर्ष श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

मुंशी राम सिंघल श्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

# उद्योग मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कार्यालय कम्यनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भीर मेमर्स स्पेशल जेम्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में !

नई विल्ली, दिनांक 17 मार्च 1987

मं० 8185/8527—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मेसर्स स्पेणल जेम्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रीर मेसर्स एसोसिएणन ग्राफ साईकिल मेन्युफक्चर्स ग्राफ हरियाणा के विषय में ।

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1987

सं० 7996/8569—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उत्थारा (3) के ग्रानुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवपान पर मेसर्स एमोसिएकन ग्राफ माईकिल मैन्युफकचर्स ग्राफ हरियाणा का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टरी से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी

बी० एम० म्रानन्द सहायक रजिस्ट्रार म्राफ कम्पनीज देहली एवं हरियाणा कम्पती अधिनियम, 1956 श्रौर मैनर्स वैराइटी सेविंग स्कीम प्राइवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में ।

जयपुर, दिनांक 23 मार्च 1987

सं० सांख्यिकी/1463/1039—कमानी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के स्रतुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स वैरोहटी रिविंग स्कीम प्राइवेट लिमिटेड का नाम धाज रिजस्टर से काट दिया गया है स्रीर उक्त कमानी विधटित हो गयी है ।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 ग्रौर मेसर्स नमक रसायन उद्योग प्राइवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में ।

# जयपुर, दिनांक 23 मार्च 1987

सं० मांख्यिकी/1291/1042—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ब्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूजना वी जाती है कि मैसर्स समक रसायन उद्योग प्राइवेट लिमिटेड का नाम ब्राज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कमानी विघटित हो गयी है ।

करती अधिनियम. 1956 श्रीर मेसर्स भारतीय विटकण्ड प्राइवेट लिमिटेड ूके सम्बन्ध में ।

जयपुर, दिनांक 23 मार्च 1987

सं० सांख्यिकी/1224/1045--कम्पती प्रधिनियस, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण में एसद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स भारतीय चिट-फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पती विघटित हो गती है ।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मैससं राजस्थान नान फैरम मेटल्स एण्ड इनश्रोरगेनिक साल्टम श्राष्ट्रवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में।

जयपुर दिनांक 23 मार्च 1987

मं० मांख्यिकी/1314/1048—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स राजस्थान नान फैरस मेटल्स एण्ड इन श्रोरगेनिक साल्ट्म प्राइवेट लिमिटेड का नाम स्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी म्रधिनियम, 1956 ग्रौर मैसर्स देवा म्यूचुएल बेनिफिट फाईनेन्सियल प्राइवेट लिसिटेड के सम्बन्ध में ।

जयपुर दिनांक 23 मार्च, 1987

सं० सांख्यिकी/1455/1051—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उत्धारा (5) के मनुसरण में एतद्बारा यह सूजना दी जाती है कि मैंसर्य देशा म्यूचुएल बेनि-फिट फाईनेन्स्यित प्राइत्ट लिमिटेड का नाम प्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

2982	भीरत का राजेपन, भीप्रल
	नी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मनर्स प्रकास बोर्ड लि <b>मिटेड</b> के सम्बन्ध में ।
1956 एतव्द्वारा लिमिटेड	जयपूर दिनांक 23 मार्च, 1987 सांख्यिकी/2621/1054—कम्पनी श्रिधिनियम, की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स प्रकाश बोर्ड प्राइवेट का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त विघटित हो गयी है ।
	वी ० प्र <b>०</b> सिंघल कम्पनी रॉजिस्ट्रार, राजस्थान, जयपुर
	भायकर श्रायुक्त, पुणे (श्रायकर स्थापना) पुणे, दिनांक 19 मार्च 1987

सं० 2--निम्नलिखित प्रधिकारियों को आयकर प्रधिकारी 'वर्ग' ख (श्रेणी-II) के रूप में प्रत्येक के सामने दी गयी तारी ख से स्थायी किया जाता है :--

ऋ∘ ग्रधिकारी कानाम सं∘	विनांक जिससे स्थायी किया गया है
सर्वश्री	
1. बी० एस० भोसले	1-4-1986
2. <b>ए० एस० भ्र</b> धीर	1-4-1986
3. यू० बी० क्रिमल	1-4-1986
4. श्रीमती एल० एल० किंकर	1-4-1986

# संपद्या निदंशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1987 सं. ए. 19011//1/87-प्रका. ''ख''—राष्ट्रपति, विधि तथा न्याय मंत्रालय (विधि कार्य दिभाग) के अधीक्षक (विधि) श्री वी. एन. एस. अस्थाना को 30 मार्च, 1987 (पूर्व) स संपदा निद्यालय में श्री एच. के. सक्सेना के स्थान पर सहायक संपदा निदशक (मुकदमा) नियुक्त करले हैं।

लक्टमन बास संपदा उप-निदंशक (स्था.)

1 2	3
मर्कर्शा	-
5. बी० भ्रार० मुक्षलियार	1-4-1986
6. पी <b>० श्रा</b> र० जोशी	1-5-1986
7. डी० <b>बी० क्षी</b> रसागर	1-5-1986
8. एस० धनराज	1-5-1986
9. ए० एम० मुण्लोडे	1-12-1986
10 एच० भ्रार० <b>चौध</b> री	1-12-1986
1·1. पी० एस० मु <b>था</b>	1-12-1986
12. बी० ग्रार० चह्नाण	1-12-1986
13 एम० एम० देशपांडे	1-12-1986
14. बी० ए० बोंगाले	1-12-1986
15. बी० धार० भगतानी	1-12-1986
16. बी० के० धिंदे पाटिल	1-12-1986
17. एल० बी० खोले	1-12-1986
18. बी० के <b>० बुद्धि</b> वन्त	1-12-1986
19. एस० के० प <b>रदेशीम</b> ठ	1-2-1987
20 भ्रार० एस <b>०</b> शिन्धे	1-2-1987
21. के० डी० एम० कुलकर्णी	1-2-1987
22. एम० एल० प्रधाण	1-3-1987

स्थायीकरण दिनांकों में, यदि आवश्यक समझा गया, तो बाद में परिवर्तन किया जा सकता है।

> ₹०/-चन्दर सिंह **धायकर धायुक्त,** ५णे

#### प्रकथ नाह<u>ें टी. एन . एस : --=----</u>

# कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना भारत सरकार

# कार्याक्षय, सहायक बायकर बाब्क्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 17 मार्च 1987

निदेश सं० 2112/37जी/डी० उड्य्यू०/म्रार०/86---यतः मुझे, म्रार० भारद्वाज,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्रारं एसं नं 1 (पुराना सर्वे नं 5) है तथा जो णिरिवारी तंगीवाली गाँव तरकरी ब्लाक चिकमगलूर जिला करनाटक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम के कार्यालय, तारीकेरे में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 9-7-1986

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के ध्रयमान भितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार प्रस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी थन वा वन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में मृविधा और लिए:

अत: अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:—

- (1) श्रीमती डी० एफ० बरनार्ड श्री ग्रार० ए० वरनार्ड श्री ग्रार० ए० वरनार्ड श्री डी० बरनार्ड—मम्पत्ति के करता जो कि श्री ए० एन० एस० बरनार्ड द्वारा किंग व पारद्रिज वकील 26/1, लेवले रोड, ग्रंगलौर। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स पारामोयट पलानटेशन (प्राइवेट) लिमिटेड सं० 109 जनरल पेटरस रोड, मद्रास-60002 ।

(भ्रन्तरिती)

को वह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# बन्त संपत्ति के बर्बन के संबंध में काई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्वस्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में अकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिबित में किए बा सर्कोंगे।

ध्यध्यकरणः - इसमें प्रयुक्त शस्त्रा और पदों का, चौ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा चौ उस अध्याय में विया थया है।

#### जग्सूची

(दस्तावेज सं० 1381/86-87 दिनांक 9-7-1986) जो काफी इसटेंट हैं "साना सामिषणे खान" मसकलमरडी का नं० आर० एस० नं० 1 (पुराना सर्वे नं० 5) 7 और जो 498 एकड़ 13 गुण्टा है और जो गिरीवारी तागीवाली गाँव तारीकरे तलुक, चिकमगलूर जिला, करनाटक राज्य में है और अधिक विस्तार से सेल डीड तारीख 13-6-86 में बताया गया है।

अ।र० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगसूर

दिनांक : 17-3-1987

मोहर:

2 -26GI/87

### प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 3 मार्च 1987

निदेश सं० $I^{1}I/425/$ श्चर्जन/86-87—श्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जमीन मय मकान तौजी संख्या 205, वार्ड संख्या 5, सं० 13, सीट 44, प्लोट 735 है तथा जो हो ल्डिंग 285, 343 महल्ला—मोहरमपुर, चौगांव, कदमकुग्रा पटना में स्थित है (भौर इसने उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-7-86

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृज्ञे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलित व्यक्तियों, सर्थात्:—

- (1) श्री ग्रजीत गोपाल राम वल्द श्रमूल्या गोपाल राम सा० कदम कुन्नां, थाना कदम कुन्नां, पटना (ग्रन्तरक)
- (2) श्री महावीर प्रसाद वल्द स्व० साधो लाल वो श्रीमती दमयन्ती देवी, जो महावीर प्रसाद सराफ, बा० श्री संजय कुमार वर्मा वर्मा बल्द श्री महावीर प्रसाद सराफ वो श्रीमती पूनम देवी जो० संजय कुमार वर्मा निवासी गुरहट्टा थाना योज खाजेकलान, पटना सिटी, पटना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रक्ष्मा 6145 वर्ग फीट मो हल्ला मो रहमपुर चौगांचा, कदम कुंग्रा, पटना में स्थित है, जो पूर्ण रूप से बसिका संख्या 4964 दिनांक 14-7-86 में विणित है एवं जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुन्ना है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षी) द्यर्जन परिक्षेत्र बिहार; पटना

दिनांक : 3-3-1987

प्ररूप बाई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

पटना, दिनांक 2 मार्च 1987

निदेशक सं० III/426/म्रर्जन/86-87--म्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 1,00,000/(रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं नया प्लाट 173, खाता सं 60 के श्रधीन वार्ड सं 1 पुराना प्लाट सं 509, 462 थाना सं 1156 है तथा जो जामणेवपुर एन सी सी मौजा सोनारी थाना सोनारी जिला सिंहभूम में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जमशेवपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12-8-86

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए में दृश्यमान प्रतिफल का पंस्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए में उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिती वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/सा
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) 1. श्रीमती प्रसंध देवी धर्मपारी स्व० कुसा मह 2. श्री जगवन्धु महतो (3) श्री दिना बन्धु महतो, 4. श्री रास बिहारी महतो 5. श्री पति महतो वल्ब स्व० कुसा महतो निवासी सोनारी, थाना सोनारी जिला सिंहभूम ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स श्रादर्श सहकारी गृह निर्माण सिर्मात लिमिटेड द्वारा बाई० एन० यादव वल्द श्री राम प्रसाद यादव निवासी—सोनारी थाना सोनारी जिला—सिंहभूम (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकरें।

स्थल्दिकिरणः ——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनित अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 1.70 हेक्टेयर है तथा जो णहर जमणेदपुर, महल्ला सोनारी थाना सोनारी जिला-सिंहभूम में स्थित है, जो पूर्णरूप से वसिका संख्या 5763 दिनांक 12~8-86 में वर्णित है एवं जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक जमणेदपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

दिनांक : 2-3-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 मार्च 1987

निदेश सं० सी० ए० 25/86-87/क्रम सं० 1280/म्राई० ए० सी० (एक्वी० म्रार-1/कलकत्ता--यतः मुझे, म्राई० के० गायेन.

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4/2 है तथा जो कड़ेया रोड, कलकत्त में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-7-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और आंरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्र की बाबत, उक्त नियम हे अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व मां कमी हरने या उस्से बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब. उत्तत अधिनयम को धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उत्तर अधिनियम वी धारा 260-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित विन्तियों, अर्थन् :--- (1) श्रीमती जाहिदा बेगम ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स स्टील्स वर्थ प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्मिति के अर्जन के संबंध में कांधे भीआक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत में सी किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वार सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

4/2 कड़ेया रोड, कलकत्ता में अवस्थित मकान का दूसरा तल्ला जो मक्षम प्राधिकारी (सं० आ० प्रा० नि०) प्रार्जन रेंज-I कलकत्ता के पास सीरियल सं० सी०ए०बी० 25 के अनुसार 2-7-86 में रजिस्ट्री हुआ। 1

श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1 कलकत्ता---16

दिनांक : 2-3-87

मोहर 🔅

प्ररूप आइ<sup>\*</sup>. टी. एन. एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 02 मार्च 1987

निदेश सं० सी० ए० 38/86~87/एस० एल०-1281/ आई० ए० सी०/एसवी० श्रार०-आई० कल०--यतः मुझे, ग्राई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 75सी है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 15-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 19'22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुमन श्रानन्द।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ज्ञानेण्वर प्रसाद श्रागरवाल, श्रीमती चुनमुन देवी एवं श्रीमती शीला श्रागरवाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

75सी पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रवस्थित मकान का ग्राफिस स्पेस नं० 1ई जो सक्षम प्राधिकारी (स० श्रा० श्रा० नि०) ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता के पास लिरियल नं० सी० ए० 38 के श्रनुसार 15-7-86 में रजिस्ट्री हुग्रा ।

श्राई० के० गायेन
स्क्षम प्राधिकारी,
महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
श्रर्जन रेंज-I,
54, रफी श्रहमद किंदबई रोड,

दिनांक : 02-3-86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 02 मार्च 1987

निदेश सं० सी० ए० 40/86-87/एस०एल०-1282/झाई० ए० सी०/एसवी०-झार-I/कल०--यतः मुझे, म्नाई० के० गायेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1 00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं 5 3ए है तथा जो मिरजा गालिब स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-7-86,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उनसा अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायितन में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: आर्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

(1) एम० एस० के० एण्टरप्राईजेस,।

(भन्तरक)

(2) कोसाबान सर्विसेअ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सन्यत्ति के बर्चन औं रिक्र् कार्यनाहियां करता हूं।

राम्य सम्परित के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण ८-

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की बदीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बदीध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तगरीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूखी

53ए, मिरजा गालिब स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रवस्थित मकान का फ्लैट सं० 4ए, जो सक्षम प्राधिकारी (स० श्रा० श्रा० नि०) श्रर्जन रेंज-।, कलकता के पाप सीरियल नं० सी० ए० 40 के श्रनुसार 15-7-86 में रजिस्ट्री हुआ।

श्राई० के० गायेन सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I 54, रफी श्रहमद किदबई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 02-3-87

# 

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत बरकार

# कार्याज्ञय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 02 मार्च 1987

निवेश सं सी ए० 41/86-87/एस०एल० 1283/आई० ए० सी ०/एक्बी० श्रार०-आई/कलकत्ता---यतः मुझे, श्राई० के गायेन,

भागकर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इन को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 53ए है तथा जो भिरजा गालिब स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 21-7-1986,

- को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उणित प्राजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नहीं है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—
  - (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वायत, उपत निध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कादी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वार/या
  - (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

बतः अब, उक्त जीभीनयमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त क्षीधिनयम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मेससं एम० एस० वेः० एण्टरप्राईजेस (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुशीला सारावगी, मनिषा शारावगी एवं राधा सारावगी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कांडें भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तायख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ख्वारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन को भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस स्थाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

53ए, मिरजा गालिब स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का पांच तल्ला में फ्लैंट नं० 5ए जो सक्षम प्राधिकारी (स० श्रा० ग्रा० नि०) श्रर्जन रेंज—I कलकत्ता के पास सीरियल नं० सी० ए० 41 के श्रनुसार 21—7—86 में रजिस्ट्री हुन्ना ।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, 54, रफी श्रहमद किंदवई रोड, कलकत्ता-16

विनांक : 02-3-1987

मोहर 🕽

# प्रकृष बार्द. दी । एन् व पूस व्यवस्थान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भारा 269-च (1) वे वचीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, कलक्सा

कलकत्ता, दिनांक 02 मार्च 1987

निदेश सं० सी० ए० 42/86-87/एस० एल०-1284/ आई० ए० सी०/एक्वी० आर०-1/कलकत्ता--यतः मुझे, आई० के० गायेन.

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिट इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 7, है तथा जो केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता-17 में स्थित है (श्रौर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से म्र्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 21-7-86,

का पूर्वोक्त सभ्यत्ति के उपित बाधार मृत्य से कन के अध्यक्षाय प्रतिफल के लिए अन्सरित की गर्द है और मुझे

यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का कारण बाजार मृस्य, उसके व्यथमान प्रतिफल के, एसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (क) ऐसी किसी अप या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, यः वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए वा कियाने में बुनिया के लिए।

अत: अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) ग्राजिमगंज एस्टेटस प्राइवेट लिमिटेड ।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) काजारिया कास्टिंगस लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुषता बारी कारले पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

#### बक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को जबिंध या तत्सब्बन्धी व्यक्तियों पड़ चूचना की तामील से 30 विन की खबिंध, जो भी सबिंध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी स्परित स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकरें।

स्पष्ठीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया देश हैं।

#### अनुसूची

7 केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में भ्रवस्थित मकान भ्राजिमगंज हाउस में दूसरा तल्ला में ब्लाक नं० 7 जो सक्षम प्राधिकारी (स० भ्रा०भा० नि०) भ्रजैन रेंज-9, कलकता के पास सिरियल नं० सी० ए० 42 के अनुसार 21-7-86 में रजिस्ट्री हुआ।

> ग्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज-I 54, रफी श्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

विनोक : 02-3-87

# प्रकर बार्च हो , एव , एव 🔉 -----

# बावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

निदेश सं० टी० म्रार-234/86-87/ एस० एल-1285/ माई० ए० सी०/एक्वी० म्रार-I/कल०—यतः मुझे, म्राई० के० गायेन,

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसके परकात् 'उन्त विभिनियम' कहा गया हु"), की पाय 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- एउ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 71 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनिथम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 28-7-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में इप में कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, भी उपरा विधिनयम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--3--26GI/87

(1) चित्रकूट प्रापर्टीज लिमिटेड ।

(ग्रन्सरक)

(2) वि स्टैण्डडं मिल्म को० लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

को यह ब्याना आरी करके प्यामित सम्मरित के नर्जन के सिए कार्य-नाहियां सुरू करता हो।

उक्त संपरित के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सभ्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक्त निवित में किए वा सर्किंग।

स्थव्यतिकरणः --- इसभे प्रमुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस सध्याय में दिया गया है।

# नगुज्जी

71 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रवस्थित मकान का चार तल्ला में श्राफिस स्पेस सं० 4ए जो सब-रजिस्ट्रार श्रव एंसुसरेंस, कलकत्ता के पास डीड न० I-9798 के श्रनुसार 28-7-86 में रजिस्ट्री हुश्रा ।

> न्नाई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज—I 54,रफीह ग्रहमद किदवई रोड, कलकता—16

दिनांक: 02-3-87

मोह्नर:

#### प्रथम बार्ड . दी . एत . एत . ------

# नावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वा (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-J, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 02 मार्च 1987

निदेश सं० टी॰ ग्रारं-235/86-87/एस॰ एल-1286/ ग्राई॰ ए॰ सी॰/एक्बी॰ ग्रार-1/कल॰-यतः मुझे, ग्राई॰ के॰ गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' अहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर् सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भौर जिसकी सं० 71 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकता स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 30-7-86

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का धारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित गाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकल के अपित करने की पढ़ प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाय। गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; शर्र/या
- (स्) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं (क्या एया था सिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध के निया।

ाहे अप उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिम्मिखिस व्यक्तियों. अर्थात्:—

(1) चित्रकृट प्रापर्टीण लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) कानोरिया केमिकलस एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिए। शुरू करता हुई।

उकत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 बिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 बिन की अवधि, जों भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (एं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्ध कियी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास िरिकट में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: → इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-व में यथा परिभाषिल हौ, यहां अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### असमची

71 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रयस्थित मकान का सात तल्ला में ग्राफिस स्पेस सं० 1 एवं 2 जो सर्ब-रजिस्ट्रार श्रव एसुरेंससु, कलकत्ता के पास डीड नं० 1-9871 के श्रनुसार 30-7-86 में रजिस्ट्री हुआ।

ग्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, 54, रफी श्रह्मद किदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 02-3-1987

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  ${f y}$ र्जन रेंज $-{f I}$ , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 02 मार्च 1987

निर्देण सं० टी० भ्रार-236/86-87/एम०एल-1287-भ्राई० ए० सी०/एक्बी० भ्रार-1/कल०-यतः भुझे, श्राई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 7/1, है तथा जो लाई सिन्हा रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० भार० ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधी तिनांक 30-7-86

को पूर्विक्त सम्मित के उपित काकार मूल्य में काम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की मई हैं और भुक्त यह विक्वार करने का कारण है कि यथानुबंक्त सम्मित का उषित वाकार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से, मूसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक कृप से किथा नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी आय की बाबस, उपके अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के रूचण; बार/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिक्ष्में का, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुक्रिया के लिए;

भतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (!) हो अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री इन्द्रजीत सिन्हा

(ग्रन्तरक)

(2) ग्राम्प्रपालि प्राप्टींज लिमिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में क्लोर्ड भीआक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद मों समाप्त हाती हो, के भीतर पृक्षिक स्वित्यों में स किसी स्वानित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क यस निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

7/1 लार्ड सिन्हा रोड, कलकत्ता में श्रवस्थित सम्पत्ति जो सब रजिस्ट्रार अब एसुरेंसस, कलकत्ता के पास डीड नं ि 1–9879 के श्रनुसार 30–7–86 में रजिस्ट्री हुआ।

न्नाई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) न्नर्जन रेंज—I 54, रफी महमद किंदबई रोड, कलकत्ता—16

दिनांक : 02~3~1987

# प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सुचना

# (1) श्री निरंज हालदार।

(ग्रन्तरक)

(2) रिकि एस्टेटस प्रा० लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I. कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 02 मार्च 1987

निवेश सं० टी० श्रार०-244/86-87/एस० एल०-1288/ श्राई० ए० सी०/एक्बी०, श्रार-I/कल०--यतः मुझे, श्राई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का क्यारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 / - रु. से अधिक हैं श्रौर जिसकी सं० 181/1, ए० जे० सी० बोस रोड एवं 28 एवं 29 बेनियापुक्र लेन, कलकत्ता स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 8-7-86 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्देश किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

#### अनुसूची

181/1 श्राचार्य जगदीण चन्द्र बोस रोड एव 28 एवं 29 बेनियापुकुर लेन, कलकत्ता में श्रवस्थित सम्पत्ति जो रिजस्ट्रार श्रव एंसुरेंसेस, कलकत्ता के पास डीड नं०I-9076 के श्रनुसार 8-7-86 में रिजस्ट्री हुआ।

ग्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I 54, रफी श्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

विनाम : 02-3-87

# प्रकल बार्द : हर्ड : एन : एच :---

# भाषकर मिश्रियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में सभीन स्थान

#### तारव वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 24 मार्च 1987

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/7-86/ 3303—श्रतः मुझे, श्री भ्रशोक कवकड़,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्थ 1.00.000/- उ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० स्पेश सं० 1-ए खण्ड है तथा जो विजया विल्डिंग सं० 17, बाराखम्बा गोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंड श्रनसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण) श्रुजैन रेज-3, नई दिल्ली-1 में भारतीय श्रायकर श्रिष्ठिनयम, 1961 के श्रिधीन, दिनांक जुलाई 1986,

को पूर्वाक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के व्ययमान प्रतिक्षत के लिए मन्तरित की गई और मुभे यह विक्यास

करने का कारण है कि यथापृतिकत सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का संबद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में अस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ब्रुचरण ते हुई किसी बाद की शबर, उक्त वर्षित्रियम के अधीम फार दोने के बन्तरक के शामित्व में अभी कहने वा उच्चे क्यम में सुविधा के सिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की बिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अविकास बन्तिरिती क्वारा प्रकट नहां किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया क्वारा में स्विभा में सिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स गुजराल एस्टेट प्रा० लिमि॰ 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) हुवर कंस्ट्रक्शन प्रा० लिमि० 28, बाराखम्बा रोट, नई दिल्ली (ग्रन्सरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त बुज्यस्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्बद्धि के वर्षम् के बंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्यान के द्रावपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नविध या तत्स्वरणी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नविध, यो भी वृत्यि वास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) हुस सुकता के राजपत्र में प्रकाशन की तारिव म 45 दिक के शीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्क किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए या स्केंगे।

स्वच्छीकरण — इसमें प्रयुक्त पत्थों और पदों का, जो जनस निभिन्यम के सध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं नर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया वृक्ष ही।

#### अनुसुची

स्पेश सं० 1ए विजया बिल्डिंग 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001 क्षेत्र सुपर (500) वर्ग फीट।

ग्रमोक कनकड़ सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3 विल्ली/ नई दिल्ली-110002

दिनांक : 24-3-87

प्ररूप आह". टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनांक 24 मार्च 1987

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/7-86/ 3307-- अतः मुझे, श्री श्रशंक कक्कड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/। रा. से अधिक है श्रीर जिसकी स्पेश सं० 1ए खण्ड, विजया है तथा जा विजया बिल्डिंग 17, बाराखम्बा रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−3, नई दिल्लो में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, .1961 के अधीन दिनांक जुलाई 1986, को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित ाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गावा गया प्रीतफल, निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/सा

वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :--

(का) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के जनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मेसर्स गुजराल एस्टेट प्रा० लि० 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001 । (ध्रन्तरक)
- (2) मेसर्स हुबर कंस्ट्रक्शन प्रा० लिमि० 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । (भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

स्पेश सं 0 ए खण्ड विजया बिल्डिंग 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001 सुपर क्षेत्र (500) वर्ग फीट ।

श्रशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली/ नई दिल्ली-110002

दिनांक: 24-3-87

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च 1987

निदेण सं० आर्ट्ड० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/7-86/ 3308--अतः मुझे, श्री प्रशोक कक्कड्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिमकी स्पेण सं० 1-ए है तथा जो विजया बिल्डिंग, 17, बाराखम्बा रोड में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रेडकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन, दिनांक जुलाई 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके छरयमान प्रतिफल से एसे छरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे इन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त उन्तरण कि सिचा में शास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में भृतिधा के लिए;

- अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् स—- (1) मेसर्स गुजराल एस्टेट प्रा० लिमि० 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसम हुत्रर कंसट्ट्रकणन प्रा० लिमि० 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के राम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस सुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त 'अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

स्पेश मं० 1ए खण्ड विजया बिल्डिंग 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली—110001, क्षेत्र मुपर (500) वर्ग फीट।

> श्रमोक कक्कड़ मक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन दिल्ली ज-3,/ नई दिल्ली-110002

दिनांक : 24-3-87

मोहर 🎉

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 24 मार्च 1987

निदेश सं० म्नाई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/7-86/ 3365---म्नत: मुझे, श्री म्रशोक कक्कड़,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं स्पेश 1-ए है तथा जो विजया बिल्डिंग 17, वाराखम्बा रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन, दिनांक जुलाई, 1986,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के डिचर बाधार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के सिए क्य पाया गया प्रतिफल, निमनलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुः इंकिसी आयं काँ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) एंडी कियी जाव वा किसी थन या अन्य आसिसी की चिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती कुलारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने से सुविधा के सिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के, अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स गुजराल एस्टेट प्रा० लिमि० 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेमर्स हुवर कंस्ट्रक्शन प्रा० लिमि० 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के रावपन में प्रकासन की तारीय हैं
  45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी अयिक्त द्वारा;
- (क) क्रम स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्रभी

स्पेश सं० 1ए, खण्ड, विजया बिल्डिंग 17, बारा**जम्या** रोड, नई दिल्ली सुपर (500) वर्ग फीट ।

> ग्रशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज→3 दिल्ली नई दिल्ली—110002

विनांक : 24-3-87

# वरुप शार्<sub>छ</sub> हो<sub>ठ</sub> दुवेश दुव<sub>ळ</sub>ाल्लास

बाधकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

. 269-व (1) भी सभीन हुभना वाह्य प्रस्कृत

# कार्याभयः यहायक नावकर नायक (विश्वीक्षा)

श्चर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  $_{
m rf}$ ई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/7-86/3364----अतः मुझे, श्री श्रणोक कक्कडु,

तानकार विधिन्यन, 1961 (1961 का 43) (विषये इत्यों इत्यके परचात् 'उन्द विधिनियन' कहा गया हैं), की भारा 269-व के वधीन सकाम प्राधिकारों को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति विसका उचित बाजार मुख्य 1,00000/-क से विधिक हैं

ग्रौर जिन्नकी स्पेश सं० 11बी खण्ड है तथा जो विजया बिल्डिंग 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिश्रकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन, दिनांक जुलाई 1986,

को पूर्वोक्क संपरित को उचित बाबार मृत्य से कम के प्रयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्व

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएबॉक्स सम्यक्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से ऐसे श्रवमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अभिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे कंड-रण के जिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखक उद्देश्य के अभ्य संतरक कि सिखत में वास्तिक स्व से कियत गहीं किया गया ही:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जबत अधिनियम के अधीन कर देवे के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या।
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर किपनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा धा किया जाना चाहिए था, कियाने के सुनियम के लिए:

अत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के उधीरा, निम्निचित्र व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेसर्स गुजराल एस्टेट प्रा० लिमि॰ । 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । (ग्रन्सरक)
- (2) हुंबर सर्विस प्रा० लिमि० 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । (श्रन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के अर्थन के किश्व कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आहोब :---

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 विन की जबिचें या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, को भी जबिच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (क) इस स्वका के राजपन में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों औार पदों का, जो उक्त विधित्रियम के जन्माय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस वस्थाय में दिशा गया है।

# **अन्**स्ची

स्पेश सं० 1 यी खण्ड विजया बिस्डिंग 17, **बाराखम्बा** रोड, नई दिश्ती क्षेत्र सुपर (500) वर्गफीट ।

> श्रशोक कन्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-3 दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 24-3-87

प्रथमं आर्थं ही एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन कृषमा

#### नारत करकार

# भावांक्षेत्र, बहायक जावकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दि₁ांक 24 मार्च 1987

निदेश सं० धाई० ए० सी०/एक्य्०/3/37ईई/7-86/ 3366--श्रत: मझे, श्री श्रणीक कक्कड,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के सभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी स्पेश सं० 1 बी, खण्ड, विजया बिल्डिंग 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित (भौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 के श्रीधीन, दिलांक जुक़ाई 1986,

कारियुवाँकत संवत्ति को स्वित कार्यार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कुनी यह विश्वास करने का कारण है कि वचा पूर्वोंकत संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके क्ष्यवान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से व्यवसान के कार्य कार्यार व्यवसान के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निलिक क्यू से अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निलिक क्यू से उच्छ वन्तरण लिखत में वास्तविक क्य से कांचत नहां किया नया है है—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-धर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा को सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भे अभीन, निम्नीधित व्यक्तियों स्थात् अस्त

- (1) मेसर्स गुजराल एस्टेंट प्रा० लिमि० 17-जाराखम्बा रोष्ठ, नई दिल्ली-110001 (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्य हुवर सविस प्रा० लिमि० 28, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूर्यना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए अर्जविक्त करका हु।

उन्त तम्मति ने भवन के तम्बन्ध में कोई भी वालेंच हुन्स

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जवीं था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को सी अवधि नाव में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीक्य व्यक्तियों में से किसी अविद क्षेत्रा;
- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशित की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का उक्तें ने 1

रचका विकास कर के कार्य कार्य

# **नन्दर्जी**

स्पेश मं० 1-त्री खण्ड विजया बिलिंडग 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली मूपर (500) वर्ग फीट ।

> भ्रशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजे: रेंज-3 दिल्बी, नई दिल्ली-110002

**電音** : 24-3-87

मोहर ;

अस्य बार्<sup>ड</sup>्र ठी<sub>ड</sub> एव*ु* एस*ु* =======

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के वधीन न्या

#### भारत् वस्कार

## सार्वाक्षम, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

म्रजंस रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-86/ 3202—ग्रन: मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै।

ग्रौर जिसकी पलैट सं० 709, है तथा जो मेघदूत बिल्डिंग 94, नेहरू प्लेस में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन दिनांक जुलाई 1986,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान शितफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि मधा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बोजार मूल्य, उसके इंस्यमान प्रतिफल से एन्ट्र प्रतिकृत से ऑधिक है किर अंतरिक (अंतरितियाँ) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पारा गया-प्रसिफल, जिन्निणिंबत उद्वेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरम से हुन्दें किसी भाव की बाबत, उक्त बाबिविवस के अधीन कार दोने क क्तारण र दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, चिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, राधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहा किया व मा किया जाना चाहिए था, खिपाने में मूकिका के लिए;

अतः वरः अवतः अधिनियम की भारा 269-च के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीभती भावता इसवर थडामी सुपुत्री इसवर एच० थडानी 42/5, सुलसी निवास, डी-रोड, चर्च गेट, बम्बई-1400020

(ग्रन्तरक)

(2) मास्टर अतुल न्यायक और श्रसीम नायक संस श्री गणपती हम्मू नायक 16, मुनिरका विहार, नई दिल्ली-110067 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह श्वना जारी करकं प्रॉक्त सम्पत्ति के अर्थन की किए कार्यवाहियां शक्त करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त ध्योकत्यों में से किसी स्वक्ति सुवार;
- (क) इस स्वया के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित्रकृत्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाद्वस्ताकारों के पान विकित में किए आ सकोंगे।

न्यक्रीकरण:---इसमी प्रयुक्त कर्म्या और पद्यों का, जो जनक क्रीपनियम, के कथ्याय-20-क मी परिस्तीयत् गया हाँ।

#### धनुमुची

फ्लैट सं० 709, मेघदूत बिल्डिंग, 94—नेहरू प्लेस, नई दिल्ली—110019, तादादी लगभग क्षेत्र 627 वर्ग फीट ।

> एस० मी० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज∽1 दिल्ली, नई दिल्ली−110002

विनांक : ,13-3-87

प्ररूप आहूँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीत रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनॉक 13 मार्च 1987

निदेश सै० प्राई० ए० सी०/एक्यू०1/37ईई/7-86/3203--ग्रतः मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-

रज्यों से अधिक हैं भीर जिसकी फ्लैट सं० 708, 94 है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1986,

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित बास्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती ब्लारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असी: अर्थे, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरेंग में, में, उन्तर अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मिस हर्षा इसवरथडानी
  सुपुत्नी ईश्वर एच० थडानी 42/5, तुलसी निवास,
  डी० रोड, चर्च गेट, बम्बई-400020
  (ग्रन्तरक)
- (2) डा० (मिसेज) कौशत्या नाइक पत्नी श्री गणपती हम्मू नाइक 16 मुनिरका बिहार, नई दिल्ली-110062 । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्रीबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिश की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीक रण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्यी

फ्लैट सं० 708, मेबदूत बिल्डिंग, 94-नेहरू पलेस, नई दिल्ली-110019 लगभग क्षेत्र 627 वर्ग फीट ।

> एस० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली,

दिनांक : 13-5-87

भो**ह**रं 🎉

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कामालय, सहायक गायकर गायक्स (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज-1, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निदेश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-86/ 3209--श्रतः मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

भाषकर भा धनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य

1,00,000/- क. से अधिक हैं
और जिसकी सं प्रनेट मं 613, है तथा जो इण्टरनेश कि ट्रैड
टावर, नेहरू होटल, नेहरू प्लेस में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
स्रतुसूची में पूर्ण रूप में विंगित है), सहायक श्रायकर श्रायुक्त
(निरीधण) रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिन्यम,
1961 के स्रधीन दिनांक जलाई 1986,

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य मृल्य, ासके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांत्रचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अ तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक हम से कीथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी नाम की नायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने को अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अवने में सुविधा के लिए; जौर/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियानी में सुविधा के लिए।

अतः अवं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीत :---  (1) मेसर्स इंडियन बायाटेक कम्पनी प्रा० लिमि० 109/32-33, नेहरू पलेस, नई दिल्ली-19

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्स नीता सागर ध्रौर श्री राजीव सागर तिवासी--एस-419, ग्रेटर कॅलाश-2, नई दिल्ली-110048 ।

(भ्रनिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अविधिया इत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन को अविधि, त्रों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### मनुसुची

फ्लैंट सं० 613, इण्टरनेमनल ट्रिंड टावर, नहरू प्लेस होटल, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली । तादादी 726 वर्ग फीट ।

> एंस० सो मुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-3-87

प्ररूप आई. टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासम, बहायक मामकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/7-86/ 3210---श्रतः मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे ध्वाने इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं जी-6, है तथा जो सहयोग, 58, नेहरू पलेस, नई विल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में पूर्ण रूप से विश्वत है), सहायक स्रायकर स्रायुक्त (िरीक्षण) रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रधिियम, सहायक 1961 के स्रधी ते दिलांक जुलाई 1986,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीयर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उच्न अन्तरण लिखित बास्तीविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जम्मरण संहूच किसी जाब की बावत , उपली नियम के जभीन कर दोने के जल्दारक के दाखिला दो भागी करने या उससे बचने में श्रीतथा के लिए, जार/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यन्तिकों, अर्थात् :—— (1) मास्टर शरद मोहन (छोटा) द्वारा पिता श्रौर श्रभिभावक श्री सुनील मोहन निवासी—-डी-316, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मिसेज कमलेश गर्ग ई-43, हीजखास, र्ह दिल्ली मिसेज रानी पालीवाल, पालीवाल नगर, जी० टी० रोड, पानीपत । श्री महेश धानन्द 59, तेहरू पलेस, नई दिल्ली। (धन्तरिती)

का वह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के जिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

#### अवल सम्परित के अर्थन के संघ छ में कोई भी धाकर :---

- (क) इस स्चनाः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी की पास लिसित में किए जा सकेंगे।

#### मन्त्रची

धरातल खण्ड शाप नं० जी→6, सहयोग, 58, नेहरू पर्नेस, नई दिल्ली । तादादी 264 वर्ग फ़ीट ।

> एम० सी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायंक ग्रायंकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) ग्रर्जम रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक: 13-3-87

अरूए आर्च . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज:1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987 िनदेश सं० द्राई० ए० सी०/एक्यू०−7/6/एस० द्रार०−1/ 7-86/721--- अत: मुझे, श्री टी० के० साह, गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ≱मके परचात् 'उक्त अभिनियम', कहा गया इ"), की पारा 269-ल को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-ं रा. से अधिक हैं ध्रौर जिसकी सं० 1545/11-सी(40/23) प्लाट सं० 23, है तथा जो वेस्ट पटेल ∵गर में स्थित है (श्रीर इसमे उपा**बढ़** ग्रनसूची में पूर्णे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीत, दिनांक जुलाई 1986 को नुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यक्ति संपरित का उचित बाजार **गुल्य, उसके दर**यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रम् प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दर्शस्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, करि/या
- (क) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिवधा के लिए।

कत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) फांक गारमेंटस प्रा० निर्मित 69/1-ए, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-15 द्वारा मैनेजिंग डाइरेक्टर ग्रमोक सचदेव डी-29, एत्र० डी० एस ई०-भाग-2 नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) ग्रंगोका बिल्डिरस एग्ड प्रोमोटर्म 4-रेंक्यूट कोर्ट रोड, सिविल लाइंम, दिल्ली द्वारा श्री दीपक कुमार ग्रंगवाल 10, ग्रण्डर हिल लेन, दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यशाहियां करता हो।

जयत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी सुद्दोंग : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीका सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादरा;
- (क्ष) इस मृजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में विया

#### नगुलुची

प्रापर्टी सं० 1545/1-सी.(40-23) प्लाट सं० 23, तादादी 800 वर्ग गज बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 13-3-87

प्रारूप आई. टी. एन. एस.---

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# भागतिय, सहायक मामकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987 निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०-7/6/एस० आर०-1/7-86/724---अत: मुझे, श्री टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं मन्नास हाउस बियरिंग सं 4939 प्लाट सं 67/4, है तथा जो दिखागंज दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, दिनाक ज़्लाई 1986

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से मृक्स अन्तरण लिखित सास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की गावत उकत अधि-नियम के अधीन कर बंने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिकित व्यक्तियों, वधीत ;--- (1) श्रीमती सुनीता बोहरा पत्नी स्वर्गीय पन्ना लाल श्रौर विनोद कुमार बोहरा श्रौर राकेण कुमार बोहरा 67/4, दरियागंज, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) नीलम फार्मस एण्ड फोरेस्ट्म प्रा० लिमि० द्वारा डाइरेक्टर नीलम श्रग्रवाल वी-26, एन० डी० एस० ई-2, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती) े

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजभन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाति में हितसंब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जे उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### **ब**न्स्ची

1/6 म्रिविभाज्य शेयर लीज होल्ड लेंड तादादी 133 वर्गे गज डबल स्टोरी प्रापर्टी कंसीस्टिंग 1/6 भाग बिल्डिंग मद्रास हाखस बियरिंग सं० 4939 प्लाट सं० 67/4, दिरियागंज, दिल्ली फ्लैट सं० 5 जी० एफ धीर फ्लैट सं० 10 एफ एफ) एफ ट्रैस

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-3-87

प्ररूप आई. टी. एनं. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निदेश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एम० ग्रार०-1/7-86/728--ग्रतः मुझे, श्री टी० के० माह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इ.समें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

श्रीर जिसकी सं० एम-14 है तथा जो राजोरी गार्डन, क्षेत्र बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप स वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908

1,00,000/~ रा. से अधिक है

का 16) के प्रधीन दिनांक जुलाई 1986 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिषात से अधिक है और (अंतरकार) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दो के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तिकार अर्थात् :——
5—2601/87 (1) श्रीमती परिमन्दर कौर पत्नी श्री एम० मनजीत सिंह श्रीर मनजीत सिंह सुपुत्र श्री स्वर्गीय एम० हरभजन सिंह, डीई-83 टैगोर गार्डन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ऊधम सिंह मुपुत्र श्री स्वर्गीय श्री जवहार सिंह जे-13/59 राजोरी गार्डन नई दिल्ली। (धन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपण मो प्रकाशन की तारील से . 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सेकोंगे।

स्मच्छीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया, है।

#### अनुसूची

प्रथम खण्ड प्रापर्टी नं० एम-14, तावावी 200 वर्ग गज स्थित राजोरी गार्डन, क्षेत्र बसई वारापुर, दिल्ली।

> टी० के० माह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6,दिल्ली, नईदिल्ली-110002

दिनांक : 13-3-87

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . -----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीर सुचना

भारत भरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/6/एस० आर०-1/7-86/729--अतः मुझे, श्री टी० के० साह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रापये से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एम-14, राजोरी गार्डन, गांव बसई दारापुर, है तथा जो दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसने उपाबद श्रमुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जलाई 1986

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत उन्हें जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भाररतीय अध-कर अधिनियम, 1922 (1922) की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था श किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गं, मैं, उपन अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री नवतेज भिह<sub>्य</sub>म्ब हरभजन सिंह ग्रौर वरिन्द कोर एग-14, राजोरी साईन, नई **दिल्ली** । (ग्रन्तरक)
  - (2) श्री ऊधम सिंह गुपुत्र स्वर्गीय जवाह्र सिंह जे-13/59 राजोरी गार्डन, नई दिल्सी । (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकिए में किए एर एक्पी।

स्पष्टीक रण:---इन्स्मा प्रमुक्त शब्दा तथे पदौँ वा को उपन अधि-निक्र के अध्याप १०-अ मी परिभाषित थी, बही अधि होना जो उन अध्याप मी विकास स्वाही।

#### अनुस्ची

्र प्राउण्ड फ्लोर प्रापर्टी नं ० एम-14, 200 वर्ग गज राजोरी गार्डन, क्षेत्र बसई दारापुर, दिल्ली ।

टी० के० साह् मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–6, नर्ष दिल्ली–110002

दिनांक: 13-3-87

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्जालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-7/6/एस० भार०-1/ 7-86/756--- प्रतः मुझे, श्री टी.० के० साह, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ४(सब्धे पइचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रहविश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ा,00,000 ∕ - रह. से अभिक **ह**ै भ्रौर जिसकी सं । 10-यू ० बी ० है तथा जो नार्थन सिटी एक्सटेंशन सब्जी मण्डी दिल्ली में स्थित हैं (भ्रौर इसने उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जुलाई 1986 की पूर्विक्ष सभ्पत्ति को उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुस्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल के पंद्रहप्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 र्10.22 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री विवेकपुरी मुपुत स्व० क० सर्वजीत पुरी सी-4डी/32बी, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सोहन लाल सुपुत्र राम स्वरूप 2 डी ० के० गुप्ता पुत्र श्री रोशनलाल । 3. श्रीमती सुधा गुप्ता पत्नी ग्रार० एल० गुप्ता 4 पमावती पत्नी श्रोमप्रकाश श्रीर संजय मुकिम सुपुत्र भोला शंकर विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अन्स्ची

एक मकान वियरिंग नं० 10-यू० वी० क्षेत्र 295.6 वर्ग गज नार्थरन सिटी एक्सटेंगन सब्जी मण्डी, दिल्ली।

> टी० के० राहि ाक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-3-87

प्ररूप आहें टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निवेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-7/6/एस० आर०-1/7-86/759--आतः मुझे, श्री टी० के० साह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसक सं रु है-8, है तथा जो ब्लाक ई, सी० सी० कालोनी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इंसमे उपाबड़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जुलाई 1986,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल में एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्तं अधिनियम, की धारा 269-गं के अनुसरण मों, मीं, उक्तं अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री ए० के० गुप्ता सुपुत्र के० एन० गुप्ता
   बी-4/7, राना प्रताप बाग, दिल्ली ।
   (प्रान्तरक)
- (2) श्रीमती सुनीता देवी पत्नी श्री हरिण चन्द्र, ई-8, सी० सी० कालोनी, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अ**गुस्ची

धरातल खण्डं प्रापर्टी सं० ई-8, क्षेत्र 200 वर्ग गज स्थित सी० सी० कालोनी, दिल्ली, दिल्ली स्टेट गवर्नमेंट एम्पा-लाइस को०-आप० हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड नजदीक आर० पी० वाग, जी० टी० रोड, दिल्ली।

> टी० के० साह मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली-110002

दिनांक`: 13--3--87

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

जायका अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज 6, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 13 मार्थ 1987

निदेश सं० ग्राई० ए०सी०/एक्यू०-6/एस०ग्रार०-1/7-86/ 760---श्रतः मुझे टी० के० णाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उन्दर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- राः से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ई-8 है तथा जो दिल्ली कालोनी राज्य राजकीय एम्प्लायज को-श्रापरेटिय बिल्डिंग मोमायटी लिं० दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण क्य के वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1986

को पूर्वेक्सि सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबिंद उद्देषम से उसल अन्तरण जिसिद्ध बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण म हुड़ भिस्ती आय की बाबस, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए. और/बा.
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसितयों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अष, उक्त मीभीनयम, की धारा 269-ण के बन्तरक मी, मी, उनते अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---  श्री केदार नाथ गुप्ता युपुत्र श्री किरोडीमल गुप्ता वी-4/7 राना प्रताप बाग दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री हरीण चन्द्र मुपुत्र श्री रघुबीर नारायना ई-8 सी० सी० कालोनी दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी की पास निखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त सिंगियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जे: उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुस्ची

प्रथमं भ्रौर दूसरा खंड प्रापर्टी नं ई-8 क्षेत्र 200 वर्ग गज (सी सी कालोनी ) स्थित कालोनी भ्राफ दिल्ली स्टेट सरकारी एम्पलाइज को-भ्रापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड नजदीक राना प्रताप बाग दिल्ली।

> टी० के० गाह मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-6 नई दिल्ली-110002

दिनांक 13-3-1987 मोर्हा : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निदेश में ० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस० श्रार०-1/7-86/

ृ761;—श्रतः मुझे, श्रीटी० के० शाह,

, आयकर अिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० म्युनिभिष्ण नं० 4379/4 खसरा नं० 58 है तथा जो दिरयागंज में स्थित है (श्रीर इसी उनाबद्ध श्रम्भूमी में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक नई दिल्ली।

को पूर्विकंत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफें यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिज्ञत सं अधिक है और अन्तरिक (अन्तरवर्धे) और अन्तरिती (अंतरिक्षित ) क पीच एये अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखा उद्देश्य से उक्त अंतरण विशेषत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;
- (ख) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्हारा एकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री निर्मल कुमार बोस सुपुत्र श्री ए० सी० बोस निवासी 4379/4 दरियागंज नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(1) श्री प्रकाण चन्द जैन सुपुत्र श्री तिखा राम जैन
 (2) श्ररुण कुमार जैन सुपुत्र श्री पी० सी० जैन
 4378/4-बी दिखागंज नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त - उधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्वया है।

# अन्सची

फ्री-होल्ड राष्ट्रट 1 दादादी 455.00 वर्ग गज वियस्मि प्रापर्टी स्यूनिसिपल नं० 4379/4 खसरा नं० 58 स्थित दरियागंज नई दिल्ली।

> टी० के० शाह मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्भन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक 13-3-1987 मोहर: प्रकृत आर्थः । द्वः । एतः । एसः । - - - - - -

बावक र किपिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन स्वना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्किक) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिरुली

नई विल्ली, विनांक 13 मार्च 1987

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०-4/एस०म्रार०-1/7-86/ 762—-श्रतः मुझे, श्रीटी० के० शाह

बायकर अधिनिसंस, 1961 (1961 का 43) (िवसं इसमें इसके पहचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण के कि अधार स्थान स्थान कि कि अधार मुख्य कारण के कि अधार स्थान कि कि अधार के कि अधार स्थान कि कि अधार कि अधार के क

भ्रौर जिसकी सं० एफ - 2/1 है तथा जो भाडल टाउन दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपावस अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई 1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हाँ कि अअपपूर्विक्त स्वयमित का उचित बाजार मल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से, एसे इर्यमान प्रतिफल का पान्त प्रतिबंद हो अधिक है और बंतरक (संतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिसियत उद्वेदिय से अक्त संतरण सिवित में नास्त-

- (क) अंतरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बधिनियस की अभीत केंच वंत के बंदएक के अधिक में किसी करने क उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 शीयती करानावती देवी श्री मानकवन्द एफ-2/1 माडल टाउन, दिल्ली।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रमीता श्ररोडा पश्ची श्री मनमोहन सिंह एफ-3/15 माडल टाउन, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोच्छ सम्परित के नर्बन से सिस् कार्यवाहियां करता हुई।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में धरेड़" भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि. जो भी बत्रिय संदर्भ या में रामाप्त होती हों, जो भीतर पूर्विक्स स्थितिलयों में से किसी आर्थित दनारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थानत स्थानित मों तिहर ने बब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अशहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20 क में परिशाबित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया

# अन्स्ची

श्रविभाष्य हाफ णेयर प्रापर्टी नं∘ एफ-2/1 माडल टाउन, दिल्ली ।

> टी० के० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-6, नई दिल्ली-110002से

ं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों,, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 13-3-1987 मोहर : प्रारूप आहें, टी. एन. एस्. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

# श्रायांतय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6

नई दिल्ली दिनांक 13 मार्च 1987

निदेण सं० श्रार्ष० ए० सी०/एक्यू-6/एस० श्रार०-2-7-86/ 763—श्रत: मुझे श्री टी० के० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अंकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे यह विक्लास करने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित बाजार मृत्य

1,00,000 ∕- रः. से अधिक **ह**ै

श्रौर जिसकी संख्या है तथा जो एफ-2/1 माडल टाउन दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसते उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई 1986

को पूर्वीवत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गस्तिवक रूप से किश्त नहीं किया गया है कि

- (क) निरम सं हुई किसी नाय की बाबत, बक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को समित्य में कमीं करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ध) एसी किसी साम या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 कार 11) या उचत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गर्भा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के सिद्धः

अत: अब, उमत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की की धारा 269-ग की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तित्यों, अर्थीन, निम्नलिश्वित व्यक्तित्यों, अर्थीन,

 श्रीमती कमलावती पत्नी श्री मानक चन्द एफ-2/1 माडल टाउन दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सतबन्त ग्ररोड़ा पत्नी श्री करमसिंह एफ-3/15 माडल टाउन दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# वन्त बन्गति के नर्बन के क्येंथ में कोई भी वालेंग हिल्ल

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुस्ची

श्रविभाज्य आधा शेयर प्रापर्टी नं० एफ-2/1 मा**उल** टाउन दिल्ली ।

.टी० के० शाह मक्षम ग्रधिकार) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 4 नई दिल्ली

दिनांक: 13 -3-1987

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

# बावकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के वधीन स्वन्। भारत बरकार

# कार्याचे , सहायक बायकर वायकत (निरक्तिण)

श्रर्जन रेंज-7,

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1987

निदेश सं० भ्राई० ए०सी०/एक्यू०-6/एस०भ्रार०-1/7-86/772—अतः मुझे टी० के० साह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आए 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यति, विश्वका उचित्र वाचार मृज्य

1 00 .000 /- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं है तथा जो बी-4/7 (1-2), राना प्रताप बाग दिल्ली-7, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के श्रधीन विलांक जुलाई, 1986
को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के निए मंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने
का कारण है कि सभाप्वोंक्च सम्पत्ति का उचित बाजार सूच्य,
उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंदह
प्रतिशत से बाधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (जंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल,
निम्निश्चित उद्दोक्य से उक्त जंतरण लिखित में बास्तिकक
कर से किंगत नहीं कियां गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के किए; बॉर/बा
- (व) एंनी किसी बाग मा किसी भग मा बन्ध आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर बंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त राधिनियम, या धनकर बंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था मा किया बात चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

- 1. श्री नगेन्द्र भटनागर सुपुत्र श्री राजेन्द्र स्वरूप भटनागर,  $a_{1-4}/7(1-2)$ , राना प्रताप बाग, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री केदारनाथ गुप्ता, मुपुत्र श्री किरोरीमल गुप्ता श्रौर अपित कुमार पुत्र श्री केदार नाथ गुप्ता, ई-8, सी० सी० कालोनी, दिल्ली-7

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उचल संपत्ति को अर्थन को संबंध को कोई भी आसोप :---

- (म) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 4.5 दिन की सविभ वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की सविभ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुनारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित्त में किए पा सकेंगे।

स्पच्चीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# प्रनुसूची

प्रापर्टी नं० बी-4/7(1-2), राना प्रताप बाग, दिल्ली-7 तादादी 423.37 वर्ग मीटर ।

टी० के० साह उक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅज-6, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण की, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——
6—26GI/87

दिनांक 13-3-1987

प्राक्त नाई.टी.एव. युव. 📖 🚉 🚉 📆

# नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-6.

नई दिल्ली दिनांक 13 मार्च, 1987

निवेश सं० श्राई० ए०सी०/एक्यू०-6/एस०श्चार०-1/7-86/ 777—श्रत: मुझे टी० के० साह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं है तथा जो 7/3 वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-110008 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1986

को पूर्वोक्त सम्मोत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान बितिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मीत का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं कथा गया है —

- (क) अन्तरक से हुई किसी शाय की वासत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दास्थित में कभी करने या उससे वचने में सृष्धि। से लिए; और/धा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बस्य बास्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना धाहिए था, खिपाने में सुविधा वी किए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- दुला दुलाहदीनोमल ग्रसनानी,
 7/3, थेस्ट पटेल नगर, नई विल्ली।

· (भ्रन्स**र**क)

 बाटा इंडिया लिमिटेड 30, शैक्सपीयर सारणी, कल्कता-700 017

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हु"।

दबत सम्बन्धि को बर्चन को संबंध में कोई भी मार्कप छ---

- (क) इस सूचना को राजपण में जकाशन की तारीच वे 45 दिन की जबीध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए- बहुभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त क्षम्यां करि पर्यों का, को उक्त व्यक्तियम, के वध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

7/3, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली-110008, तादादी, 200 वर्ग गज ।

> टी० के० सा सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज 7, नई दिल्ली

दिनांक : 13-3-1987

मोहर

# प्रकप बाई.डी.एन.एस.----- .

# कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के क्यीन स्वना

### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निदेश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०-6/एस०ग्रार०-2/7-86/ 300-श्रतः मुझे टी० के० साह,

बावकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उचत बिधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का स्थारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं लिया जो 59, वेस्ट एवेन्यं

श्रीर जिसकी संज है तथा जो 59, वेस्ट एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्थित बाबार मूर्व से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि मभान्वोंक्त संपत्ति का स्थित बाबार मूक्व, सक्के द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे दब्यमान प्रतिफल का मृद्ध प्रतिकत से बीभक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तम पापा बबा प्रतिफल निम्नितियों अद्योग स्वृद्धिय से स्वत्त जन्तरण सिषित के बास्तिक रूप से क्वियत नहीं किया नवा है :---

- (क) बन्तरण संशुद्ध किली नाम की बाबत उपल बाध-नियम से सभीप कर दोने से सम्बद्धक के दायित्य के कमी करने वा अवसे अचने में सुविधा के लिए; बीप/वा
- (स) ऐसी किसी भाव वा किसी भव या अन्य बास्तिकों की, जिन्हें भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अस्त विभिनियम, या भव-कर विभिनियम, या भव-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के विष्;

बतः बकः, उनत अधिनियम की भारा 269-व क बन्सरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-  श्री एंस० बलनीत सिंह, सुपुत्त श्री रतन सिंह, एल-31, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. (1) राजपाल गुप्ता भुपुत्र स्वर्गीय किश्त जन्द

(2) मास्टर रोहित गुष्ता सुपुत्र ग्रार०पी० गुष्ता 11/10, शक्ति नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पृथींबत सम्पत्ति वी वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति को कर्पन को सम्बन्ध में कोई भी बाधीप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी विषय में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ध . व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिल-ब्युध किसी बन्य स्थित व्यारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए वा सकाँगे।

त्यस्तीकरणः --- इतमें प्रयुक्त सब्दों और पर्यों का, वा उन्हा वीधनियम, के वध्याय 20-क में परिकाबिट हैं, बढ़ी वर्ष होगा वा उस वध्याय में विवा गया है।

# प्रमुख्यी

फ़्री होल्ड, प्लाट-बियरिंग नै० 59, वेस्ट एवेन्यु रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। तादादी, 555.55 वर्ग गज।

> टी० के० शाह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्राकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक: 13-3-1987

माहर:

# अक्न नाइंट की <sub>व</sub> एन ् एक्ट अ - - ----

# नावकर निर्मानमम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-न (1) के नधीन क्षाना

#### माहरू बहुनम्ब

# कार्याक्य, सहायक कायकर बावुक्य (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-6, नई विरुली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1987

निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-6/एस० आर०-2/7-86/ 325—अतः मुझे, टी०के० साह,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मित्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं है तथा जो प्लाट नं 32, ब्लाक नं 56, पार्क क्षेत्र करोल बाग, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1986

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्के यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तर रिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिष्ट तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण वं हुइ किसी जाय की वावतः, वक्त जीभीनयम के अभीन कर देने के जन्तरक के वाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-वार्थ अन्तरिती इवाच प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना बाहिए था, किया है है हिन्सा के लिए;

सतः जन, उनत अधिनियम की भारा 269-ए की अनुसरक में, में, उनते अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. 'श्री भगवान दास सुपुत्र करन सिंह 12/12, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

2. मैसर्स कंसटोरियम होल्डिंग प्रा० लि०, बी-2, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# जबत बच्चीत के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

े काई स्टोरी बिल्डिंग, प्लाट नं० 32, ब्लाक नं० 56, सादादी 1288. 2 वर्गू गज पार्क क्षेत्र, करोल बाग, नई दिल्ली (20 शेयर प्रापर्टी में)।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रेर्जन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन मचन

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 6

नई दिल्ली दिनांक 13 मार्च 1987

निदेश सं० स्राई० ए०सी./एक्यू०-6/एस०स्रार०-3/7/86/ 326—स्रत: मुझे, टी० के० साह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा ∴69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं है तथा जो 2318-2321 चुना मंडी पहाडगंज नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपा इस् अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक जलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ जिसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री गुरमीत सिंह सुपुत्र सेवा सिंह
 2316 चुना मंडी पहाड़ गंज
 नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स ट्रास इंडिया इंटरनेशनल लिमिटेड 1/6 झण्डेवालान एक्सटेंशन नई दिल्ली द्वारा डायरेक्टर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, बो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकोंगे।

न्यस्थीकरेष:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं अ

#### बनसची

प्रापर्टी बियरिंग नं० 2318-2321 चुना मंडी पहाडगंज नई दिल्ली । क्षेत्र 147 वर्ग गज ।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6 दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 13-3-1987 मोहर : प्ररूप आहें. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-६

नई दिल्ली दिनांक 13 मार्च 1987

निदेश मं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०-6/एम०श्रार०-3/7-86/ 327—ग्रतः मुझे टी० के० साह

बायकर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्विकत सम्प्रित का उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/⊢ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो 59/25 खसरा नं० 1343/153 स्युनिमाल नं० 7970 न्यू रोहतक रोड नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इमने उनाबढ धनुसूची में धौर जो पूर्ण करने विज्ञान है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशति से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निल्लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (ख) ऐसी' किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिर्नियम क्री धारा 269-ग क्री, अनुसरण में, मैं, उक्तत अधिनियम क्री धारा 269-म क्री उपधारा (१) क्रे अधीन, व्यक्तिकत व्यक्तियों, अर्थात्:~-

- श्री वीरेन्द्र कत्याल सुपुत्र स्वर्गीय लाला भगवानदास कत्याल 21 बान्ग्लो रोड, नई दिल्ली।
- (श्रन्तरक) 2 श्री हरिचन्द मुपुत्र स्वर्गीय लाला गेंदाराम
  - (2) शीला देवी पत्नी श्री हरिचन्द ।
  - (3) श्रीमती सन्तोषकुमारी पतनी श्री श्रोमप्रकाश
  - (4) श्रीमती शशिकश्चरोड़ा पत्नी जगवीश लाल 2064 जी० नं० 38-38 नाईवाला करोलबाग नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पृथाकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वशिकरण :---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, बहा अर्थ होगा जो उसे अध्याय मी दिया गया ही।

#### अनसची

प्रापर्टी बियरिंग नं० 59/25 खसरा नं० 1343/153 म्युनिसियल नं० 7970 न्यू रोहतक रोड करोल बाग न**ई** दिल्ली-5 तादादी 552.44 वर्ग गज।

> टी० के० साह् सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज 6 नई दिल्ली-110002

दिनांक 13-3-1987 मोहर: 

# प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6

नई दिल्ली दिनांक 13 मार्च 1987

निवेश सं० म्नाई०ए०सी०/एक्यू०-६/एस०म्रार०-3/7/86/ 328:—म्नत: मुझे टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृत्य 1,00,000/- क. से गिधिक है

मौर जिसकी सं० है तथा जो ध्रार-855 न्यू राजिन्दर नगर नई दिल्ली में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ध्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक जुलाई 1986

को प्राॅक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकन सम्पत्ति का उचित नाजार मृन्य, असने स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रोचफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नेवारण सं शुर्व किसी नाम की वासना, सकत विविद्यास के नपीन कर वाने के अन्तर्भका के वर्शकाल में कभी करने या उक्का मचल में स्वित्त के लिए; वाहर का

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण के, के, उक्त अधिमियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अधीन,

- (1) श्री डा० मुरजीत सिंह सपुत स्वर्गीय डा० साहन सिंह श्रीर परमज़ीरे सिंह सुपुत्र सोहहन निहें श्रीर०-855 न्यू राजिन्दर नगर नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री रमेण चंत्र गाहनी सुपुत्र देस राज साहनी ग्रार०-855 न्यू राजिन्दर नगर नई दिल्ली। (अन्तरिती)

की 4ह स्थाना जारी करके पूर्वांकट सन्पटित को अर्जन की मिथ कार्यवाहिया करता हु।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की सर्वीध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थान की तामील से 30 दिन की नवीय, जो भी कवीय नाद मा समाप्त होती हों, म भीतर पूर्वीकर (दिकान की लोगक) के लोगका
- (खं) इस सूचना की राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 जिन की गा जिस राज्यात ज्यानित की हिल बद्धा किसी अन्य व्यक्तित न्यादा, अधोहस्ताक्षरी र शक विकास अंदिक्ष के सुक्ति ।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शक्यों और प्रशासा, को उक्त अधिक नियम को अध्याय 20-का में परिभाणित हैं, हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में द्या गया है।

#### अनुसुधी

प्रापर्टी नं० भ्रार-855 तावादी 195 वर्ग गज न्यू राजिन्दर नगर, नई विल्ली ।

> टी० के० शाह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंग-6 नई दिल्ली

दिनाक : 13-3-1987

थोहर

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आमुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निदेश मं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०--6/ एस० भ्रार--3/ 7--86/329----भ्रतः मुझे, श्री टी० के० साह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्राके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास ठरने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपय से अधिक है

ग्रीर जिसकी मंख्या है तथा जो प्लाट नं० 38, ब्लाक 7ए, डब्स्यू० ई० ए०, करोलबाग में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुभूषो में पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार म्ल्य. उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहु/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्रिकाम के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रो रूपनारायण गुप्ता सुपुत्र श्री स्वर्गीय इन्दर नारायण गुप्ता 7—ए/38, डब्ल्यू० इ० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नरेश कुमार झांसी सुपुन्न स्वर्गीय करतार चंद झांसी 7-ए/30, डब्स्यू० इ० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्सरिती)

को यह स्वका जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्णि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविट है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अंतरी की

प्रापर्टी बियरिंग नं० एम० पी० एल० नं० 16/11263 प्लाट नं० 38, ब्लाक-7 ए०, डब्ल्यू० इ० ए०, करोलबाग, नई दिल्ली तावादी 199.83 वर्ग गज ।

> टी० के० साह सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली

दिनांक : 13~3-1987

प्ररूप आहें.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज-6, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 13 मार्च 1987

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/6/एस म्रार-3/7-86/ 329 ए—म्रत: मृत्ते, श्री टी० के० साह,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं है तथा जो मकान नं 11014 प्लाट नं 21 ब्लाक 18, डब्स्यू इ ए, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध प्रमुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं निकया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आये की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

(1) श्री एस० बलबीर सिंह सुपुत्र ईश्वर सिंह एस-6, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० भोगिवर सिंह सुपुत्त सुंदर सिंह श्रीर गुरबचन कौर पत्नी एस जोगिवर सिंह 18/21, डब्स् ए, करोलबाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 11014, प्लाट नं० 21, ब्लाक नं० 18, तादादी 240 वर्ग गज खसरा नं० 794/767 वेस्टर्न एक्स- टेंशन क्षेत्र करोल बाग, नई दिल्ली।

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, दिल्ली, नई बिल्ली-110002

नारीख: 13-3-1987

प्रकल नार्षं. टी. एन. एत. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (मिरीक्षण) मर्जन रेंज नई-6 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू-6/37ईई/7-86/74---श्रतः मुक्के, श्री टी० के० साह,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अभिनियभ' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाचार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० है तथा भो ए-26, ग्रशोक बिहार-1, नई विल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सक्षम ग्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, कख के ग्रधीन तारीख जुलाई 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उपमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पेइन प्रतिकत से बिभक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (बन्तरितियाँ) के कीच एसे अन्तरण के निए तय वामा गवा प्रतिकत निम्ननिवित्त उद्देश्य ने उस्त बन्तरम निवित्त में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाद की बावत, उपन नियम के नभीन कर दोने के अंतरक के बायित में कमी करने वा उससे बचने में सुविभा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी भन या नन्य नास्तिनों को जिन्हों भारतीय नायकर निभिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त निभिनयम, या भनकर निभिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनीय निस्ति विश्वारा प्रकट नहीं किया गना या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिभा के निक्ष:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीम निम्नसिखित क्यक्तियों, अर्थात ----

- (1) श्री जगदीश लाल मुंजाल सुपुत्र श्री रुकमा राम मुंजाल ए-26, ग्रशोक बिहार, फेस-1, दिल्ली-52 (धन्तरक)
- (2) 1 श्री राम प्रकाश मोदी 2 विनोद कुमार मोदी 3. वेद प्रकाश मोदी 4. प्रेम प्रकाश सुपुत श्री मुरारी लाल निवासी-5917, बस्ती हरफूल सिंह सबर थाना रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कार्बन के जिल् कार्यवाहियों करता है।

# उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तित्यों में से जिल्ही व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा कथोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

**बन्स्**ची

ए-26, भ्रशोक विहार, फेस-1, दिल्बी-110052।

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली.

तारीख: 13-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-6, जो+13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. ग्नार, बिडिंग, इस्द्रप्रस्थ स्टेट, 6 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/6/37 ईई/7-86/75— अत: मुक्के, श्री टी० के० साह

बावकार विश्वित्वम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इतमें इसके परवात् 'उनत् विश्वित्वम' कहा नवा ही, की धारा 269-क के मंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से विधिक है

स्रीर जिसकी संख्या है तथा जो 1-सी/13, न्यू रोहतक रोड, करोलबाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में पूर्व रूप से विलित है), सहायक स्नायकर श्रायकर (निरीक्षण) रेंज-6, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 को 16) के श्रधीन सारीख जुलाई 1986।

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के करमवान भितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित बाबार बून्च, उत्तके स्थ्यभान प्रतिफल से, एोडो क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एोडो बंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त क तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त वीधिनियंद के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उद्यक्त वचने में सुविधा की लिए; और/या
- (थ) ए'वी किसी बाब वा किसी धन वा बन्ध जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) गिरधारी लाल सैनिक 1-सी/13, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली-110005।

(ग्रन्तरक)

(2) विकास एजसी प्रा० लिमि. ए/4, मायापुरी श्रौद्योगिक क्षेत्र, नई बिल्ली-110064।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इत स्वान के रावपण में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की सबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यधि, को भी स्वाधि वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्म इंगरा;
- (क) इस स्थान के राथपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष कि सी नम्य न्यक्ति दुवारा, नभोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किये वा सकेने:

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उक्र स्थाय में दिशा रवा है।

# वनुसूची

बिल्डिंग नं० 1सी/13, खासरा नं० 1668/1299/ 153, एम पी एल नं० 9737, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

> टी० के० साह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज-6, दिल्ली, नई दिल्ली- 110002

तारीख: 13-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-74/14ए, प्रासफ्रअली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निवेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०∄7,37ईई/7-86/76—— भतः मुझे, श्री टी० के० साह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं है तथा जो काटेज नं 14, अपार्टमेंट नं 4, रक्ष्यूट कोर्ट रोड दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), सक्षम अधिकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की थारा 269 क. ख के श्रिधीन तारीख जुलाई 1986।

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापबेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थतः :-- (1) हाई टावर बिल्डिरस, 4, रेक्यूच क्रोर्ट रोड, सिविल लाइनस, विल्ली-54।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रमरनाथ खंडेलवाल सुपुत्र श्रार के खंडेलवाल श्रीमित सुजाता खंडेलवाल पत्नी ए एल खंडेवाल श्रीर श्रीमित ए्विन खंडेलवाल पत्नी एम० के० खंडेलवाल 118/611, कौशलपुरी, कानपुर-12। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगत्त्रजी

काटेज नं० 14, प्रोपोस्ड श्रपार्टमेंट नं० 4, रेक्यूट क्रोर्ट रोड, सिविल लाइन, दिल्ली-54।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी , सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली---110002

तारीख: 13-3-1987

प्रकृप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज~6 नई दिल्ली

नई विल्ली दिनांक 13 मार्च 1987

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लैट सं० 6, 2 सं० राज नरायण रोड है तथा जो राज नारयण रोड सिविल लाइन्स दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय स्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के स्रधीन तारीख जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वास से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- (1) श्रीमती विमला श्ररोड़ा श्रौर दया श्ररोड़ा 7-ए/44 डब्ल्यू ई० ए करोल बाग नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री लाल चन्द जैन सुपुत्र राम नरायण जैन श्रीर श्रीमती संतोष जैन पत्नी लाल चन्द जेन 18/11 यक्ति नगर दिल्ली-110007 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथीक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विया गया है।

#### ननुसूची

फ्लैट सं० 6 लोग्नर डुपलेक्स 2 सं० राजनारायण रोड सिविल लाइंस दिल्ली-110054 ।

> टी० कें ० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-6, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-3-87

प्ररूप आहुरे. टी. एम. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-6 नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०--छ/37ईई/7-86/78---अतः मुझे श्री टी० के० साह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 95 है तथा जो ब्लाक बी (पास) भालीमार बाग श्रावासीय स्कीम दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप संवर्णित है) सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में भारतीय आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन दिनांक जुलाई 1986

को पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को धायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती भन्तरजीत कौर परनी श्री सिमरन सिंह सी-15 डिफेंस कालोनी नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला गुप्ता पत्नी श्री नानक चन्द गुप्ता 170/55ए रामेश्वर नगर श्रजादपुर दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के जिए कार्यवाहित्यां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक<sup>3</sup>गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया हुँ।

# **धन्**सुची

प्रापर्टी सं० 95 ब्लाक बीसी (पस) स्थित ले धाउट पलान शालीमार बाग खानासीय स्कीम दिल्ली ।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली-110002

दिनांक: 13-3-87

# प्रकार बाद . ही . एन . एवं . ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### सार्व प्राप्त

# कार्यासयः, सहायक भाषकर बाव्यस (विरक्षिण)

धर्जन रेंज-6 नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

नायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निवित्तम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं 17ए/20 है तथा जो डब्ल्यू० ई०ए करोल झाग नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक श्रनुमूची में पूर्व रूप से विणत है) सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) रेंज-6 नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांक जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के डिचिए बाजार मृश्य से कन के अवसान प्रतिकान के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि स्थापुणोंक्त तंपरित का अधिक बाजार मृश्य, उसके अध्यमान प्रतिकान हो, एके अध्यमान प्रतिकान का पश्चाद्व प्रतिचल से अधिक है और बंतरुक (बंतरका) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एके बंतरण के लिए तथ पाना च्या प्रति-क्षम निम्नसिचित उद्देष्य से स्वक्त संतरण सिचित में बास्सविक क्य से स्विथत नहीं जिल्हा क्या है हुक्क

- (क्:) अन्तरण वे हुई किती अाव की वावतः, अवस अधिनियम की वाकीय कर योगे को अन्तरक की दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाब-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, या धन-कर जीधनियम, या धन-कर जीधनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सृविधा के लिए;

वतः सथ, उपत विधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकारों, वर्धातः क्रान्त

- (1) श्री किशोर धन्य चौपड़ा 2. टेक चन्य चौपड़ा
  3. कुलदीप घन्य चौपड़ा 4. सुरेश चन्द चृपड़ा
  5. सुभाष चन्द चौपड़ा 6. रमेश चन्द चौपड़ा
  15-ए/60 डब्ल्यू ई० ए करोल बाग नई दिल्ली।
  (श्रन्तरक)
- (2) श्री संजय बंसल श्री ग्रमीत बंसल बी-15 ग्रेटर कलाश-1 नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ता सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# व कर सम्मिद्धि के वर्षन से संबंध में काई भी बाक्स हुन्स

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की नविध ना उत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यां स्वारा;
- (न) इस सूचना के राष्ट्रण में प्रकाशन की तारीक ह 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्लका किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगी।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स विभिन्निक से अभ्यास 20-क में परिभाणिक हैं, वहीं अर्थ होगा. को उस अभ्यास में दिना गंवर हैं।

#### वन्स्ची

प्रापर्टी सं० 17ए/10 डब्स्यू० ई० ए करोल बाग नई दिल्ली ।

> टी० के० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 6 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 13-3-87

# प्रस्य, बाह्री, द्वी . एम् . एस ,------

नायकर निपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सुचना

#### मारत तरकार

कार्यालय, सङ्ग्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-6 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एन्यू०/6/37ईई/7-86/ 78-बी-भातः मुझे, श्री टी०के० साह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद, 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,09,000/- रह. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० एफ -23 है तथा जो प्रीत विहार विल्ली में स्थित है (भौर इससे उपायक अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6 नई विल्ली 1 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1961 के प्रधीन दिनांक जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नहीं ही और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण ही

कि यथा प्वेंक्ति सम्परित का उचित्त बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पत्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और बंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिठ उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिविक रूप से कथित कही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा क लिए;

अतः गब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निवित्त व्यक्तियों, अथित्:— (1) श्री गोविंद सिंह1/1 रूप नगरनई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रभु दयाल भग्नवाल एफ-23 मानसरोवर गाईन नई दिल्ली ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की खब्धि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पूर स्थान की ताम्लि से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाई लिक्ति में किए जा स्कोंगे।

### अगुपुका

एफ-23] प्रीत विहार] दिल्ली । तावादी 570 वर्ग गज ।

टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जुन रेंज-6 दिल्ली,नई दिल्ली-110002

विनांक : 13-3-87

# प्रकष् आर्थः दीः एतः एसः ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारः 269 ष (1) के अधीन सूचना

# शास्त् सरकार

भार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निर्काण)

ग्रर्जन रेंज-6

जी-13, ग्राउन्ड फ्ल.र, सी०म्रार० विर्हिडग, इन्द्रप्रस्थस्टेट नर्ष दिल्ली

नई दिल्ली तारीख 13 मार्च 1987

निर्देश संग्राई० ए० सी० नयू०/7/37ईई/7~86/78-सी-ग्रतः मुझे, श्री टी० के० साह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम'कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या है तथा जो 1/2 जी एकोठी नं० 4, रोड नं० 45-ए, पंजाबी बाग (वेस्ट) नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली में श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रधीन तारीख जुलाई 1986

श्रीधानयम 1961 क श्रधान ताराख जुलाई 1986 को पूर्वोश्य मंपरित के उचित बाजार मूस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा कम्य आस्तिवों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाह्य कार्यए था, छिपान में स्विधा भी लिए;

शत: वव , उक्त विभिन्यम की भारा 269-म की वक्तरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिल व्यक्तियों, अर्थात् :— 8—516 GI86 (1) श्री सतनाम सिंह सुपुत्र श्री ग्रर्जुन दास ए-43, कीर्ति नगर, नई दिल्ली

भ्रान्तरक)

(2) श्री सुदर्शन डिंगरा पत्नी श्री सुरजीत सिंह ढींगरा कोठी नं० 4, रोड़ नं० 45ए, पंजाबी बाग (वेस्ट) नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सम्मना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविभि या तत्त्रं लंधी व्यक्तियों पद स्वान की तानीस से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त . स्विभिनयम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

# श्रनुस<del>ूची</del>

1/2 भाग धरातल खंड कोठी नं० 4 रोड नं० 45-ए पंजाबी बाग वेस्ट, नई दिल्ली।

> टी० के० साह सुक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली

दिनांक : 1/3-3-1987

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-

आयंव नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजैन रेंज-6 नई दिल्ली

नई दिल्ली विनांक 13 मार्च 1987

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000//- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या 1/2 भाग बी एफ कोठी नं० 4 है रोड़ नं० 45-ए है तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) रेंज-6 नई दिल्ली में श्रायकर श्राधिनियम 1961 के श्रिधीन तारीख जुलाई 1986

की प्वांक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को प्रेस दृश्यमान प्रतिफल का पहि प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेदेश से उक्त अन्तरण किलित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आभ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करमे या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों. अर्थात् :-- सिंह सुपुत्र श्री श्री श्रर्जन दास ए-43 कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० रनदीप सिंह सुपुत्न श्री सुरजीत सिंह कोठी नं० 4 रोड़ नं० 45-ए पंजाबी बाग, (बेस्ट) नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुन्ना। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्स बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता ही, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्रं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकर्ण।

स्मध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

# अन्स्ची

1/2 भाग धरातल खांड कोठी नं० 4 रोड़ नं० 45ए पंजाबी बाग बेस्ट नई दिल्ली।

> टी० के० साह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–6 नई दिल्ली

दिनांक : 13-3-1987

मोहर

# प्रकृत कार्यंत होता दल , एक , -----

# नान्क ह विश्वनिष्यः 1961 (1961 म्ह 43) म्ही पाद्रा 269-प (1) में वर्णन ब्यूचना

भारत सरकार

# कार्याक्रम, सहाधक नामकर बाक्ष्यत (निरीक्रम) श्रर्जन रेंज~5 नई दिल्ली

नई दिल्ली चिनांक 13 मार्च 1987

निर्देश संख्या आई० ए० सी०/एक्यु०/6/37ईई/7-86/78ई—अत: मुझे टी० के० साह

बायकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या कोठी नं० 4 रोड़ नं० 45-ए है तथा जो पंजाबी बाग में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय श्रायकर सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली में श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कर बने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>2</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, भवन अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सतनाम सिंह ए-43 कीर्ति नगर नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जतिन्दरपाल सिंह कोठी नं० 45-ए पंजाबी बाग (वेस्ट) नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृयों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्छ संस्पत्ति के वर्जन के सस्वन्थ जे कोई" भी बालीयु :-----

- (क) इस स्वाम के राज्यम में प्रकाशन की तार्रात से 45 विश्व की वासीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तासीस से 30 बिन की नवीध, जो भी जवधि कार में समानत होती हो, के भीतर पूर्वोकर स्विक्ति में से किसी ज्यक्ति युवारा;
- (भ) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश भी 45 दिन को भीतर उसत स्थातर सम्पत्ति में दिस-बब्ध किसी बच्च स्पन्ति ब्यास स्थोहस्ताकारी औं पास जिस्ति में किए या समोगे।

स्थल किरण्: - इसमें प्रयूकत कर्यों और पर्यों का, जो उकत किशिकियम, को अध्याय 20 क में परिभाषित है, कही कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिशः क्या है।

### बन्स्ची

एंटायर दूसरा खंड कोठी नं० 4 रोड़ नं० 45-ए पंजाबी बाग (बेस्ट) नई दिल्ली (फी होल्ड)

> टी० के० साह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज+6 नई दिल्ली

दिनांक : 13-3-1987

प्ररूप आहु. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 13 मार्च 1987

निर्देश संख्या आई० ए० सी०/एक्यु०/637/इइ/7-86/ '78एफ--श्रतः सभे टी० के० साह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

स्रौर जिसकी संख्या कोठी नं 4 रोड़ नं 345-ए है तथा जो पंजाबी बाग वेस्ट में स्थित है (भ्रौर इसन उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप ने वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कायिलय सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-6 नई दिल्ली में ग्रयकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाय। गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में श्रास्त्रविक रूप से किथल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत , उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- (1) श्री इन्दरपाल सिंह कोठी नं० 45-ए पंजाबी बाग (बेस्ट) नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सतनाम सिंहए-43 कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्रथम खंड की निं० 4 रोड़ निं० 45-ए पंजाबी बाग (बेस्ट) नई दिल्ली।

> टी० कें० साह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-6 नई दिल्ली

दिनांक : 13-3-1987

माहर 🖫

प्रारूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

# कार्यानय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मार्च, 1987

निर्देश स० श्रई~2/37ईई/36573/85-86--श्रतः मुझे के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 112 निब्बाना पाली हील, बान्द्रा में स्थित बम्बई -- 50 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिपका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 11-7-1986

क्षे पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मूक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि . नियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व -में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के . लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती शिला सुभाष मदीमान ।

(श्रन्तरक)

(2) हेक्ट इंडिया लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कांहें भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# वनुसूची

पलेट नं । 112, निब्बाना, पाली हिल, बान्दा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं०ग्नई-2/37ईई/36573/85-86 धीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

क् सी० शाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण' श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-3-1987

# मक्य बाह्य, टी. एम. एक ् मन्यास्थ्यानन्त्रा

# भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीग स्पनाः

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मार्च, 1987

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/36658/85-86--श्रतः मुझे के० सी० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका तिचत बाजार भूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या फ्लेट नं० 602, 601 मंजिल, फाकीना प्रिमाय-संस को-श्राप० सोका० लि० मार्टीन्स रोड़, बांन्दा, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 17-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापृतोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंदरल के जिए तब पाया नया प्रदिक्त कि निकासित उप्रकेष से उच्छ सन्तरिक विश्व के वास्त्रिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्स अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती धूनारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना थाहिए था, छिपाने ब स्विभा के लिए;

क्षतः अज, उन्तत अधिनियम की धारा 269-ग की, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) श्रीमती ग्रमीना ए० जी० भोंबल । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बलकर सिंह लूथरा (ग्रन्तरिती)

# को पह सुत्रका आही करके पूर्वीपद सम्मृतित वो सर्वन के विद्य कार्यवाहियां करता हो।

# सकत सम्मात्त को नर्जन को सम्मान्य में कोई" भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्व भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किए या सकी।

स्थानिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गदा है।

#### अनुसूची

फ्लेंट नं० 602, 65ी मंजिल, फबीना प्रिमायसेस को० धाप० सोनायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 42 धौर 28/2 सेंट मार्टीन्स रोड़, बान्दा बम्बई-50 सें स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्र $\mathbf{t}/2/37\mathbf{t}\mathbf{t}/36658/85-86$  श्रीर जो पक्षम प्राधिकारी बम्बर्फ द्वारा दिनांक 17-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

र्कं० सी० साह पक्षम प्याधिकारी एहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजंन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-3-1987

प्रकप आर्च.टी.एन.एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### वाहर संरक्षा

# फार्याजय, तहायक भायकर जायुक्त (पिन्दीक्षक)

भर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मार्च, 1987

निर्देश संख्या श्रई-2/37ईई-36772/85-86--- म्रतः मुझे फे॰ सी॰ शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च को अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलेट नं० 401, जल जनादेंन दर्शन 288, चिम्बाई मास्टर विनायक श्रास रोड़, बांदा, (प) बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रिधीन बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 20-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफक्ष के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार जंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापविभिन्न सम्पत्ति का उचिन बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वरेय से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय का किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्धिरियम, 1957 (प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वी सिए;

बतः वन, उक्त बाधनियम की धारा 269-न के बनुसरण में, में, उक्त बिधनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) है बधील, निम्ननिकित व्यक्तियों, क्रबाँग के (1) श्रीमती हिना इक्बाल ह्लानी

(भ्रन्तरक)

(2) टाटा बरोस लि०।

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरितियों

् (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ू--

- (क) इन सूचना में राजपत्र में प्रकासन की तारीच के 45 दिन की सर्वाध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रर सूचना की सामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्पट्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

फ्लेट नं० 401, 4थी मंजिल, श्रौर कार पार्कींग स्पेस नं० 5, जो जल दर्शन इमारत, 288 चिम्बाई , मास्टर विनायक कास रोष्ठ, बांदा, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि क्रम सं॰ श्रई-2/37ईई/36772/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 18-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह भक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-3-1987.

# प्रचम चार्ह् । टाँ<sub>ल</sub> एक<sub>ल</sub> प्रचान अञ्चलक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन कुचना

### भारत सरकार

# कार्यासय, तहायक जावकर बाव्यतः (निराधानी

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनोक 6 मार्च, 1987

निदेश सं० श्रर्श-2/37ईई/36634/85-86-श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्य

1,00,000 /- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 205, मालसेट कथालिक को० भाप० सोसायटीज इस्टेट, प्लान नं० 10 सेंट जान रोड़ बादा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप संविधित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 14-7-1986

को पूर्वोक्त तम्पति के उक्ति बाजार मूल्य से क्यम के सर्वचान प्रतिक्रस के सिए जन्तिरत की नई है और मूक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिक्रस से एसे स्वयमान प्रतिक्रत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकों) और बन्तिरती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निश् तय पाया गया प्रतिक्रस, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुइ किसी जाव की वावति उन्तर अस्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के सिए; जीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन में अधिनियम, का जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा वै किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्रीमती दोरोथा सालढाणा ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स सरकार बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्व क्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

# बाबत सम्माति के बर्जन के संबंध में कोई भी धार्कन ह--

- (क) इत सूचना के राज्यण में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की समिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासी? से 30 विन की अवधि, जो भी अधिभ बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाहा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकासन की तारी कर्स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त श्रीभिनयम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

#### अज्ञल की

सम्पित्ति जिसका प्लाट नं० 205, सालसेट कैथालिक को० श्राप० सोसाथटी इस्टेट, प्लान नं० 1, 10 सेंट जान रोड़, बांद्रा, बम्बई-50 जिसका सी० टी० एस० नं० सी/833 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसः कि कम सं० श्रई-2/37ईई/36634/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायरक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक : 6-3-1987

# प्रकृष बाहै, टी. एन. खु. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987

निदेश सं० श्रई-2/37ईई-36878/85-86--श्रन: मुझे, के० सी० शाह,

नायकर जिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसमें परचात् 'उन्ता जिपिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 102, जल प्रशंत, 288, चिम्बाई, बांबा (प), बम्बई—50 में स्थित है (श्रौर इपसे उपाबद्ध अनु-मूची में और पूर्ण रूप से विणित है (श्रौर जिल्ला करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, दिनांक 25-7-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के इक्सबान परितफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि स्था पूर्वोक्त सस्पति का उधिस बाजार मृत्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ राजा प्रतिफल निम्नलिखित उव्योक्य से उक्त जन्तरण कि सिवत में वास्तविक क्य से कृषित नहीं बाया महा है :----

- (44) जन्तरण सं हुइ किसी आग्रं की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्कन अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिक्षी सुवारा प्रकट उही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नगर्भा की लिया:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थान् 9 --26G1/87 (1) श्रीमनी मनोरमा मुरेग पटेल ।

(श्रम्तरक)

(2) श्री कल्याणजी जमनादास टन्ना ।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक । (वह व्यक्ति जिपके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके प्वींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षप :----

- (क) इस सूपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब भं 45 विन की सर्वीध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूपना की वामील से 30 विन की सर्वीध, यो बी सर्वीध साथ में समाप्त होती हो, के भीतर एवेंकिंग व्यक्तियों में से किसी स्परित इसाराः
- (व) इस स्वान के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उनते स्थानर सम्पत्ति में हितवबृध किसी जन्म स्थानित ब्वाय, अभोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किए वा सकेंगे:

स्वस्टीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही कर्ष होगा जो उस अध्याय में रिया . गरा है।

# वन्स्यी

फ्लैट सं० 102, पहली मंजिल, जल दर्शन इमारत, 288, चिम्बाई, मास्टर विनायक का । रोड, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैस कि क० मं० श्रई-2/37ईई/36878/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> कें० सी शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−2, बम्बई

दिनांक : 6-3-1987

(ग्रन्तरक')

# प्ररूप नाईं, ही, एन, एस,-----

# आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर बायकत (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987

निवेश सं० श्रई-2/37ईई-36921/85-86—श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिल्की सं० पलैट सं० 101, पार्क प्रवेन्यू संभायटी, पहली संजिल, 16 वां श्रौर 29वां रोड, बाद्रा, बस्बई-50 में स्थित है (श्रौर इपमें उपाबद्ध स्ननुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है) श्रौर जिनका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कंख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 25-7-1986,

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उचत अन्तरण लिखित में वाम्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबस उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एमें किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्थियों को, जिन्हों भारतीय अपय-कर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्दिधा के निए;

- (1) श्री सी० जे०सी०बी० राष्ट्रीक्प।
- (2) श्री हतीम शैक्ष तुराभाई मल्ला । (अन्तरिती)
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वन। की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के रास लिखिल में किये जा सकती।

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---में सं किसी व्यक्ति दवाग :

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यस ही।

# अन्स्ची

फ्लैट सं० 101, पार्क एवेन्यू सोमायटी, पहली मंजिल, 16 धौर 29वां रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं। ध्रमुसूची जैसा कि ऋ० सं० ध्रई-2/37ईई/36921/85-86 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० शाह ःक्षम प्राधिकारी ःहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–2, बम्बर्ध

बतः कव, उक्त क**िपिनियम, की धारा 269-ग के बन्सरण** मों. को, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अक<sup>्र</sup>े

दिनांक : 6<del>-</del>3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एंस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987

निदेश सं • ग्राई-2/37ईई/36979/85-86--श्रतः मुझे, के • मी • शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लैट सं ० 52, 5वीं मंजिल, राजीव ग्रपार्ट-मेंट्ल, पारी हिल, झिग झाग रोड, बम्बई-50 में स्थित है '(ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुचची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-7-1986,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रूश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, चिन्ह शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती एम० ए२० विजयंथी ।

(भ्रन्तरक)

(2) चैत एडवरटाइजिंग प्राद्वेट लि०।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरितियों । (वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति को अर्जर को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट सं० 52, मंजिल, राजीव श्रपार्टमेंटम, नर्थे सं० 313बी, हिस्पा सं० 2, शिटी सर्थे सं० 909, पाली हिल, सिंग झाग रोड, बम्बई-50 में स्थित है।

श्रनुसूची जैशा कि क० सं० श्रई-2/37ईई/36979/85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> के० सी० शाह यक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-3-1987

प्ररूप आइर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा · 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यातय, प्रहासक वायकर आस्थल (निरीक्षण)

श्रर्अन रेंज-2, बम्बई श्रम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987

निदेश मं० म्रई-2/37ईई/36547/85-86--म्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

श्मीर जिसकी सं ु पलैट सं ु 1, 10वां मंजिल, बी-विंग, कांती श्रपार्टमेंटम, माउंट मेरी रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है श्रीर इंसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 11-7-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्द है और मुफ्ते वह विश्वास करने का कारण है

कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उत्तके दश्य-मान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से कांधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्न-मिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तविक रूप से कांधित नहीं किया गया हाँ :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:——

- (1) श्रीमती प्रिती बी० श्रप्तरानी । (अन्तरक)
- (2) श्री लक्ष्मण घि० गोपे श्रीर श्रीमती गोपी एल० गोपे ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यापा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसूची

फ्लैंट सं० 1, 10वीं मंजिल, बी-विंग, कांती श्रपार्टमेंटय, माउंट मेरी रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैंश कि क० सं० श्रर्ष-2/37ईर्ष/36547/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ष द्वारा दिनांक 11-7-1986 को रजिस्टर्ष किया गया है ।

कं० सी० णाह यक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-3-1987

# वक्त बार्ड . ट\ एन . एस . ------

# थायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के वधीय सुचमा

#### 170 300

क्रांसिक, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987

निदेश सं० श्रई-2/37ईई-36682/85-86--श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वं इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया है')., की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित नाबार मून्य 1,00,000 रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट सं० 10, तीसरी मंजिल, पार्क रिच को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० टी० पी० एस० 4, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 17-7-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असकं दश्यमान प्रतिफल सं, एसे धन्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-का निम्निनिचित समुद्रिक से वक्त बंतरण कि चित्र में बास्तिविक कम के किंग्य नहीं किया यथा है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत, उक्स अधितिबंध के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यमें में सुविधा के तिए; सार/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किर्ध्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विषया के निए।

जत: अब, उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :---- (1) श्री कृष्णकुमार महेण्वरी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रामरस्रली एन० मद्रासवाला और श्रीमती श्रतिका ए० मद्रासवाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुत्रोंक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं '

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षिप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीशर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य यितत द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट सं० 10, 3री मंजिल, पार्क रिच को-ध्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट सं. 7, टी० पी० एस० 4, बांब्रा (प), बम्बई-50 में स्थित हैं ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/36682/ 85-86 औरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज−2, बस्बई

विमांक: 6-3-1987

प्रकप वार्चं टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के बधीन स्थता

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987

निदेश सं० श्र\$-2/37\$\$-36552/85-86-~%प्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उिचत बाजार मृल्य 1,00,000/-रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं० पसैट सं० 71, 7वीं मंजिल, ग्रारीयान, प्लॉट सं० 158, पेरी रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है और इसमें उपाबद्व ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिंगत है और जिसका करारतामा ग्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269 कख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 11-7-1986,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या, धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) बुडलैण्ड कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सी० फरेरा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्कान के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हा, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### NAME OF

फ्लैट सं० 71, 7वीं मंजिल, श्ररीयान, प्लाट सं० 158, पेरी रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-2/37ईई/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1986 को र्राज्यस्टर्ड किया गया है ।

> के० सी० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

दिनांक : 6-3-1987

प्ररूप बाईं, टी. एन. एस.-----

बाधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षम)

ग्रर्जन रेंज⊸2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987 निदेण सं० ग्राई-2/37ईई/37144/85-86--श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

नायकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार भूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 403, गाडस् गिफ्टर्स्, प्रोफेसर ग्रन्तेडा रोड, बांद्रा, बम्बई—50 और कबहुई कार पाकिंग स्पेस सं० 4 के साथ में स्थित है और इसमें उपाबह ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 31-7-1986,

स्ते बृथोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ए कर के ध्यमाण तिफल के लिए अन्तरित की गई है जोर यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्त संस्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उचके ध्यमान प्रतिफल का उच्च प्रतिफल के अन्तर्य से जिथक है और अंतरक (अंतरका) और वंतरिकी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा ज्या प्रतिफल, जिन्मितियों उद्योगों से उच्च बन्तरण विश्वित के एक्स एक के किएत वहाँ विद्या प्रवा है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-णिकस के अधीन कर दोन के बन्तरक के द्वाधित्व को कसी करम या उनके रचने के सुविधा के सिए; चेत्र (ध)
- (क) एरेने किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (19.7) का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ प्रकारिता गुण्डा एक्ट नहां कि अप गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सो सीचना क लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स श्रलंकार इण्टरप्रायनेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बेन्नी फिल्प्सि ।

(भ्रन्ति ।

को यह भृष्यना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवर्गकां करता हूं।

उक्त तस्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेत्र :---

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अनिध या तत्संनंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी जनधि नाव में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (अ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 किन के श्रीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित- अक्श किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकती।

स्पक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया। १या मुंद

#### वनस्ची

पर्लंट सं० 403, गांध्य गिषट इमारत प्रोफेसर अल्मेडा रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है और कव्हर्ड कार पार्किंग स्पेस सं० 4 के साथ।

श्रनुसूची जैसा कि कि अंश्रिक्य है-2/37ईई/37144/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 31-7-1986 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक र ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज−2, बम्बई

दिनांक : 6-3-1987

प्ररूप बाइ . टी. एन . एत . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्याखय, सञ्चायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987

निदेश सं० श्र $\xi-2/37$ ई $\xi-37142/85-86-$ -श्रतः मुझे, के० सी० शाह,

बायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंदी एसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० प्रलंट सं० 29, 14, पाली रोड, बांद्रा, बम्बई—50 में स्थित है और इसमें उपाबद प्रनुसूची में और पूर्णक्ष्य में वर्णित है और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 31-7-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यकात दृशिपन को निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के क्लूह प्रतिपात से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा चमा प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित जें बास्यविक रूप से कवित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त मधिनियम अं अधीन कर दोने वें अन्तर्क वै दायित्व में कभी करने या उससे अधने में स्थिधा के लिए; मार्/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

बतः शव, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण मों, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '--- (1) श्री मोती के० ग्राडवानी ।

(ग्रन्तरक)

(2) रेक्कीट एण्ड कोलमन आफ इण्डिया लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

(भ्रन्त<sup>ेक (3)</sup> भ्रन्त<sup>रक ।</sup> (बह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की शारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किनी जन्य त्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं यही अर्थ होगा को उस अध्याव में विश्वानका है।

#### अनुसूची

पलैंट सं० 29, 6ठी मंजिल, मी मिस्ट, 14 पाली रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

ध्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धर्ध-2/37ईई/37142/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्राग दिनांक 31-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> के० मी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 6-3-1987

प्रकथ काइं.सी.एम.एस. स्तान्य स्तर्य कायकार विभिन्नियम्, 1961 (1961 का 43) का परा 269-म (1) को व्योग सुमान

हारत शरकात कार्यांकय, सहायक जायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

> श्रर्जन र्रेज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 6 मार्च 1987

निर्देश सं० प्रई-2/37 ईई-37086/85-86--प्रतः मुझे, के० सी० शाह,

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' सहा गया हैं),, की भारा 269-चं के अभीन संजम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका हजिल बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी प्लेट नं० 301, गाडस गिफट, प्रोफेसर ग्रहमेडा रोड, बांब्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 के ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्दी हैतारीख 31-7 1986

को पृत्नीवत सम्पत्ति के उपित वाजार मृष्य से कम की कावमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की यह है और मृत्रो यह विकास करने का आरण है कि स्थाप्नाँकत संपरित का उपित वाजार सृज्य, उसके कायमान प्रतिकल से, ऐसे कायमान प्रतिकल के पंदह प्रतिकल से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकां) और बंतरितीं (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, किंति, निम्निसिवित उद्देश्य से उच्च अन्तरण निमिवत में शास्त-विक कप में करिण नहीं किया च्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त बिधिनियम के संबोध कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विद्यु; और/आ
- (स) एसी फिसी जाय या किसी धन या अत्य जास्तियों की, चिन्हों भारतीय आय-कर विधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उबस विधिनिवस, या धन-कर विधिनिवस, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अस्तिरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया आना चाहिए था, कियाने में सुनिधा की जिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिलिक व्यक्तियों, अर्थात् :—
10---26GI/87

(1) मेसर्स भ्रलंकार ईन्टर प्राईसीस ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स रमणिक लाल नंदलाल ब्रॉस ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्णोक्त सम्पर्टित को वर्षन के निय कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की जबिंध वा तत्सवंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की ताजीन से 30 दिन की वविंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के नीसर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों से
- (ब) इस स्वना के राजपन में प्रकासन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद सिविस में किए का सकोंगे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

क्लेट नं० 301, गाडस् गिफ्ट इमारत, प्रोफेसर फ्रस्मेडा रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

ग्रनुसूचो जैसा कि क० सं० ग्रई०-2/37086/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दि4क 31-7-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

तारीख : 6-3-1987

प्रस्य बाह्रं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज़ (1) क्रें अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, जम्बई बम्बई, दिनांक 6 मार्च, 1987

निदेश सं० म्रई-2/37 ईई-36771/85-86—म्प्रतः मुद्दो, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 263-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

भौर जिसकी सं० 5-2, 61-बी भौर कार पार्किंग नं. 2-एस० भप्सरा, पाली हिल, बांद्रा, बस्बई-50 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूचि में भौर पूर्ण रूप से बिणित है) भौर जिसका करारनामा भायकर भ्रिधिनियम की धारा '269 क ख के भिधन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में, बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 18-7-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के नायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कें शिवनाय ।

(ग्रन्तरक)

(2) टाटा बुरोग्ज लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरितियो

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करकों पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट सं० 5-2, दूसरी मंजिल, भौर कार पार्किंग जगह नं० 2-एस०, भ्रप्सरा इमारत, 61-बी, पाली हिल, एभर इण्डिया सोसायटी, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

धनसूची जैसा कि कि सं धई-2/37ईई/36771/85-86 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनधक 18-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुठ्ठत (†नरीक्षण), श्रजीन रेंज-2, बस्बई

दिनांक : 6-3-1987

# मक्प बाइ ं टी प्रम ् प्रम .----

# नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के संधीन सूचना

#### PIEG BETH

# कार्यातव, सहायक बायकर बायकर (निर्दाक्तण) ग्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/37004/85-86--- ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- इतः से अधिक है

और जिसकी फ्लैट सं० 11 और गैरेज दक्षिण पाली, एस० सं० 245/1, पाली हिल, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनगमा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, दिनांक 25-7-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के द्रष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देष से उस्त अन्तरण विश्वित में बास्तिवक रूप से किश्वत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के बाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोकनार्थ अन्तिरिती स्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती रानी जयन्ती कुमारी । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रब्दुलग्रजीज नूरमोहम्मद मेमन । (श्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरिती । (वह ब्यक्ति जिसके ग्रधिभोग सम्पत्ति है)

को वह बुचना बादी करके पूर्वांक्य सम्पत्ति के वर्जन के जिल्ल कार्यवाहियां सुरू ज्यावाही ।

# उच्छ बन्गरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधोप ध-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बदिश वा तस्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीब से 30 दिन की बदिश, का की बदिश वाद में समस्य होती हो, के बीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के शब सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, वो उनस बीधनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्थ होगा जो जस बध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट सं० 11 ग्रौर गैरेज, दक्षिण पाली, एस० सं० 245/1, पाली हिल, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/37004/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 6-3-1987

मोहरः

प्ररूप आइ. टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 मार्च 1987

निवेश सं० ग्रई-2/37ईई/36326/85-86---- ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी फ्लैट सं० 502, किरन टावर्स, पाली हिल, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 4-7-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्णमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें उन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मेखत धास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के द्रीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती मंजू ए० गुप्ता श्रीर श्री श्रमिताभ गुप्ता। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सिमा लालवानी । (ग्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरिती । (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः -- इ.समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसुची

पलैट सं० 502, किरन टायर्स,पाली हिल, बांद्रा, बम्बई— 50 में स्थित हैं :।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-2/37ईई/36326/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 6-3-1987

प्ररूप आहू .टी.एन.एस.-----

बाब कर शाँभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2 सी, बम्बई-

बम्बई, दिनाँक 10 मार्च, 1987

निदेश सं० श्राई० 2 सी/37ईई/36407/86-87—श्रतः मुझे, वि० बी० गुप्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर संप्रति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 309, जल दर्शन, जुहू, बम्बई-49 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिमांक 4-7-1986

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित को गई है अर मूझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियों उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्धित में वास्तीविक रूप से किथत नहीं किया गया है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बानत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थासु:-- मैसर्स एम० भ्रार० कम्बाईन ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बिन्धिया, एम० लाहोरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

पलैट नं० 309, जो जल दर्शन, एस० नं० 44, एच० नं० 1 (पार्ट), 2, (पार्ट), रूईया पार्क, जुहू, बम्बई-400049 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० श्राई-2सी/38-ईई-36407/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 4-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वि० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन टेंज 2 सी, बम्बई

दिनांक 10-3-1987 मोहर: प्रकल नार्वात् बील भूमल एक ,------

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अधीन स्वान

#### बाइत बंडकाड

# कार्यातय, सहायक बायकर बायुक्त ([नरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-2 सी.

बम्बई, दिनांक 9 मार्च, 1987

निवेश सं० श्राई-2सी/37ईई/36752/86-87--श्रतः

मुझे वि० बी० गुप्ता

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00 000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं फ्लैट नं 704, चीला ग्रपार्टमेन्ट, विले पार्ले, (प०), वम्बई-56 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम , की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है विनांक 18-7-86 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जिवत बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रीवत सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिकत से अधिक है बार अंतरक (बंतरकार) और बंतरिती (ग्रतिशिंगों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया प्रयाप्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुए किसी नाम की वासत, उसके विभिन्निया की वाधीन कहा दोने के जन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सूविधा की किसू; बीह/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन अद अधिनियम, या धन अद अधिनियम, पा धन अदि अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— शरदचन्द्र जयंती लाल मदीया.

(भन्तरक)

 भारत रतीलाल चोक्सी भौर श्रीमती मलीका भारत चोक्सी,।

(भ्रन्तरिती)

(3) धन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

(4) धन्सरकों।

(वह ध्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की कविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किक्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अमृसूची

फ्लैट नं० 704, जो लिला ग्रपार्टमेन्ट, सातवीं मंजिल, एस० व्ही० रोड, गोल्डन टबको, के सामने, विलेपार्ले (प), बम्बई-400056 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं ग्राई-2सी/37ईई/36752/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 18-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वि० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज 2 सी, बस्बई

विनांक 9-3-1987 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 सी,

बम्बई, दिनांक 9 मार्च, 1987

निदेश सं० श्राई-2सी/37ईई/36273/86-87—श्रतः मुझे वि० बी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 23/ए, रूईया पार्क, जुहु, बम्बई-49 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रर जिसका करारनामा स्रायकर श्रायुवत श्रिधि यम, की धारा 269 कख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 4-7-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- 1. मैहुर्स जुह इस्टेंट, कारपोरेशन ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बी० राजन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्लैट नं० 23/ए, जो दूसरी मंजिल, रूईया पार्क, सर्वे नं० 47 जुह, बम्बई-400049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के संब श्राई-2सी/37ईई-36273/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-7-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वि० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2सी, बम्बई

दिनांक:-10-3-1987

प्रक्रम बाई. टी. एव. एस.-----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थाना

#### शारत सरकार

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० म्रई-2सी/37ईई-37068/86-87—म्रतः मुझे वि० बी० गुप्ता

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मधाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित वाजार मुख्य 1,00000/राउछ में अधिक है

श्रीर जिसकी संज प्लैट नंज 32,सी, रुईया पार्क, जुहू, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची से श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है। दिनांक 28-7-1986

का प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रविक्त के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) कन्तरण से हुई किसी बाब की साबस उक्क कियान की स्थितियम के स्थीन कर दोने के बन्तरक के आधित्व में कमी करने या उससे ध्वते में सूबिया के लिए; और/या
- (स) ए'सी किसी काय या अन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) जुह इस्टेट कोरपोरेशन।..

(भ्रन्तरक)

(2) श्री फारूक रफीउद्योन फकीह श्रौर श्रीमती सूरैया फारूक फकीह।

(भ्रन्तरिती)

न्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अवधि या तत्मध्यन्थी व्यक्तियों पर स्वन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि सद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शि में हित्यवृष
  किसी सन्य व्यक्ति द्वारा वशहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो अवन विभिनियम के वध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया मना हैं।

#### अमुस्ची

फ्लैट नं० 32 सी, जो तीसरी मंजिल, रूर्डया, पार्क सर्वे नं० 47 जुह, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी कि० सं० ग्रई-2सी/37ईई-37068/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ड द्वारा दिनांक 28-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

िषठ बीठ गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2सी, बम्बई

विनांक :-10-3-1987

प्ररूप आहू".ट्री.एत.एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्डी भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० म्रई-2सी/37ईई-36740/86-87—म्रतः मुम्ने, वि० बी० गुप्ता

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रवाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

भीर जिसकी पर्लैट नं० 51 सी० क्रिज श्रपार्टमेंट, जुहु, तारा रोड, बम्बई, 49 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजिहट्री है दिनांक 18-7-1986

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्सि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रस्यमान प्रतिफल में एते स्थ्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया जवा प्रतिफल, निम्निसिस्त उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित से बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई कि सी नाग की बाबत , जनत नियमियन के अभीन कर बोने के जन्मरक में श्रीवरण में कभी करने या उग्रसे बचने में सुविधा जे किए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों को जिन्हों, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथों अन्तीरती द्वारा धक्ट वहीं किया थया था वा किया याना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्ह;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) एफ० एन० मनसूरी, श्री भ्रब्दूल एच० मनसूरी भ्रौर श्री भ्रब्दूल एम० मनसूरी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति नीलम रविचन्द्र मेहता।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पध्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उस्तुत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# नगुल्बी

"'फ्लैंट नं० 51, जो पांचवीं मंजिल, सी० क्रिज प्लाट नं० 995 जुहु तारा रोड, बम्बई-400049 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्रई-2सी/37ईई-36740/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 18-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> वि० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-2सी, बम्बई

दिनांक: 10-3-1987

मोहर:

11--26GI/87

प्रारूप आई. टी. एन. एस.---आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

काशीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं अई० 2सी/37ईई/36633/86-87--अतः मुझे, वि० बी० गुप्ता,

भायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात् 'सकः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० बंगला नं० 2 गोल्डन बीच स्कीम बंग्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारी 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 14-7-1986

को पृतिक्ति सम्पत्ति के उचित बानार मृत्य से कम के ध्रयमान मित्रकल के लिए अन्तरित की गई ही और मृभे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथा पृतिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एते दश्यमान प्रतिकल के उन्नर प्रतिकल के उन्नर प्रतिकल के उन्नर प्रतिकल के उन्नर प्रतिकल से अधिक ते कोर अंतरक (अंतरका) और अर्थारती (अंतरितियों) के बीज एमें संतरण के लिए तथ प्रवासित प्रतिकल के जिल्ला के लिए तथ प्रवासित प्रतिकल के जिल्ला के लिए तथ प्रवासित प्रतिकल के जिल्ला के लिए तथ प्रवासित के जिल्ला किया से अवत्र अंतरण जिल्ला के लिए से किया नहीं किया गया है है के लिए से किया नहीं किया गया है है के लिए से किया नहीं किया गया है है के लिए से किया नहीं किया गया है है के लिए से किया नहीं किया गया है है के लिए से किया नहीं किया गया है है के लिए से किया नहीं किया गया है है के लिए से किया नहीं किया गया है है के लिए से किया नहीं किया गया है है के लिए से किया स्वास्ति के लिए से किया से किया गया है है लिए से किया से किया गया है है के लिए से किया से

- (क) अन्तरण सं हुन्द्र ! कसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को इंतरक के डा यत्व से कमी करने या उससे स्वाने में मृतिका के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) डा० जीमी मिरचंदानी और श्रीमती वाला मिर-चंदानी

(ग्रन्त∗क)

(2) श्री श्रब्दुल (2) श्रीमती सईदा फक्धीन मनसूरी श्रीर श्री श्रब्दुल हमीद फक्धीन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़' भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपि। जो भी अविधि बाद में नमाना होती हो, को दिर प्रकेत व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति देवारा
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उथत स्थाबर संपत्ति में हितब दूध फिसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहेस्ताक्षरी के पास किया में स्थित का पार्वे के

स्पब्दोकरणः --इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्क अधिनियम के अध्यात 20-क मों परिभाषित है, कही अधियात का एन अध्याप मा दिया

# अन्स्ची

"बंगला नं० 2, जो सी० टी० एस० नं० 72 ए०, गोल्डन बीच स्कीम रूईया पार्क जुह, बम्बई- 400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० ग्रई-2मी/37ईई-36633/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को जिस्टई किया गया है।

वि० बीं० गुष्ता सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2सी, बम्बई

दिनांक :-10-3-1987

प्ररूप आह<sup>र</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2सी, बम्बर्ष बम्बर्ध, दिनांक 10 मार्च 1987

आमकर शांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमे इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० एफ०-1, रूप सागर, जुहु रोड, ब्रम्बई-49 में स्थित है (और इस वे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिंगत है), और जिसका करा नामा अध्यक अधिनियस 1961 की धारा 269 क, ख के अवस्य समझ अधिकार के कार्यालय बम्बई, में रिजस्ट्री है। दिसंक 17-7-1986

करे पूर्विंक्ष स्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिंकत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वासिविंक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थातु:—— (1) मेसर्स रूप कृष्णा इनवेस्टमेंटस्।

. (भ्रन्तरक)

(2) मनमोहन सिंह सेधी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अपीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पर्णम्त बिन्ताों में से किसी व्यक्ति बवारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पन्ति में हित्यद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्माक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जां झक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होरा के उस अध्याय में विचा गया है।

### ग्रनुसूची

फलैंट नं० एफ-1, जो पहली मंजिल, रूप सागर,सी टी एस नं० 567/2, जानकी कुटीर, जुहु रोड, बम्बई-400049 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि सं० ग्रई-2सी/37ईई/3666 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 17-7-1986 को न्जीस्टर्ड किया गया है।

> वि० वी गुप्ता मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2सी, बम्बई

तारीख: 10-3-1986

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2सी, बंबई

वंबई, विनाक 10 मार्च 1987

निर्वेश सं० भ्रई-2सी/37ईई/36881/86-87-मत: मुझे वी० बी० गुप्ता,

भायकर विभिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्तित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रः से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक पी० नं० 93 टी पी एस 1, विले पार्ले (पु) बम्बई 57 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है)और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख, के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है। तारीख 25-7-1986

को पूर्वोसत सम्पत्ति के जीवत बाबार मूक्य है कस के क्रममाम मृतिफास के लिए बंतरित की गई हैं जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्स सम्बद्धित का उपित बाजार मूल्य उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के किए तथ पाया गया बंदा प्रतिक्षण विकासित देवस्थ के उपन बंदरण विविद्ध में सन्क्रियक क्ष्य से स्थित बहु किया कुछ है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

कतः अब, उक्त किधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥— (1) श्री शामराव नारायन मंत्री

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स श्री महालक्ष्मी कनस्ट्रकशन को ।

(धन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति 🖻 अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुई।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के हाचपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तानील से 30 दिन की जनभि, वो भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतत प्रोंक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा
- (क) इस स्वना के राजपत्र में त्रकावन की तारीच के 45 दिन के भीतर उत्तत स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास किसिवत के किस्य वा सक्षेत्र ?

# **अनुसूची**

जमीन का हिस्सा जिसका एफ पी नं॰ 93, सी टी एस नं. 987, 987/1 से 987/6, टी पी एस 1, बिले पार्से (पू), बम्बई-400057 में स्थित है।

धनुसूची जैसा की क॰ सं॰ धाई-2सी 37ईई/36881/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25/7/ 25-7-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> वि वी गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2सी, बम्बई

तारीख: 10-3-1987

महिर 🧟

प्रारूप आर्ड. टी. एन. एस.....

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 च (1) की अभीन सुचना

#### भारत दरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आय्यत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निर्धेश सं० ग्र $\xi$ -2सी/37ईई/36632/86-87--- ग्रतः मुझे, वि० बी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

रापयं से अधिक हैं

भीर जिसकी संव बंगलों नंव 3, गोल्डन बर्ड स्कीम जुड़ बम्बई 54 में स्थित है) और इसमें उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 14-7-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार ग्ल्य से कम केंद्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिताों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथितियम के अभीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के निष्: और/स्प
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) डा॰ टी॰ बी॰ मिरचंदानी भौर श्रीमती बाला मिरचंदानी।

(श्रन्तरक)

(2) श्री फक्चीन नसूचीन भौर श्री अब्दुल मजीद फक्चीन मन्सूरी।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कम्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्री के पाड़ कि विश्व के किसी कार्य कार्य कार्य के किसी कार्य कार्य

स्पष्टीकरण :--इसमः प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्थः हैं।

### अनुसूची

बंगलो नं० 3, जो सी टी एस नं० 72 ए, गोरुडन स्कीम रुईया पार्क, जुह बम्बई 400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंमा की ऋ सं श्रई; 2सी/37ईई/36632/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> वि० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2सी, बम्बई

अतः अबः, उक्तः अधिनियमः की धारा 269-ण के अन्सरणः मों, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 10-3-1987

# प्रकार सामा है हो। पुक् हुए हमा हमा का

भाषकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभान समाग

# भारत बङ्ग्लाह्र कार्याचय, सहायक आयकर आयक्त (गिरीकाम)

ग्रर्जन रेंज-2सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० थई-2सी/37ईई/36728/86-87--श्रतः मुझे, वि० वी० गुप्ता,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी वर्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति 'जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी संव प्लाट नंव 3, सीवटीवएसवनंव 387, जुहू बिले पार्ले, बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबड़ अनुसूची से पूर्ण रूप में वर्णित है)और जिसका करारकामा भायकर अधिवियम की धारा 269 क, ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख़ 18-7-1986

को पृथेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्ये यह बिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल भे, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितिहां) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलितित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिश्वम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन या जन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उस्त अधिनियम, या अल-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती धूबारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपानं के सिए।

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) कमलाबेन जे० पटेल।

(भ्रन्तरक)

(2) प्रवीन एच० दोषी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

### उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हुन्न

- (क). इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत व्यक्तियों में से किसी स्थामित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकने।

स्पष्टिकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है.

### भन्सूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लोट नं० 3, सी०टी० एस० नं० 287 जुह विले पार्ले बम्बई है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्राई-2सी/37ईई/36728/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-7-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> वि० बी० गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2सी, बम्बई

तारीख: 10-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# भागकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भाषा 269-म (1) के बधीन सुभना

#### भारत सरकार

# कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० भ्रई-2सी/37ईई36/898/86-87--- प्रनः मुझे, वि० बी० गुण्ता,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रिकारी को यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उष्टित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लोट नं० बी→6, बंसता थीयोमोफिकल सोसायटी, जुहू बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण देंप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजम्ट्री है नारीख 25-7-1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-मियमः के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जवः, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती सुभाशीनी पदमाकर मेहता, श्रीमती प्रतिभा तिखिलचन्द्र देसाई श्रीर श्रीमती श्रनाश्री वतराज मालवी।

(अन्तरक)

(2) श्री धीरजलाल प्रेमचंद शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाविका अस्ता ह*्* 

# एकत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी बाखांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हों, के भीतर पूर्वाक्त ध्यंत्रित्यों मा में लिसे अविधा तथारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा को जम अध्याय में दिशा गया है।

### अनुसूची

प्लोट नं० बी-6, जो वसंता थीयोसोफिकल को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, सीटी सर्वे नं० 924 जुहू बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कर सं श्रई-2सी/37ईई/36898/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1986 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> वि० बी० गुप्ता मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2सी, बम्बई

तारीखा: 10-3<del>-</del>1987

मुख्य बाहें हो. एवं. एवं.

# बाव्यार बहैवरियम, 1961 (1981 का 43) की बारा 259-क (1) में अमीन क्षमा।

#### सारत सरकार

कार्यभव, सक्तवक शायकर बायकर (निरक्तिक) श्रर्जन रेंज-2सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० ग्रई-2सी/37ईई/36659/86-87--- ग्रतः मुग्ने, वि० बी० गुप्ता,

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

- (क) जन्तरका ते हुन्दे किसी बाब की बाबस, जनस जिल्हीनवज के अभीत कर दोने को सम्बद्धः की गर्मित्व में कभी करने वा उससे करने में नृष्टिभा को लिए; और/या
- (भा) एसी किसी आयं या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम १९२२ (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोखनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किटा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के विद्या

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) मेसर्स रूपकृष्णा इन्वेस्टमेंट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रवनाश कौर सठी।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना चा<u>री करके वृचींनत् संपृत्ति के नर्जन</u> ने सिक्ष कार्यनाहियां करता हूं।

# काद कुम्परिय जी वर्षन के कुम्पूम्प में कोर्य भी बार्ध्यका--

- (क) इन नुषया के हाल्यम में प्रकारन की वार्यां हैं
  45 किन की समिए या तत्में में भी अधिवत्यों पर
  मृष्यम की दामील से 30 बिन की समिप को भी
  सम्बंधि कार में समझ्य होती हो, से मीतर प्रविकत्य
- (व) इस सूचना के राजवृत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 विन के भीतर उनत स्थानर संवरित में हिस्तवस्थ किसी बन्य व्यक्तित द्यारा, अधोद्वस्थलाई की पास दिस्ता में किस का सामित।

स्थितीकरण :—हसमी प्रवृक्त शब्दों और पर्वो का, को उच्च निविध्यास, के प्रत्यास 20-क मी परिभाषित है, बहु विधे होगा को उस क्ष्याम मी विद्या मना है।

### वनसर्वी

फलैंट नं॰ एफ-2, जो पहली मिश्रिल, रूप सागर, सी॰ टी॰ एस॰ नं॰ 567/2, जानकी कुटीर, जुहु रोड, बम्बई 400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि० सं० श्रई-2सी/37ईई/36659/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-7-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> वि० बी०गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-2सी, बम्बई

तारीख: 10-3~1987

प्रकृष भार्<sup>त</sup>. टी. एत. **एत.** =====

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज 2-सी, बंबई

अंबई दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० धई-2सी/37ईई/37052/86-87---- प्रतः मुझे, वि० बी० गुन्ता,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1.00.000/-क. से बिधक है

और जिसकी सं ० फ्लेट नं ० 61, नेहा भारार्टमेंट, जुह बम्बई 49 में स्थित है (और इससे उपाबक भनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा भायकर भ्रथिनियम की धारा 269 क,ख के भ्रथीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजीस्ट्री है, दिनांक 28-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषमों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--82--26GI/87

(1) मेसर्से पक्षन एम्टरप्रायसेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गीता नटबरलाल पांचाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासू लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन<u>ु</u>स्पी

पलैट नं० 61, छत्वी मंजिल, स्टोस्ट नं० 5, जी पिन, नेहा ग्रपार्टमेंट, सीटीएस नं० 968, जुहू तारा रोड, जुहू बंबई 400049 में स्थित है।

भनुसूची जैसा की कर्ना भई-2सी/37-ईई-37052/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 28-7-1986 को रजीस्टई किया गया है।

> वी० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर, श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2सी, बंबई,

तारी**ख** : 10-3-1987

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की . धारा 269-घ के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) भर्जन-रेंज 2सी, बंबई बंबई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं अई-2सी/37ईई-37069/86-87--- अतः मुझे, वि बी गुप्ता,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,,00,000/- रुज से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट नं० 12, 13, सी बिंग, रूईया पार्क, जुहू, बंबई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है) और जिसका करारनामा, आयकर अधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम आधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजीस्ट्री है, तारीख 28-7-1986

कों प्यंक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की नहीं ही और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार ब्रुग, उसके स्रयमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का नंद्रह प्रतिशत से अभिक ही और जेतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया ही है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय मा किसी धन मा बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः कवः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) कं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) जुहु इस्टेट कोरपोरेशन ।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती पसंग लामा और सोम बहादूर लामा। (श्रन्तरिती)

कोर यह स्वना जारी करके प्योंक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संस्वत्य में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त ब्रंध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के उध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

"फ्लैट नं० 12 और 13, जो सी विंग, पहली मंजील, रूईया पार्क, सर्वे० नं० 47, बंबई में स्थित है।

मनुसूची जैसा की क०स० मई-2सी/37ईई-37069/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा विनांक 28/7/1986 को रजीस्टर्ड किया गया।

> वी० बी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2सी, बंबई,

तारीख: 10-3-1987

प्रक्म जाहाँ वी√एत . एस . -------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) - ग्रर्जन रेज-<sup>IV</sup>, अंबई

बंबई, दिनांक 9 मार्च 1987

निदेश सं० श्रई-15 ए 37-ईई/1ए/51/86-87/11877/ 85-86--- झतः मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 301-302, प्रेसिडेंट हाउस, नाथालाल पारेख मार्ग, बम्बई-5 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा भायकर श्रिधिनियम, 1901 की धारा 269 क,ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

भतः जब अकतं अभिनियमं की भारा 269-ए के अनुसरण भें, भें, अकतं सिधिनियमं की भारा 269-ए की अपभारार (1) को सभीन निभनितिकतं व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) कुमारी पुजा जोगी भार।

(प्रस्तरक)

(2) वि इंडियन हांडेंल्स कंपनी लि॰। (भ्रन्तरिती)

को यह स्वता चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाररा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीक रणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लेट नं० 301-302, प्रेसिडेंट हाउस, नाथालाल पारेख मार्ग, बम्बाई-5 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कर्निं० ग्रई-1ए/37-ईई/10480/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1ए, बस्बई

ता**रीख** : 9<del>-</del>3-1987

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

धामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के न्यीम स्थना

#### बॅडिय बंडकाड

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 1ए, सम्बर्ध सम्बर्ध, विनांक 9 मार्च 1987

निवेश सं० आई-1ए/37ईई/1ए/52/86-87/11878/86-87---धतः मुझे, निसार धहुमद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), को भाउ 269 स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 /- रु. से अभिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 601, प्रेसिडेंट हाउस, 83/85, नाथालाल पारेख मार्ग, बम्बई-5 में स्थित है। और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है। और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क,ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-7-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निविद्य में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) न्यारण वे हाई कि ती नाय की ताक्षा. अ का वीवित्रयम के वचीन कर दोने के श्रीतरक के नर्पायत्व में कमी करने या समसे वचने में सुविधा के निजात. और/वा
- (वं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. विन्धु बारतीय नायकर अधिविषयः. 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियः या धन-कर निधिनियः. 1957 (1957 का 27) के प्रवोदनार्थ बन्तरिती दनारा प्रकट नद्वी किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्सित व्यक्तियों अर्थातु:-- (1) श्री कुलदीप चंद्रेश शाह।

(श्रन्तरक)

(2) वि इंडियन हांटेल्स कंपनी लि॰।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील के 30 दिन की बनीच को भी कमि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियों के दिनारों;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### वनसूची

फ्लेट नं० 601, प्रेसिडेंट हाऊस, 83/85, नाथालाल पारेख मार्ग, बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क०सं० श्रई-1-37-ईई/10481/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 का रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-1ए बम्बई

तारीख: 9-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1987

निदेश सं० प्रई-10/37-ईई/4/53/86-87/11879/86-87--- प्रतः मुझे, निसार झहमद, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं भीर जिसकी सं० पलेट नं० 901-902, प्रेसिडेंट हाउस, नाथालाल पारेख मार्ग, बम्बई-5 में स्थित है। (प्रौर इससे उग्रबंद प्रमुश्वो में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) जिज्ञा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृष्ट्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत स्थान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ष्त अन्तरण निम्नलिखत में नास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री चंद्रेश सीं० शहा।

(भ्रन्तरक)

(2) दि इंडियन हांटेल्स कंपनी लि॰।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए न कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थावत स्थान अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन सची

प्लेट नं० 901-902, प्रेसिडेंट हाउस, नाथालाल पारेख मार्ग, बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की करुसंव श्रई-1/37-ईई/10482/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 01-07-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैंन रेंज-1ए, बस्बई

ा**रीख**ः 9–3–1**98**4

प्रकृष बार्च हो. एक हु एक हरननन

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) श्री भारा 269-च (1) के अंजीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यांसय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1987

बायकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-चं के अधीन सक्षम प्रांभिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं० फ्लट नं० 501, प्रेसिबेंट हाउस, 83/85, नाथालाल पारेख मार्ग, बम्बई-5 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रीधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास कर कारण है कि मभापूर्वोंकर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीज एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बाला कर से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्बरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अभिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसने बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः सक्, उक्त विकित्यम की धारा 269-म की अनुसरक हो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिकत व्यक्तिकों, अधिक :--- (1) पुजा जोगी भार।

(मन्तरक)

(2) दि इंडियन हॉटेस्स कंपनी लि०।

(भ्रन्तरिती)

को बहु स्थना बारी कारकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन में जिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

# 'दमत सम्मतित के वर्षन की सम्मन्य में कोई मी आक्रोप ह---

- (क) इस स्वना के राजपन ये प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की ववधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) एस-स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पव्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तं अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### मन्सूची.

प्लैट नं० 501, प्रेसिकेंट हाउस, 83/85, नाथालाल पारेख मार्ग, बम्बई-5 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा की कि सं प्रई-1/37-ईई/10483/ 85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निशार **भहम**द, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भायक**र भायुक्त (निरीक्षण) श्र<mark>जेंन रेंज-१ए, **बम्बई**,</mark>

तारीख: 9-3-1987

प्ररूप आर्द.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज 1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1987

निर्देश सं० प्रई-1ए/37-ईई/1ए/55/11881/86-87---ग्रतः मुझे, निसार प्रहमव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणे है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिल्लकी सं० पलैट नं० 401-402, प्रेसिडेंट हाउस, नाथालाल पारेख मार्ग, बम्बई-5 में स्थित है। (ग्रौर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिल्लका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1901 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं तिकया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अने या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अर्थः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमः की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीनः, निम्निजिति व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) फुमारी सोनल जोगी भार।

(ब्रन्तर्भ)

(2) दि इंडियन हॉटेल्स कंपनी लि॰।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पर्लंट नं० 401-402, प्रेसिडेंट हाउस, नाथालाल पारेख मार्ग, बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० ग्राई-1/37-ईई/10484/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज1-ए, बस्बई

तारीख: 9-3-1987

प्रकप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज 1ए, बस्बई
बस्बई, दिनांक 9 मार्च 1987

निवेश सं० श्रई-1/37-इइ/11882/10/56/86-87-श्रतः मुक्षे, नि गर श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु.ंसे अधिक हैं

मौर जिन्नि सं० फ्लेट नं० 801-802, प्रेनिकेंट हाउस, नाथालाल पारेख मार्ग, बम्बई-5 में स्थित है। (श्रीर इन्से उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है।) भीर जिन्नि करारनामा श्रायकर श्रविनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथा गर्ही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्थत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्री विशु शर्मा।

(भन्तरक)

(2) दि इंडियन हांटेल्स कंपनी लि०।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंग करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्वधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त विक्तों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकना।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हमेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

फ्लेट नं० 801-802, प्रेसिडेंट हाउस, नाथालाल पारेख मार्ग, बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि कि प्रई-1ए/37-ईई/10485/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **प्र्यहमदः** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1ए, बम्बई,

तारीख: 9-3-1987

मोहर 🗊

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1987

निर्देश सं० ग्रई-1ए/37-ईई/1ए/57/86-87/11884/86-87—ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० बॉम्बे बेसमेंट प्रेसिडेंट हाउस 83/85, नाथालाल पारेख मार्ग, बम्बई-5 में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है। (ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रथिनियम 1901 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के के कार्यालय में रज़िस्ट्री है। तारीख 1-7-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
13—26GI/87

- (1) मेसर्स प्रेसिडेंट कन्स्ट्रवशन इंटरनेशनल। (ग्रन्तरक)
- (2) दि इंडियन हॉटेल्स कंपनी लि०। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बॉम्बे बेसमेंट प्रेसिडेंट हाउस, 83/85, नाथालाल पारेख मार्ग, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कल्सं अई-1/37-ईई/10487/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1ए बम्बई

तारीख 9-3 1987 मोहर: प्ररूप आहुं.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर आयुक्तः (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1ए बस्बई बस्बई दिनांक 9 मार्च 1987

निदेश सं॰ अई-1ए/37-ईई/1ए/58/11889/86-87---भतः मुझे निसार शहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रापये से अधिक है

- (क) अन्य पन सं हुई किसी जाय की वायल उपल जीवित्यम के क्ष्मीन कर दलें के अन्य को वां वर्श वर्श में अभी करणे का उससे बचने में सुनिधा के किए; एसेंद/का
- (ण) योशी किसी जाए या किसी भग या जान जास्तिओं कां, विन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1932 का 11) या उन्हें अधिनियम, इंट असिपियण, इंट अनुसार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तीरती क्वारा प्रकट मही किया उपा या वा किया जाना जाहिए जा, क्याने के क्षेत्रका अं जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसंरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यवित्यों, अर्थात्:—

(1) श्री मोतीराम ए० लाड्वानी।

(भ्रन्तरक)

- (2) इंडस्ट्रियल भ्रॉक्सीजन कंपनी प्राइवेट लि०। (भ्रन्तरिती)
- (3) अन्तरितीयों।

(बह व्यक्ति जिसके श्रिष्ठिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां स्थ करका हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में आंई शीआक्षेप :--

- (अ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी स्थितत्यों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जबीध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितत्यों में से किसी स्थितत ब्वाय;
- (ख) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीब सें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित ब्वास अभोहस्ताकारी को पास विक्तित में किए का सकोंने।

स्पट्टीक एणः — इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाँचिनवस, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवय गरा है।

### वनसूची

कार्यालय नं० 69 6ठीं मंजिल जॉली मेकर चेंबर न० 2, 225 नरीमन पॉइंट बम्बई-21 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा की ऋ०सं० भ्रई-1/37-ईई/10490/ 85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार भ्रहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1ए, बस्बई

तारीख: 9-3-1987

प्रकप कार्च : टी न प्रन<sub>ा</sub> प्रका<sub>ल अध्यक्त</sub>

भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

# कार्यात्रम्, शुरुषक वामकड वागुक्त (निद्धक्षिक)

भ्रजीन रैंज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1987 निदेश सं० श्रई-1ए/37-ईई/1ए/59/11897/86-87----श्रतः मुझे निसार श्रहमद

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1102 प्रेसिडेंट हाउस 83/85 नाथालाल पारेख मार्ग बम्बई-5 टान्सफर्ड बाय पेसी श्रीर कैंझाद रोड लाइन्स प्रा० लि० में स्थित है। श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है। श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1901 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-7-1986।

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमित प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबाइ भूष्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से विश्व है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृति का निकासितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत्य का निकासित में पास्तिक स्थाप से क्षित नहीं किया चया है है—

- (क) बन्तरण में हुई किसी लाम की बाबत, उक्त लिशिनियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के किए; बाँड/बा
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी भन या जन्य जास्तिय। को, जिन्हें भाउतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोज-वार्च अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था जियान में स्विध। को निर्देश

अक्षः सन, उथ्य नर्भिनियम की थाछ 269-म के नमुस्राण के, में, उथ्य अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थत् :---

- (1) पेसी श्रंण्ड कैसाद रोडलाईन्स प्रायवेट लिमिटेड । (भन्तरक)
- (2) वि इंडियन हांटेल्स कंपनी लि॰। (ग्रन्तरिती)

को वह सूचना बारों करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिक कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थना के संबंध में कोई भी आक्षेप हः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दश्र किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकांगे।

स्पच्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनके विशिवस के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया समा है।

### अनुसूची

फ्लेट नं 1102 प्रेसिडेंट हाउस 83/85 नाथानान पारेख मार्ग बम्बई-400 005 में स्थित है। ट्राल्मफर्ड बाय पेसी ग्रंण्ड कैसाद रोडलाईन्स प्रायवेट लिमिटेड।

ग्रन् भूनी जैसा की ऋ० सं० ग्रई-1ए-37-ईई/10496/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राथिकारी बम्बई द्वारा दिनों ■ 1-7:1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1ए बस्बई

तारीख: 9-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज 1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1987 निदेश सं० ग्रई-1ए/37-ईई/1ए/61/11967/86-87----श्रतः मुझे निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसंस नं० 1101 11वीं मंजिल दालागल टॉवर्स ब्लॉक नं० 3, 211 नरीमन पॉइंट बम्बई-21 में स्थित है। स्रीर इसमें उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है। स्रीर जिसका करारनामा स्रायकर श्रिधनियम 1901 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 8-7-1986।

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (स) एसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) धनवंतराय तिलकराय शाह और श्रीमती स्मिता धनवंतराय शाह।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स कॉम्प्लेक्स ट्रेडिंग कंपनी।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरकों श्रौर मेसर्स श्रौरीस्टो केमिकल्स प्रा०लि० (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में

सम्पत्ति है)

(4) भ्रन्तरकों।

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिसयों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कार्यालय प्रिमायभंस नं० 1101, 11वीं मंजिल वाला-मलं टॉवर्स ब्लॉक नं० 3, 211 नरीमन पॉइट बम्बई-21 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा की ऋं० सं० ग्राई-10/37-ईई/10518/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी यम्बई हारा दिनांक 8-7-1986 को रिम्हर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज1ए, बम्बई।

तारीख: 9-3-1987

# मक्ष् बाह्र'्डी अन् एस , 🚗

# बारकार वर्रिपनियव, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के व्योन स्वा

भारत सरकार

# कार्यातम, सहायक बाबकह बाबका (निर्देशका) प्रजीन रेंज~4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च, 1987

निर्देश मं० ग्राई-4/37ईई/1ए/11973/86-87-प्रतः मुझे निसार ग्रहमद

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थान परकात 'उनत अभिनियम' अहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का आरण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

ग्रौर जिसकी संक्तायां प्रिमायमें नं 820, 8वीं मंजिल तुलियानी चेंबर्स, नरीमन पाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-7-1986

- (क) अन्तरण से हुइ किसी क्षाय की बाबत, उक्त विभिन्तिम के बधीन कर दोने के अन्तरक के शिवरण में कमी करने या उसने स्थन में स्विधा के लिए; बार्ड/मा
- िंध) एंती किसी बाय वा किसी धन या बाय नास्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर विधिनियस, 1922 (1922 को 11) या अक्त विधिनियस गा धर्कर भ्रीचित्रक, 1957 (1957 को 27) के ब्रोजनार्थ जन्दरिती ब्वास प्रकट नहीं किया बन्द का या किया जाना जाहिए था, कियाने भें स्विका के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिल्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स लिलितराज इनवेस्टमेंट एन्ड एजेंन्सीज प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) ए० एम० ए० एसोसिए ट्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- कि उस सुपना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की वर्वाभ वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वाभ, जो भी अविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति हवारा;
- (क) इस श्यान के राजपत्र में त्रकासन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबब्ध किसी कच्च व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल जिल्ला में किस् का सकेंगे।

स्वव्यक्तिस्य :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिन्मिम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस जभ्याय में विया गया है।

# अनुस्ची

कार्यालय प्रिमायसेष नं० 820, 8वीं मंजिल, तुलसीयानी चेंबर्स, नरीमन पाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैशा कि कम सं० श्रई-4/37ईई/10519/ 85~86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8~7~1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार म्रहमंद सक्षप्त प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-3-1987

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961-(1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च, 1987

निर्देण सं० श्रई/4/37ईई/1ए/63/11898/86-87-भ्रतः मुझे, निप्तार श्रहमद

बायक्र प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकार को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्रोन रिशिप फ्लेट नं० 16, प्लाट नं० 138, होरी होने व्हियू 138, जनरल जगन्नाथ भी यं ले मार्ग, बम्बई—20 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबक्क श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण क्य से बिंगत है) श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्ठनियम 1961 की धारा 269, क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारी ख 1-7-1986 को पूर्वों वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का ग्रंड प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक छप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करणे या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारः 269-ग के अनुसरणः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :—

- (1) श्रीमती यामिनी सी० देशाई श्रौर श्रन्य । (श्रन्तरक)
- (2) श्री वेबांशु सुरेन्द मेहता । (भ्रन्तरिती)
- (3) श्री बी० एम० देसाई (वह व्यक्ति जिसके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जी० ए.५० मेहता।
  (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह पम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांधे भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

ग्रोनरिशप पलेट नं० 16, प्लाट नं० 138, होरीझेन क्ह्यू, 138 जनरल जंगन्नाथ भोमले मार्ग, बम्बई-20 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम संब्ध्रई-1/37ईई/10497/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निशार श्रहमद लक्षम प्राधिकारी लहायक ग्रारकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–4, बम्बई

दनांक : 9-3-1987

मिौहर :

# प्रकृप बाह् .टी. एन. एक .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-,  $\mathbf{I}oldsymbol{
abla}$ बम्ब $f{\hat{\epsilon}}$ 

बम्बई, दिनांक 9 मार्च, 1987

निर्देश सं० श्रई-IV/37ईई/1ए64/86-87/11914--- श्रतः मुक्षे, नियार श्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार स्वय 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं पलेट नं 56, 5वीं मंजिल, शाग्रीला हमारत, न्यू शांग्रीला को श्राप हाउमिंग सोसायटी लि , कुलावा, बम्बई—5 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधि—नियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1—7—1986 को पूर्वोंदत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंदत सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, इसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का मन्यह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब हाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्देश्य से उच्त अन्तरण कि साथ है —

- (क) अन्तरण से हुइ किसी शाव की, बामत, उसत विभिनियम की अभीन कर दोने की अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भगकर अधिनियम, बा भगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया भाग चाहिए था, छिपाने सें विभा के सिए;

अत: क्या, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- (1) श्री मेहेरनूण भ्रार० खाजोटीया।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० श्रार० सेंजाना श्रीर ग्रन्य ।

(भ्रन्तरिती)

(2) ग्रन्तरक ग्रीर परिवार

(वह व्यक्ति जिसके स्रधिभोग में सम्परित है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्च भी मार्कप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नयम, के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया हैं :

### उनुसूची

फ्लेट नं० 56, 5वीं मंजिल, शांग्रीला इसारत, द्वि न्यू शांग्रीला को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई-1V/37ईई/10503/85-86 श्रौर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-IV; यम्बई

दिनांक: 9-3-1987

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहार्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च, 1987

निर्देश सं० प्रई|IV|37ईई|1V|65|86-87|11952—श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षमे प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. 'से अधिक हैं

श्रौर जिपकी सं० युनिट नं० 4, हरी इमारत, ग्रहीद भगतसिंह रोड, श्रोल्ड कस्टम हाउन, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्यं, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से किथत नहीं निकया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित स्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जयसुखलाल रायचन्द।

(भ्रन्तरक)

(2) मयुर मंगलदान कोठारी

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके <mark>ग्रधिभोग में</mark> सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधिन जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

युनिट नं० 4, हरी इमारत , ग्रहीद भगतसिंह रोड, ग्रोल्ड कस्टम हाउम, अम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-IV/37ईई/10511/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 को रजिस्टड किया गया है।

निभार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजीन रेज-IV बम्बई

दिनांक : 9-3-1987

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बई, दिनक 9 मार्च, 1987

निदेश सं० ग्रई-4/37ईई/66/86-87/11957—ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 94, 9वीं मंजिल, मेकर चेंबर्स न० 6, नरीमन पाइन्ट, बम्बई—21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, प्ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8—7—1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल से प्रसे वन्तरकों) बौर वन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे वन्तरण के जिए तय पाया गया ग्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उद्या अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधु के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
14—26GI/87

- (1) श्री के० छड्डा ग्रौर श्रीमती कांता के**०** छड्डा (ग्रत्सरक)
- (2) श्री हरीणचन्द्र ए० बुदारानी ग्रौर श्री देवीदास एन० बुदारानी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कार्यालय नं० 94, 9वीं मंजिल, मेकर चेंबर्स, नरीमन पाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है। ग्रानुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-14/37ईई/10513/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई

दिनांक : 9-3-1987

# प्रकृष् नाइं.टी. एन. प्रास. ------

# भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# क्रम्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च, 1987

निर्देश सं० श्रई-1ए/37ईई/67/86-87/11995— श्रतः मुझे /िनसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० राइट टायटल और इन्टरेस्ट जो, फ्लेट नं० 20 में, 5वीं मंजिल, इश्वर भवन, ए रोड़, चर्चगेट, बम्बई-20 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-7-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और कृष्टे यह विश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एते स्थ्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से क्षित्रत गर्हीं किया समा है:----

- (75) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबर, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय गा किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1.922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्ति ति द्वारा प्रकट नहीं किए। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं स्वरा अधिनियम की धारा 269-म की ज्यभारा (र) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुरेखा वसंत केंदार।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रवि एस० पोदार ।

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रनिश्तरक ग्रौर श्रन्तरिती । (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकें ने।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

राईट टायटल एन्ड इन्टरेस्ट फ्लेट नं० 20 में, 5वीं मंजिल, इश्वर भवन, ए० रोड, चर्चगेट बम्बई-20 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-1ए/37ईई 10524/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 को रजिस्टई किया गया है।

निसार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-1ए, बम्बई

दिनांक : 9-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

थ्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च, 1987

निर्देश सं॰ प्रई-1ए/37ईई/68/86-87/11999-**भ**तः

मूझे निसार श्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लेट नं० 35 श्रीर 36, 9वीं मंजिल, जल किरन को० श्राप० हार्जिसग सोसायटी लि०, कफ परेड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए कंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास का कारण है कि यजाप्वींक्त सम्पत्ति का श्रीवत बाजार मूल्य, इसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त कृष्टिप्तृत्व के क्यीन कर वोचे के ब्रुक्टरक के द्यांकित में कभी करने या अनुद्री वक्षी मुंचिया के लिए; क्यां-पा
- (क) एसी किया बाव वा किसी धव वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै क्रिया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के लिए, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) श्रीमती पी० लामा, श्रीमती के० एस० मोनाप्पा, बहादुर लामा, राजन बहादुर लामा, प्रीतम डी० लामा, श्रीर श्रंजू बी० लामा (श्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश एम० नार्वेकर, श्रीमती रेखा श्रार० नार्वेकर, कुमारी रुचिरा श्रार० नर्वेकर, कुमारी रूपाली श्रार० नर्वेकर, श्रौर कुमारी रूजुता रमेश नार्वेकर ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरकों ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे फ्रिधिभोग में सम्पत्ति है ) ।

(4) टैक्स रिकवरी श्राफीसर, डी-1 वार्ड बम्बई (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हिसबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्चन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

### वक्त सम्पत्ति के नर्वन के सम्बन्ध में काहि भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स्वम्बन्धी स्पिक्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अमिक्तमों में से किसी स्पिक्त हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाश लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लेट नं 35 श्रीर 36, 9वीं मंजिल, जल किरन को श्राप के हाउसिंग सोसायटी लि कफ रोड, परेड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-1ए/37ईई/1055185-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टई किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-1ए, बम्बई

दिनांक : 9-3-1987

# स्क्य आहें छ हो । एक एक ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यानन , तहायक बावकर बावका (विराधान)

मर्जन रेज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1987

निर्देश सं० श्राइ-1ए/37ईई/69/85-86/12018—श्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपय से अधिकः है

ग्रौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 89ए, 8वीं मंजिल, 228 मित्तल चेंबर्स, नरीमन पाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनांमा श्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-7-1986

को पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तम पार्या गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तविक खप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्हैं किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री एस० के० फैमिली ट्रस्ट श्रौर श्रन्य ।

(ग्रन्तरक)

(2) राजेन जे० दमानी श्रौर ग्रन्य ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में ळिए जा सकरें।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

### अन्स्ची

कार्यालय नं० 89ए, 8वीं मंजिल, 228 मिस्तल चेंबर्स, नरीमन पाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-1ए/37ईई/10530/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1ए, बम्बई

दिनांक : 9-3-1987

## मुक्य बाइं ् डी ् एन् . एड ् :======

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन स्पना .

## भाउत सरकाड

## कार्यात्व, बहावक शावकार भावका (निर्माण)

भ्रजीन रेंज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1987

निदेश सं० अई-1ए/37ईई/1ए/70/12040/86-87 महो, निसार भ्रहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। के स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 807, 8वीं मंजिल, एम्बेसी सेंटर, नरीमन पाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 8-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरपमान श्रिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यजाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जार अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्त अन्तरण लिखित के बारतिक क्य में क्षित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी काय की बाबस, उक्त धीष्त्रियम के बंधीन कड़ दोने के बंदरक के बाबिटन में कामी कड़ने वा उच्चे बच्चे में सुविधा के जिए; बरि∕वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों नारतीय वावकर विभिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, मा चव-कड़ विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजभार्य अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए जा, कियाने में सुविधा की विद;

कदः अध, कक्त जीभनियम की भारा 269-ए के जन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैं ० राजस्थान स्पिनिंग एन्ड वीविंग मिल्स लिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) मैं ॰ रूची फायानान्स लिमिटेड । (ग्रन्तरिती

स्तो वह श्राचा शा<u>रों</u> करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के नर्जन के सिध कार्यवाहियां श्रुक करता हुं।

उक्त तर्जीत के अर्थन में सम्बन्ध हैं कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस त्यान के प्राथमत में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन की वनीं मा तत्स्वत्नां में स्वानत्वों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वनीं में भी वनीं नाम में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनास;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन को भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हित-ब्वूथ किसी म्युन्दि व्यासा, स्थाहस्ताकारी के पास रिविश्वत में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त विश्वीनयम के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वहीं वर्ष होगा. प्यो उस अध्यास औ विश्वा गया है।

## वन्स्ची

कार्यालय नं० 807, 8वीं मंजिल, एम्बेसी सेंटर, नरीमन पाइन्ट, अम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-1/37ईई/10542/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई

दिनांक: 9-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

धार्जन रेंज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च, 1987

निर्देश सं० श्रई- $1 \frac{1}{3} \frac{3}{5} \frac{5}{7} \frac{7}{1} \frac{12045}{86-87} \frac{86-87}{24}$  निसार श्रहमद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लॅट नं० 2, 2री मंजिल, स्वाधीन सवन, सी-रोड़, चर्च गेंट, बम्बई-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1901 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 8-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) नर्मदा जे० मिजिथिया उर्फ नर्मदाबेन पी० मिजिथिया और रमेश पोपटलाल मिजिथिया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रम्बरीण चिनूभाई शेठ और रीता श्रम्बरीण शेठ।

(ग्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरितीयों । (वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है )।

(4) प्रन्तरितीयों ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्र हैं)।

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में विया गया है।

## भनुसूची

फ्लैट नं० 2, 2री मंजिल, स्वाधीन सदन, सी-रोड़, चर्चगेट, बम्बई-20 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-1ए/37ईई/10544/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

निसार भहमध सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सक्षम प्राधिकारी भर्जन रेंज-1ए, बम्बई

दिनांक : 9-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जेन रेंजझ1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च, 1987

निदेश सं० म्रई-1ए/37ईई/72/12057185-86--म्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें प्रवात जिसे विधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अभीन सक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्रिमायसेस नं० 97, श्रद्धलांटा इमारत, श्रद्ध-लांटा प्रिमायसेस को० श्रांप सोसायटी लि०, नरीमन पाइन्ट, अम्बई-21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1901 की धारा 269क, ख के श्रधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रो है, तारीख 8-7-1986

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्र्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृस्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने ला उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) विजय वूल प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) एनारी इन्वेस्टमेंट एन्ड कन्सल्टन्सी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से नर्पन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

## उनत् सम्पृति के वृत्रंप में वर्षय में कार्य भी आवाप ह-

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

## अमुस्ची

प्रिमायसेस नं 97, श्रटलांटा इमारत, श्रटलांटा प्रिमायसेस, को श्राप, सोसायटी लि , नरीमन प्वाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-1ए/37ईई/10549/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1ए, बम्बई

दिनांक: 9-3-1987

## प्रकृष् वार्धः टी. एतः एवः -----

बायकर व्याधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सधीन सूचना

## भारत सरकार

## कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिक)

श्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1987

निदेश सं० श्रई/1/37ईई/73-12063/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार म्स्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संव कार्यालय प्रिमायसेम नंव 62, 65ो मंजिल, मित्तल कोर्ट, सी विंग, नरीमन पाइन्ट, बम्बई—21 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीनज बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14—7—1986 के पूर्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के ख्रयमान शितकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित क्षणार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, वा धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स प्राइम इंटरप्राइसेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स इंडस्ट्रियल एण्ड ट्रेंड लिक्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्ची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 62, 651 मंजिल, मितल कोर्ट, सी विंग, नरीमन पाइन्ट, बम्बई-21 में स्थित है। प्रमुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-1ए/37ईई/10552/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–1ए, बम्बई

विनांक : 9-3-1987

प्रक्ष बाह् .टी .एन .एस ...------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1ए, बस्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1987 निवेश सं० ग्रई-1ए/37ईई/12128/74/86-87--- श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' नहा गया ही, की धारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 20, और 202, 20वीं, मंजिल डायल महल, होटल प्रैसिडेंट के पास, कफ परेड बम्बई-5 में स्पित हैं (प्रौर इस रे उपाबद्ध अनुसूच में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्राधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनाक 14-7-1986,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगां) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल िम्नलिखित उत्वेह्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तिक हम से किया गया है हु---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; करि/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करि, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अप्राज्यक अन्तरिक्त दवारा प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा

अत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्त्रण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---15-26GI/87 (1) श्री विनू श्राप् पानीकः औरश्रीमती श्रार० ग्राय०वि० पनीकर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री श्रब्बास श्रहमदश्रली दादाभाई और श्रीमती मेम्ना श्रब्बास ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रीमती उषा सुरेश शहा (कन्फरमिंग पार्टी), (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहर्या करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्रपट्ट की क्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यां करती में से किसी व्यक्ति विवास:
- (का) (स स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर साणिक में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन<u>ृत्</u>ची

प्लैट नं 201, और 202, जो कि 20वीं, मंजिल डायल महल होटल प्रैसिडेंट के पास कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसाकि कि सं० प्रई-1ए/37--ईई/10567/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारय बम्बई द्वारा दिनाक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राथिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1ए, बम्बई

दिनांक :-9-3-1987 मोहर मोहर:

## सक्रम शहर<sup>4</sup>,त्रा . एस् . एसं . नान्यानानानानान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
भूजीन रेंज-1ए, बम्बई
. बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1987

निदेश सं० ग्रई-1ए/37--ईई/75/12129/86--87--- ग्रत० मुझे, निसार श्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.90 090/- रु. से अधिक है

और जिसकीं सं० फ्लैट नं० 152 बी, 15वीं, मंजिल, सी० लार्ड कफ परेड सी, लार्ड को० प्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, कफ परेड बम्बई-5 में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 14-7-1986 को प्रांकत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के इस्बमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के इस्बमान प्रतिफल को स्थाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से अप वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से अप के इस्बमान प्रतिफल के एसे इक्समान प्रतिफल का वन्तर शितकत से अधिक है और बन्तरक (जन्तरका) बार

अन्सरिति (अंतरितियोँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया जका प्रतिकल , निस्नसिक्तिस उत्रवेष्य से उक्त अन्तरण जिल्लिस

में बास्तविक रूप से क**िं**यत न**हीं किया गया है है---**-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्रत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाियत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी नाम या किसी भन या नाम नास्तानी को, चिन्हों भारतीय नाम-कर निश्चितमा, 1922 (1922 का 11) या उन्ता निश्चिम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- कि उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिसित व्यक्तियों, अधीत:—

(1) मंकर कुमार चौधरी।

(ग्रन्तरकं)

(2) श्रजीत सिंह बेदी और श्री मती गुरवीप कौर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के निष् कार्यशाहियां शुरू करता हुं: ।

सकत सम्पत्ति के वर्णन के त्रवन्थ में कोई भी वाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधिध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर प्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए था सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया है।

## जन्सूची

क्लैट नं 152, बी- 15वीं, मंजिल सी लार्ड, कफ परेड सी लार्ड को ग्राप हाउसिंग सोसायटी लि०, सी०, लार्ड ग्रपार्टमेंट, कथ परेड, अम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक के० सं० ग्रई-1ए/74/37-ईई/10568/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार भ्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-1ए, बम्बर्फ

दिनांक:-9-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्चर्जन रेंज-1ए, बम्बई
अम्बई, दिनांक 9 मार्च 1986

निवेश सं० घई-1ए/37ईई/76/12143/86-87--धतः मुझे निसार श्रहमव,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय नं०405, 4थी, मंजिल, एम्का हाउस 289, शहीद भगतिंसह रोड, फोर्ट बम्बई-1 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिक्षका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधकारी के कार्यालय में रुजिस्ट्री है,

दिनांक 14-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंगरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती एथ० तेजूजा मनी बाई लखमीचंद, मोहीनी वाशूमल लाजा शेवा राम और पुष्पा किशीन चंद।

(भ्रन्तरक)

(2) मारीटाइम सर्विसेस प्राइवेट लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

कार्यालय नं० 405, जो कि 4थी, मंजल, एम्का हाउस, 289, ग्रहीद भगतसिंह रोड, फोर्ट बम्बई-1, में स्थित है। अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० फ्रई-ग्रेप/37-ईई/10572/85-86 और जो सक्षम प्राप्त के अम्बई द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्र**हमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1ए, **बम्बई** 

दिनांक: 9-3-1987

प्ररूप वाह. टी. पुन. एस.,-----

मार्थिकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च को अभीन सुचना

### भारत सरकार

क्रियांजिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1ए, अम्बई अम्बई. दिनांक 9 मार्च 1987

निदेश सं० श्रई-1ए/37ईई/77/12146/86-87--भतः मझे, निसार श्रहमद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कौ धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कार्यालय प्रिमायसेस नं 306, चर्चगेट, चेंम्बर्स 5 न्यू, मारीन लाजीन्स, बम्बई—20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर भिश्तियम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 14—7—1986, को पूर्वांक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृभ यह बिश्यास करने का जारण है कि यथापूर्वोंक्ट सम्पत्ति का जिल्ल का पांच इर्जिंग प्रतिफल को दृश्यमान प्रतिफल के दृश्यमान प्रतिफल से एसे ब्रह्ममान प्रतिफल का पंच इर्जिंग स्थापूर्वोंक्ट संस्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे ब्रह्ममान प्रतिफल का पंच इर्जिंग से बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित स्व्यंच्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया इर्जें स्थाप्त के स्थाप की स्थाप की स्थाप स्थाप की स्थाप स्थित है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को किए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिषित व्यक्तियों, अधीन, निम्नितिषित व्यक्तियों, अधीन,

(1) श्री दिलीप मूलचंद मुहानी।

(म्रन्तरक)

(2) मेसर्स मणि मेनेजमेंट कन्सल्टेन्ट प्राइवेट लि॰। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप हु-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकेगे।

स्पष्टिकरण:--इसमाँ प्रयुक्त इब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उम अध्याय मों दिया गया हो।

## जनसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 306, चर्चगेट, चेंम्बर्स 5 न्यू मारीन लाईन्स, बम्बई-20 मे स्थित है। ग्रानुसूची जैसािक क्र० सं० ग्राई-1ए/77/37ईई/10576/85-86 और जो सक्षम प्राथिकारी बम्बई द्वारा विनांक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1ए, बस्बई

तारीख 9-3-1987 मोहर: **शरूप नाइ**र् टी , एन<u>ः, युसः, -----</u>-

## भायका<u>र</u> मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

## भारत चहकार

कार्यालय, सहायक मायकर भाग्यत निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1987

निर्देश सं० ऋई-1ए/37ईई/12290/86-87-ऋतः मुझे, निपार ऋहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पाश्रात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर शिसकी सं० कार्यालय नं० 31, जाली मेकर चेंबर्स नं० 2, 3री मंजिल, नरीमन पाइंट, बम्बई—21 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिज्ञका करारनामा भायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, धिनांक— 8-8-1986

को पूर्वोक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण हां कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिश्ति (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण सिलित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी फिसी आय या किसी घन या अन्य कास्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भा था किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के लिए:

अतः अवः. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, राक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) प्रेम कुमार एण्ड सन्स (हि० श्रं ०कुं) (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ध्रुव सुबोध काजी घौर **प्र**न्य। (प्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरक) (वह व्यक्ति जिसके श्रथिभोग में सम्पत्ति है)

कों यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उद्ध सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाशंप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की द्वारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में न्हिए का सकेंगे।

स्मध्दिकरणः -- इसमें प्रमुक्त शक्यों और पयों का, वा उक्त विधिनियम के विध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

## अनुसूची

कार्याण्य नं० 31, जाली मेकर चेंबर्स नं० 2, 3री मंजिल, 225 नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है। श्रनुसूची जैसे कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/10625/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है

निसार **प्रह**मद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्रज**म रेंज-1ए, **बम्बर्** 

विनोक : 9-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज∸1ए, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1987

निर्देश सं॰ घई-1ए/79/37ईई/1ए/7912039/86-87- भ्रतः मुझे, निसार भ्रहमद,

लायकर लांभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 806, एम्बेसी सेन्टर, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है। (श्रीर इवसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। विनांक 8-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मूफे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निम्म के अधीन कर दोने के बंदरक के दायित्य में कभी करने या उससे अवने में सूविधा के लिए; और/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा को जिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) राजस्थान स्पिनिंग एण्ड विविंग मिल्ड लिमिटेड। (भ्रन्तरक)
- (2) सियाराम सिल्क मिल्स लिमिटेड। (अन्तरिती)

क्रो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां जुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 किन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधि-तियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

कार्यालय नं० 806, एम्बेसी सेन्टर, नरीमन पाइंट, बम्बई—21 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैंश कि क० सं० ग्रई-1/37ईई/10541/85-86 श्रीर भi सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार धहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज-1ए, बस्बई-

दिनांक: 9-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जेन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1987

निदेश सं० ग्राई-1ए/80/37ईई/12162/86-87—ग्रतः मुक्ते, निसार ग्राहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रापये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्रलैट नं 34, 3री, मंजिल, मेकर टावर्स — जे कफ परेड 'प्लीट नं 73-ए, 74, 83, 84, श्रीर 85) बम्बई-5 में स्थित है। (श्रीर इमसे उपाबस श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिका करारनामा श्रायकर श्रधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राथिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 14-7-1986

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने दचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या जन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्धत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा उद्धत नहीं किया गना था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती जभीला शहाबुददीन श्रीर मेहमूद खान।. (श्रन्तरक)
- (2) महावीर कुमार जैन श्रीर जय कुमार जैन । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए एा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

पलैट नं० 34, 3री, मंजिल, मेकर टावर्स 'जें०, कफ परेड (प्लॉट नं० 73-ा, 74, 83, 84 श्रीर 85, इलॉक-5, कबे रेक्लमेशन), बम्बई-5 में स्थित है। श्रनुसूची जैज्ञा कि क० सं० श्रई-1/80/37ईई/10581/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ढारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> निपार श्रहमद पक्षम प्राधिकारी पहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 9-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्भन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1986

ेनिवेश सं० ग्रई—IV/82/37ईई/12187/86-87— ग्रतः मुझे, निक्षार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसंका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिज्ञकी सं० फ्लैट नं० 20, 3री, मंजिल, करमचैद मेन्सन, बैरेक रोड, धोबी तलाब, बम्बई-20 में स्थित हैं (ग्रीर इंसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिज्ञका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269, क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। दिनांक 14-7-1986

को प्वामित सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वामित संपरित का उचित बाजार मृष्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे ख्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सायित्य में कमी करमे या उससे बचने में सूबिधां के लिए; और/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती शांता बेन एप० शहा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पराग पी० गहा ग्रौर ग्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में फिए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

पलैट नं० 20, 3री, मंजिल करमचंद्र मेंन्शन बेरेंक रोड, धोबीतलाब, बन्बर्ध-20 में स्थित है। प्रनुसूची जैक्षांकि क० सं० प्रर्ध-1/37र्र्ह/10589/85-86 प्रौर भो सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ध द्वारा दिनांक 14-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है

निपार श्रेहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1ए, बम्बई

विनांक: 9-3-1987

## प्रका बाहाँ, टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-[ए, बम्बर्ड
बम्बर्ड, दिनांक 9 मार्च 1987

निदेश सं० म्रई-1ए/37\$\$/84/12218/86~87—म्रत: मुझे, निसार म्रहम्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रापये से अधिकः हैं

श्रीर जिपकी सं० पलैट नं० एच-33, 3री, मंजिल, हिस्पा महल इमारत, 223, कर परेड, बम्बई-5 में स्थित है। (ग्रीर इपमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिपका करारनामा श्रायकर श्रिधितयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 14-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूश्यमान प्रतिफल से, एसं रूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से मूक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्स उक्त अधि-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ए) एसी किसी आय या धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अर्जारती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छियाने में मृष्धा के लिए,

अत: अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, भी, उच्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन: निर्मातिबित व्यक्तियों, अर्थात्:——
16—26GI/87

- (1) डा॰ मुणील सी० भुन्सी ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तर्क)
- (2) श्री जगदीश एच वापवानी। (श्रस

(भ्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोष्ट भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या संरक्षवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पाम लिखित में व्यक्ति जा सकरें।

ररध्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत व अधिनियम को अध्याद 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>7</sup>।

## वन्स्ची

फ्लैट नं ० एच-33, 3री, मंजिल, उमारत एच, हिस्सा महल, 223, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है। श्रृतभूची तैजिकि अ० सं ० अ०-१ए/37ईई/10594/ 85-86 और जो अक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा जितंक 14-7-1986 को रिजस्टई किया गया है।

> निमार ग्रहमय ःक्षम प्रातिकारी यहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज–1ए, बस्बई

घिगांक :-9-3-1987 मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## New Delhi, the 12th March 1987

No. A. 32013/7/86-Admn.II.—In partial modification of this office notification of even No. dated 9th December, 1986, the Chairman, Union Public Service Commission appoints Shri U. R. Ambrishan, Programmer in the Commission's office to the post of Senior Programmer (General Central Service, Group 'A', Gazetted) in the scale of pay of Rs. 1100—50—1600 in the office of the Union Public Service Commission on regular basis with effect from 10-2-1987 until further orders.

Mrs. NITA KAPOOR,
Dy. Secy. (Admn.),
for Chairman,
Union Public Service Commission

## New Delhi-11, the 5th March 1987

No. A. 32013/2/87-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Section Officer of the CSS Cadre of Union Public Service Commission to officiate as Under Secretary on ad-hoc basis for a further period of three months w.e.f. 19-2-87 to 18-5-87 or until further orders, whichever is earlier under the powers vested in him vide regulation 7 of UPSC (Staff) Regulations, 1958.

## The 6th March 1987

No. A. 19014/10/80-Admn.I.—On the expiry of his deputation tenure in Foreign Exchange Regulation Appellate Board, Department of Legal Affairs, Ministry of Law & Justice, Shri Ghisa Ram Bazaria has assumed the charge of the post of Under Secretary in the office of Union Public Service Commission w. e. f. 27-2-1987 (AN).

M. P. JAIN, Under Secy. (Per Admn.), Union Public Service Commission

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## INSTITUTE OF CRIMINOLOGY & FORENSIC SCIENCE

New Delh-110055, the 30th March 1987

No. 1/1/87-ICFS.—President is pleased to appoint Dr. Gopalji Misra Director, Forensic Science Laboratory, Punjab, Chandigarh as Deputy Director in the Institute of Criminology and Forensic Science (MHA) New Delhi on deputation basis in the pay scale of Rs. 2000—2500 (pre-revised) with effect from the forenoon of 4th March 1987 for a period of three years.

R. S. KULKARNI, Director

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110055, the 30th March 1987

No. A/19036/5/77/AD.V.—The services of Sh. R. K. Prasad, Dy. Supdt. of Police/CBI are placed at the disposal of Cabinet Secretariat (R & AW) N. Delhi with effect from the afternoon of 28th February, 1987 for appointment as Under Secretary (Legal), on deputation basis.

D. P. BHALLA, Administrative Officer (E). CBI

### DIRECOTRATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-3, the 19th March 1987

No. P. VII-1/85-Estt.I(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion Shri T. S. Bahad, Addl. DIGP to the rank of DIGP in a temporary capacity until further orders.

2. Shri T. S. Bahad took over charge of the post on 6-2-87 (AN).

## The 20th March 1987

### CORRIGENDUM

No. O.II-1635/81-Estt.I.—The name of the officer in the 2nd line of this Directorate General Notification of even number dated the 26th February, 1987 may be amended to read as:—

For

Read

Shri Chail Bihan

Shri Chail Behari

No. O.II-2312/86-Estt.I.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. S. Govinda Swamy, General Duty Offiecr Grade-II of 9th Bn. CRPF with effect from the afternoon of 3rd March, 1987.

#### The 25th March 1987

No. D.I-50/86-Estt.I.—The services of Shri S. K. Kapoor, Assistant Commandant, 62 Bn. CRPF are placed at the disposal of I.B. (MHA) Govt. of India, New Delhi on deputation basis with effect from 28th October, 1986 (FN).

M. ASHOK RAJ Assistant Director (Estt.)

## DIRECTORATE GENERAL

## CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 17th March 1987

No. E-32015(4)/1/87-Pers.I.—Consequent upon his repatriation to CISF, Shri B. N. Bhardwaj assumed charge of the post of Assistant Commandant, CISF HQrs (Ops), New Delhi with effect from the forenoon of 3rd March, 1987.

#### The 20th March 1987

No. E-28017/10/84-Pers.II.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation, Shri M. S. Bose, relinquished charge of the post of Commandant, CISF Unit IOC, Barauni, Distt. Begusarai (Bihar) in the afternoon of 28th February, 1987.

D. M. MISRA, Director General/CISF

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 27th March 1987

No. 10/16/83-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number duted 28-3-84, the President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of Shri K. N. Pant, Senior Hindi Officer, in the office of the Registrar General, India, for a further period upto 30-6-87 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

Head Quarters of Shri Pant will be at New Delhi.

V. S. VERMA Registrar General, India.

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

New Delhi, the 20th March 1987

No. 594—CM/169-84.—On attaining the age of superannuation Shri Sheikh Dawood, Asstt. Audit Officer (Comml) of the office of the Accountant General (Audit-II), Tamil Nadu, Madras has retired from the service with effect from 31-1-1987 (AN).

D. N. ANAND

Asstt. Comptr. & AR. Genl. (Comm1).

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

Calcutta-700001, the 27th March 1987

No. Admn I/C/Gaz-/3469-3470.—The Director of Audit, Central, Calcutta has been pleased to appoint the following section officers to officiate as Assistant Audit Officers (Gr.B) in the scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 from the date noted against each in the Office of the Director of Audit, Central, Calcutta until further orders.

	Date of assump- tion of charge
S/Shri	<del></del>
1. Jayanta Choudhury · · · · · ·	26-2 <b>-</b> 87
	(F.N.)
2. Khondhar Faizulali	26-2-87
	(F.N.)
3. Nirode Baran Das	26-2-87
	(F.N.)
4. Dilip Kumar Chakraborty · · · ·	26-2-87
	(F.N.)
5. Asim Kumar Ghosh	26-2-87
•	(F.N.)
6. Dilip Mukhopadhyay	- 28-2-87
	(F.N.)

Sd/~ JLLEGIBLE Dy. Director of Audit (A)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ( $\Lambda\&E$ )-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 24th March 1987

No. Admn. I/G.O's Prom/F No. 65/373/2124.—Accountant General (A&E) I, M.P. Gwalior has promoted Shri Y. C. Jain, Section Officer (02/374) as Accounts Officer until further orders in an officiating capacity in the scale Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 w.c.f. 10-3-87 (FN).

(Authority: A.G. (A&E) I's order dated 9-3-87).

NIRANJAN PANT, Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) MAHARASHTRA

Bombay-20, the 18th March 1987

No. Admn.1/Audit/Genl./AO/1(1)|10.—The Accountant General (Audit) I, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers with effect from the dates mentioned against their names, until further orders:—

Sr. Name No.										Date of appointment as .AO.
2						–				3
1. Shri S. P. Joshi	•									2-7-85 (F.N.)
2. Shri G. Ratnam	•			•		•		•		· 2-2-87 (F.N.)
3. Shri M. K. Barve	•	•	•		٠		•		•	2-2-87 (F.N.)
4. Shri K. Vijaya Na	tasim	han	•		•		٠		٠	2-3-87 (F.N.)

· <del> · -</del>	2	. —	-					3
5. Shri R	. S. Hegde					•	,	2-2-87 (F.N.)
6. Shri P	. S. Oglo			•	•	•		11-2-87 (F.N.)

SMT. H. SUBHALAKSHMI NARAYANAN, Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 24th March 1987

No. 5457. A.Admn 130/86.—On attaining the age of superannuation, Shi M. S. M. Sundaram, Substantive Audit Officer. Defence Services retired from service with effect from 28-2-87 (AN).

N. L. CHOPRA, Joint Director of Audit, Defence Services.

## MINISTRY OF LABOUR

## DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTES

Bombay, the 24th March 1987

No. 15/2/87-ESTT.—The Head of Department Directorate General Factory Advice Service and Labour Institutes, Rombay is pleased to appoint Shri K. Sukumaran as Assistant Research Officer, Regional Labour Institute, Kanpur under the DGFASLI, Bombay in an officiating capacity with effect from the forenoon of 9th March 1987 until further orders.

S. B. HEGDF PATIL, Dy. Director General & Head of Department.

## MINISTRY OF INDUSTRY

## DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

## (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 19th March 1987

No. 12(323)/62-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri H. M. Som, Director (Grade 1) (Mechanical), Small Industries Service Institute, Ranchi to retire voluntary from Government service with effect from the forenoon of 2-2-1987 under Rule 48(1)(A) of Central Civil Service (Pension) Rules, 1972.

## The 25th March 1987

No. 12(44)/61-Admn.(G)Vol.V.—The President is pleased to appoint Shri R. G. P. Asthana, Deputy Director (Mechanical) Small Industries Service Institute, Patna as Director (Grade II) (Mechanical) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Ranchi with effect from the ferencon of 27-2-87 until further orders.

No. 12(648)/70-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation Shri S. K. Basu, Assistant Director (Grade II) (General Administrative Division), Small Industries Service Institute, Calcutta, retired from Government service with effect from the afternoon of 28-2-1987.

C, C, ROY, Deputy Director (Admn.).

# OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL PATENTS, DESIGNS AND TRADE MARKS

Bombay, the 20th March 1987

No. CG/F/14/7(13)(PIS)/86]272.—The President is pleased to appoint Shri V. L. Ramanathan us Senior Programmer Group "A" Gazetted) on regular basis in the scale of pay of Rs. 700-1300 in the Patent Information System, Nagpur with effect from 7th March, 1986 forenoon. He will be on probation for a period of two years with effect from the said date.

No. CG/F/1/5(1)(A)/87|273.—Shri C. R. Mittu is hereby appointed in a substantive capacity in the post of Information Officer, in the Patent Office with effect from 30-10-1984.

No. CG/F/5(1)(A)/87/274.—Shri T. K. Chattopadhyay is hereby appointed in a substantive capacity in the rost of Scientific Officer in the Patent Office with effect from 30-3-1985.

### The 23rd October 1987

No. CG/F/14/7/(13)|Patents,|315.—Shri Rama Ruo Chintalapati on his being selected by UPSC for the post of Engineer in the Monitoring Organisation, Ministry of Communication has relinquished charge of the post of Examiner of Patents and Designs from the afternoon of 2nd January 1987.

R. A. ACHARYA.
Controller General of Patents.
Designs & Trade Marks.

## ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

. Calcutta-700016, the 26th March 1987

No. 1982B/A-19011(1-MNM)/86-19A,—The President is pleased to appoint Shri Mukteshwar Nath Mishra to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 9-2-87, until further orders.

No. 1997B, A-19011(1-RK)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri Rakesh Kumur to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16-2-87 until further orders.

A. KUSHARI, Director (Personnel).

## INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 26th March 1987

No. A-19012/173/85-Estt.A.—The Controller General, Indian Bureau of Mines is pleased to accept the resignation of Shri N. C. Biswas, Administrative Officer, Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 3rd March, 1987. Accordingly the name of Shri N. C. Biswas is struck off from the strength of this Department w.e.f. 4-3-1987 (FN).

P. P. WADIII, Administrative Officer, for Controller General, Indian Bureau of Mines.

### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 18th March 1987

No. 2/10/82-S.II.—In partial modification of this Directorate's Notification of even number dated 26-2-86, Shi R. N. Prasad, Administrative Officer, All India Radio, Rauchi has been compulsorily retired under F.R. 56(j)(i) from Government services w.e.f. the forenoon of 31st August, 1985.

ASHUTOSH KURI, Deputy Director of Administration For Director General.

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 26th March 1987

No. A-32014/1/87-RC.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri A. J. Abraham, Permanent Unit Manager in Films Division, Bombay to officiate as Production Manager on regular basis in the same office in the scale of pay of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 from the forenoon of 18th March, 1987, until further orders.

R. P. PARMAR,
Assistant Administrative Officer
for Chief Producer

Date

### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-110011, the 20th March 1987

No. A.32013/1/82-(CRI)/Admn.I/EPI.—The President is pleased to appoint the following officials of Central Research Institute, Kasauli (H.P.), to the post of Assistant Director (Non-Medical) with effect from the date mentioned against each:—

No.						,,,,,
			<b>→</b> -4 -	<b>-</b> -		
1. Shri Inderjeet Rawal	•	•	•		w.c.f.	5-8-86 (F.N.)
2. Shri C. N. Misra	•	•	•	•		8-8-86 F.N.)

Name

## The 24th March 1987

No. A.12025/5/79-AllH&PH/Admn.I/PH(CDL).—The President is pleased to appoint Shri K. J. Nath in a substantive capacity to the permanent post of professor of Environmental Sanitation at All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta with effect from the forenoon of the 29th October, 1981.

SMT. JESSIE FRANCIS Deputy Director Administration (PH)

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 23rd March 1987

No. PA/73(2)/87-R-IV/209.—In continuation of Notification of even number dated February 23, 1987, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Sml.) Jyoti Gopan Menon as Resident Medical Officer (Locum) in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary carractly with effect from the forenoon of March 4, 1987 to the afternoon of April 3, 1987.

J. RAMAMURTHY Dy. Establishment Officer S.

Name

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

## (DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES)

Bombay-400 085, the 19th March 1987

No. Ref. DPS/41/3/85-Adm./12480.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Jagannath Goral Sathe, a temporary Accountant (ad-hoc) to officiate as Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 from 9-3-1987 (F.N.) to 12-6-1987 (A.N.) in the same Directorate vice Smt. S. S. Dalvi, Asstt. Accounts Officer granted leave.

## B. G. KULKARNI

Date of

Present

Administrative Officer

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 4th March 1987

No. NFC/PAR/1603/440.—Deputy Chief Executive (A), Nuclear Fuel Complex, appoints the following officials to officiate as Scientific Officer (SB) with effect from the dates shown against thheir names, in the scale of pay of Rs. 2000-60 2300-EB-75-3200-100-3500 in Nuclear Fuel Complex in a temporary capacity until further orders:—

No.	Post	Date of
10.	1030	appoint- ment as
		SO (SB)
		30 (SB)
S/Shri		
1. Raghavendra Joshi	D/Man 'D'	1-8-86
2. David T. Mokhavi	· D/Man 'D'	1-8-86
3. O. V. Ramamoorthy	SA'D'	1-8-86
4. P. V. Ramana Murthy	SA'D'	1-8-86
5. G. Radhakrishna	SA'D'	1-8-86
6. B. R. Acharya	SA'D'	1-8-86
7. J. Suryanaryan Rao	· SA'D'	1-8-86
8. P. P. Radhakrishnan	· SA 'D'	1-8-86
9. B. S. Rama Rao	· SA'D'	1-8-86
10. R. Sudhakar	· SA'D'	1-8-86
11. K. Thilakarajan	· SA'D'	1-8-86
12. B. Krishna Kumar	SA'D'	1-8- 86
13. K. Jayaraman	· SA'D'	1-8-86
14. B. B. Sharma	· SA'D'	1-8-86
15. A. Ramachandra Rao	SA'D'	1-8-86
16. K. Nanchariah · ·	SA'D'	1-8-86
17. K. Satyapal · · ·	· SA'D'	1-8-86
18. B. V. Ratnam	· SA'D'	1-8-86
19. A. Kanna Rao	· SA'D'	1-8-86
20. P. K. S. Narayanan	· SA'D'	1-8-86
21. R. M. Kartha	SA'D'	1-8-86
22. N.V. Rao	SA'D'	26-8-86
23. A. Vinaykumar	· SA'D'	20-8-86
24. K. N. S. Gupta	SA'D'	2-8-86
25. N. C. Raghuram ·	SA'D'	2-8-86
26. R. Ganesan · · ·	· SA'D'	4-8-86
27. N. Rajan	SA'D'	1-8-86
28. H. K. Singh	· SA'D'	1-8-86
29. G. Lakshminarayana Rao •	SA 'D'	1-8-86
30. S. P. Jagannath Prasad ·	· SA'D'	1-8-86
		•

GOPAL SINGH Manager, Personnel & Admin.

## OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL OF CIVIL AVIATION

#### New Delhi, the 17th March 1987

No. A.32013/3/85-EA.—The President is pleased to appoint the following Senior Aerodrome Officer of the grade of Dy. Director/Controller of Aerodromes, on a regular basis with effect from the date mentioned against them and until further orders.

S.	Name of Officer				Date
No.					from which appointed.
	Shri J. K. Sardana Shri K. C. Misra			 •	16-5-86 14-5-86
	Shri G. B. K. Nair	•	•	•	27-5-86

## The 23rd March 1987

No. A.12025/1/84-EI.—On the recommendation of the UPSC, the President is pleased to appoint Shri Pradeep Pathak to officiate as Airworthiness Officer in the Scale of Rs. 700—1300 with effect from 11-4-1986 (F.N.) until further orders.

Shri Pradeep Pathak is posted in the Office of the Director of Airworthiness, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi

M. BHATTACHARJEE
Deputy Director of Administration

## COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS Bombay, the 23rd March 1987

F. No. II/39-26/86TH.I.—The following Selection Grade Inspectors of Central Excise have on their promotion assumed charge as officiating Superintendents Central Excise Group 'B' in the Collectorate of Central Excise Bombay-III with effect from the date shown against their name,

S. Name No.			Date of assump- tion of charge
S/Shri		4	
1. M. D. Kelkar			3-4-85
2. Kum. K. Rajee			25-5-85
3. G. K. Takke		 	4-8-86
4. T. J. Rathod		٠.	1-11-85
5. B. D. Bangi		•	3-10-86
6. U. S. R. Shaikh	•	٠.	8-9-86
7. V. P. Mulgund	•	•	4-9-86
8. B. C. Dharwad	•	•	8-9-86
9. B. G. Anikhindi	•	•	28-11-86
10. R. B. Rai	$\gamma_1 \circ \bullet \gamma_2$		28-11-86
11. V. A. Dadde		•	2-12-85
	R.	 К.	THAWANI

# Central Excise: Bombay-III CENTRAL WATER COMMISSION

Collector

New Delhi-110066, the 23rd March 1987

No. A-19012/1177/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. K. Mandal, Junior Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and adhoc basis in the scale of pay of Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500 for a period of one year or till

the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 27-1-87.

M. R. SINGLE Under Secy. Central Water Commission

## MINISTRY OF INDUSTRY

## (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF THE COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Special Gems Private Limited

New Delhi, the 17th March 1987

No. 8185/8527.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Special Gems Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Association of Cycle Manufactures of Haryand Limited.

New Delhi, the 17th March 1987

No. 7996/8569.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Association of Cycle Manufactures of Haryana Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

B. M. ANAND Asstt. Registral of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Variety Saving Scheme Private Limited.

Jaipur, the 23rd March 1987

No. STAT/1463/1039.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that the name of M/s. Variety Saving Scheme Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Namak Rasayan Udyog Private Limited,

Jaipur, the 23rd March 1987

No. STAT/1291/1042.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Namak Rasayan Udyog Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bharatl Chitfund Private Limited.

Jaipur, the 23rd March 1987

No. STAT/1224/1045.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Bharati Chiffund Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissloved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Rajasthan Non-Ferrous Metals and Inorganic Salts Private Limited.

Jaipur, the 23rd March 1987

No. STAT/1314/1048 — Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rajasthan Non-Ferrous Metals and Inorganic Salts Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Devamutual Benefit Financial Private Limited.

Jaipur, the 23rd March 1987

No. STAT/1455/1051.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Devamutual Benefit Financial Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Prakash Board Private Limited.

Jaipur, the 23rd March 1987

No. STAT/2621/1054.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Prakash Board Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

V. P. SINGHAL Registrar of Companies Rajasthan, Jaipur

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(INCOME-TAX ESTABLISHMENT)

Pune, the 19th March 1987

No. 2—The undermentioned officers 'are confirmed as Income Tax Officers Group B' (Class II) with effect from the dates mentioned against each.

S. Name of the Officer No.						ate from which confirmed
1. Shri B. S. Bhosale	•				<del>-</del>	1-4-86
2. Shri A. S. Aghor ·	•			-		1-4-86
3. Shri U. B. Trimal	-					1-4-86
4. Smt. L. L. Kinkar						1-4-86
5. Shri V. R. Mudliar						1-4-86
6. Shri P. R. Joshi		•		•		1-5-86
7. Shri D. B. Kshirsagar						1-5-86
8. Shri S. Dhanraj 🕟						1-5-86
9. Shri A. M. Muntode						1-12-86
<ol><li>Shri H. R. Choudhary</li></ol>	•					1-12-86
11. Shri P. S. Mutha 🕟		•				1-12-86
<ol><li>Shri B. R. Chavan</li></ol>	-	•	-	•		1-12-86
13. Shri M. M. Deshpande						1-12-86
14. Shri V. A. Bongale		•				1-12-86
15. Shri D. R. Bhagtani				-		1-12-86
16. Shri V. K. Shinde Patil				•		1-12-86
17. Shri L. V. Khole				•		1-12-86
18. Shri B. K. Budhiwant						1-12-86
19. Shri S. K. Pardeshimath						1-12-36
20. Shri R. S. Shinde						1-2-87
21. Shri D. M. Kulkarni		•				1-2-87
22 Shri M. L. Pradhan			·			1-3-87

2. The dates of confirmation shown above are subject to modification at a later date, if found necessary.

CHANDER SINGH Commissioner of Income-tax . Pune

## DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 2nd April 1987

No. A-19011/1/87-Admn.'B'.—The President is pleased to appoint Shri V. N. S. Asthana, Superintendent (Legal) of the Ministry of Law & Justice (Department of Legal Affairs) as Assistant Director of Estates (Litigation) in the Directorate of Estates with effect from the forenoon of, 30th March, 1987 vice Shri H. K. Saxena.

LACHHMAN DASS Dy. Director of Estates(E)

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 0001

Bangalore-560001, the 17th March 1987

C.R. No. 2112/37G/DWR/86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R.S. No. 1 (Old Survey No. 5) situated at Girivari in Thanigebyle Village of Tarikere Taluk, Chickmagalur District, Karnataka State (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Tarikere on 9-7-1986

PART III—SEC. 11

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby intiate proceedings for the acquisition of the a coresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Mrs. E. F. Barnard Mr. R. A. Barnard
 Mr. D. Barnard Executors of the Estate of A. W. S. Barnard C/o King Partridge Advocates, 26/1, Lavelle Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Paramount Plantations (Pvt.) Ltd. No. 109, General Patters Road, Madras--600002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1381/86-87

Dated 9-7-1986)

The Coffe Estate known as Sanna Sampigekhan of Maskalmardi, bearing R.S. No. 1 (Old Survey No. 5) and measuring about 498 acres and 13 guntas assessed to Rs. Sanna Sampigekhan of 747/- with all plantations, trees, buildings, machinery and Water resources, tools and furniture thereon and property situated in Girivari in Thanigebyle Village of Tarikeri Taluk Chickmagalur District, Karnataka State, and more fully described in the schedule to the sale deed dated 13-6-86.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 17-3-1987

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BIHAR, BORING CANAL ROAD
PATNA-800001

Patna-800001, the 3rd March 1987

Ref. No. III-1425/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Touzi No. 205 Ward No. 5 Sheet No. 44 M. Plot No. 735 and Holding No. 286, 343 Circle No. 13, Mohalla Moharrampur, Chaugawan at present Kadamkuan, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 14-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the treasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (il of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ajit Gopal Rai S/o Amulya Gopal Rai, Kadamkuan, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Mahabir Prasad S/o Late Sadholal, Smt, Damyanti Devi W/o Mahabir Prasad Saraf, Shri Sanjay Kumar Verma S/o Mahabir Prasad Saraf and Smt. Poonam Devi W/o Sri Sanjay Kumar Verma Resident of Gurhatta P.S. Khajakalan, Patna City, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

6145 sq. ft. of land with building situated at Moharrampur, Chaugawan at present known as Kadam Kuan, Patna and morefully described in Deed No. 4964 dated 14-7-86 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date: 3-3-87

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR, BORING CANAL ROAD PATNA-800001

Patna-800001, the 3rd March 1987

Ref. No. III-1426/Acq/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Old Plot No. 509, 462 under old khata No. 60 present survey settlement Plot No. 173 in ward No. 1, Jamshedpur NAC, Sonary, P.S. Sonary Thana No. 1156 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at

Jamshedpur on 12-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-17-26GI/87

(1) Smt. Parsana Devi W/o Late Kusa Mahato, Shri Jagbondhu Mahato, Shri Dinabondhu Mahato, Shri Rash Behari Mahato, Shri Sreepati Mahato
All sons of Late Kusha Mahato of Old Sonari P.S. Sonari Dist. Singhbhum.

(2) Adarsh Sahakari Griha Nirman Samiti Ltd., Secy. Y. N. Yadav S/o Shri Ram Pd. Yadav of Sonari P.S. Sonari Dist. Singhbhum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1.70 Hactor (3.53 acres on actual measuring) situated at Jameshedpur N.A.C. of Mouza Sonari P.S. Sonari Distt. Singhbhum and morefully described in Deed No. 5763 dated 12-8-1986 registered with D.S.R., Jamshedpur.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 3-3-87

## FORM ITNS-----

(1) Musst. Zahida Begum.

(Transferor)

(2) M's. Steels Worth Pvt. Ltd.

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 2nd March 1987

Ref. No. C.A. 25/86-87/Sl.1280/I.A.C./Acq.R-I'/Cal.—Whereas, I. I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immost able property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and beating Karaya Road, P.O. Baniapukur, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Competent Authority on 2-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that entire 2nd floor of premises No. 4/2 Karaya Road. P.O. Beniapukur. Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C.. Acquisition Range-1, Calcutta vide Serial No. C.A. 25 dated 2-7-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-L
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-3-1987 Seal:

Sear

## FORM ITNS---

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **CALCUTTA**

Calcutta, the 2nd March 1987

R.f. No. C.A. 38, 86-87/Si.1281/I.A.C./Acq.R-I/Cal.= Whereas, I, I. K. GÁYEN,

whereas, 1, 1. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 75C situated at Park Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Competent Authority on 15-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer; 444 /05
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mrs. Suman Anand.

(Transferor)

(2) Shri Gyaneshwar Prasad Agarwal, Smt. Chunmun Devi and Smt. Sheila Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that office space being No. 1E and having plinth area of 1884.08 sft. on the South Eastern side of the First Floor of the building at 75C, Park Street, Calcutta with 1.98% undivided share in land. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acq. Range-I, Calcutta vide serial No. C.A. 38 dated 15-7-1986.

L K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 2-3-1987

Scal:

#### FORM ITNS-

(1) M.S.K. Enterprises.

(Transferor)

(2) Kosaban Services.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE CALCUTTA

Calcutta, the 2nd March 1987

Ref. No. C.A. 40/86-87/Sl.1282/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing Mirza Ghalib Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Competent Authority on 15-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay text under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that Flat No. 4A, measuring 2324 sft. in a building at premises No. 53A, Mirza Ghalib Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C. Acqn. Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 40 dated 15-7-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-3-1987

#### FORM I.T.N.S.-

## (1) M/s. M.S.K. Enterprises

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Saraogi, Smt. Manisha Saraogi and Smt. Radha Saraogi.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CALCUTTA

Calcutta, the 2nd March 1987

Ref. No. C.A. 41/86-87/SJ.1283/I.AC./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Ircome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 28 the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5.00.000, and bearing S3A situated at Mirra Chalib Street Colonter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Competent Authority on 21-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer so agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that Flat No. 5A on 5th floor at premises No. 53A, Mirza Ghalib Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acqn. Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 41 dated 21-7-86.

I. K. GAYEN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 2-3-1987

FORM ITNS-

(1) M, s. Azimganj Estates Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Kajaria Castings Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## **UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

#### ACQUISITION RANGE CALCUTTA

Calcutta, the 2nd March 1987

Ref. No. C.A. 42/86-87/Sl.1284/I.A.C./Acq.R-I/Cal.---Whereas, I, J. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.

7 situated at Camac Street, Calcutta-17

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Competent Authority on 21-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evaluated of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 201, 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa; I property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that office block No. 7 on 2nd floor, Azimgauj House, 7. Camac Street, Calcutta-17. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acqn. Range-I, Calcutta vide Serial No. C.A. 42 dated 21-7-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 2-3-1987

### FORM ITNS---

(1) M/s. Chitrakoot Properties Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. The Standard Mills Co. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE CALCUTTA

Calcutta, the 2nd March 1987

Ref. No. TR-234/86-87/Sl.1285/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—

Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 5.00,000/- and bearing
No. 71 situated at Park Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 28-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that the Office space No. 4A on 4th floor at 71, Park Street, Calcutta. Area 5273 sft. with one car parking space.

> I. K. GAYEN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J.
> 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 2-3-1987

Scal:

of :-

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE CALCUTTA

. Calcutta, the 2nd March 1987

Ref. No. TR-235/86-87/Sl.1286/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I. I. K. GAYEN, being the Competent Authority, under sec. 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5.00,000/- and bearing
No. 71, situated at Park Street Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 30-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Chitrakoot Properties Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Kanoria Chemicals and Industries Ltd.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that the office Space No. 1 and 2 on 7tn noor at 71, Park Street, Calcutta. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-9871 dated 30-7-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-3-1987

Scal:

#### FORM ITNS-

(1) Indrajit Sinha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Amrapali Properties Ltd.

(Transferce)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd March 1987

Ref. No. TR-236/86-87/Sl-1287 1.A.C/Acq.R-1/Cal.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 7/1, situated at Lord Sinha Road Calcutta (and moe fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 30-7-86

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 30-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land: All that the premises No. 7/1, Lord Sinha.

Address: Road, Calcutta. Area 20 Cottahs 1 Chittack & 39 Sft, Registered before the Sub-Registrar.

Deed No.: of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-9879 dated 30-7-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18-26 GI/87

Date: 2-3-87,

## FORM ITNS----

(1) Niroj Halder.

(Transferor)

(2) Riki Estates P. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd March 1987

Ref. No. TR-244/86-87/SI-12881.A.C./Acq.R-I/Cal. Whereas, I, I. K. GAYEN,

value eas, 1, 1. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 181/1, situated at A. J. C. Bose Road & 28 & 29 Beniapukur Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule appared by the state of the schedule appared by the second section of the second section of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R. A. Calcutta, on 8-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) Vacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: All that properties at 181/1, Acharya Jagadish Ch. Bose Road, Calcutta, area: 4 cottahs 14 chittacks and 28 & 29, Beniapukur Lane, Calcutta, area: 3 cottahs.

Address: Registered before the Registrar of Assurances.

Calcutta vide Deed No. I-9076 dated 8-7-86.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Calcutta.

Date: 2-3-87.

### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 24th March 1987

Ref. No. IAC (Acq)/R-III/37EE/7-86/3303.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 10,00,000/- and bearing No.
Space No. 1-A Floor in VIJAYA Building situated at
Barakhamba Road, New Delhi
(and moc fully described in the Schedule annexed here(o).

tand more tuny described in the Schedule annexed here(o), has been transferred and registered under Registration. Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi, on July 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore here aforesaid exceeds the apparent consideration therefore here. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Gujral Estates Pvt. Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi-110 001. (Transferor)

(2) M/s. Hoover Construction Pvt, Ltd. 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 1 A Floor in VIJAY Building, at 17, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

Area Super (500) sq. ft.

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 24-3-1987

Scal:

#### FORM ITNS---- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI, NEW DELIH

New Delhi, the 24th March 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-VII/37EE/7 86/3307.—Whereas, ASHOK KACKER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing.

Space No. 1-A Floor in VIJAYA Building situated at 17. Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on July 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Gujral Estates Pvt. Ltd. 17, Barakhamba Road, New Delhi-110 001. (Transferor)
- (2) M/s. Hoover Construction Pvt. Ltd. 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person instead in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 1 A Floor in VIJAY Building, at 17, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

Area Super (500) sq. ft.

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the spit Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-3-1987

Scal:

#### FORM ITNS-

- (1) M/s. Gujral Estates Pvt. Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi-110001.
- (Transferor) (2) M's, Hoover Construction Pvt. Ltd. 28. Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 24th March 1987

Ref. No. LA.C. (Acq.)R-III/37EE/7-86/3308.—Whereas, I, ASHOK KACKER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 1-A Floor in VIJAYA Building situated at 17. Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi, on July 1986
10 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In the Chapter

## THE SCHEDULE

Space No. 1 A Floor in VIJAY Building, at 17, Bara-khamba Road, New Delhi-110001. Area Super (500) sq. ft.

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 24-3-1987

## FORM ITNS-

a di promi della distribucció del con el contrata <del>della della del</del>

- (1) M/s, Gujral Estates (P) Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hoover Construction Pvt. Ltd. 28, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 24th March 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-III/37FF/7-86/3365.—Whereas, I, ASHOK KACKER
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 1.00,000- and bearing No.
Space No. 1-A, Floor in Vijaya Bldg., situated at
17 Barakhamba Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registeration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at
N. Delhi
on July 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922). or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Space No. 1A Floor in VIJAYA Bldg., at 17, Barakhamba Road, New Delhi-110001. Super (500) sq. ft.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

Date: 24-3-1987

Scal:

## FORM ITNS

(1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd., 17. Barakhamba Road, New Delhi-1.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(2) M/s. Hoover Construction Pvt. Ltd.28, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication xzffflybxv in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which were partial or notice but the property partial or notice but the period of the respective persons which were partial or notice but the period of the period

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 24th March 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-III/37EE/7-86/3364. Whereas, I, ASHOK KACKER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Space No. 1-A. Floor in Vijaya Bldg., situated at
17 Barakhamba Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi

on July 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the chieve of with the object of :-

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Space No. 1B Floor in VIJAYA Bldg., at 17, Barakhamba Road, New Delhi-110001. Area Super (500) sq. ft.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Ihereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following person' namely ;---

Date: 24-3-1987

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOCMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

### ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, 24th March 1987

Ref. No. 1.A.C. (Acq.)/R-III/37EE.7-86/8366.—
Whereas, I, ASHOK KACKER
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No.
Space No. 1-B. Floor in Vijaya Bldg., situated at
17 Barakhamba Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under Registeration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at
N. Delhi
on July 1986
for an apprent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) M/s. Hoover Construction Pvt. Ltd. 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Space No. 1B Floor in VIJAYA Bldr., at 17, Barakhamba Road, New Deihi-110001. Super (500) sq. ft.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 24-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1987

Ref. No. I.A.C.(Acq)/R-I/37EE/7-86/3202.—Whereas, I. S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 709 situated at Meghdoot Building, 94 Nehru Place,

New Delhi Mg. 627 sq. ft. (and more fully, described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in July

1986

1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said iinstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— 19-26 GI/87

(1) Miss\_Bhavna Ishwar Thadhani d/o Sh. Ishwar H. Thadhani, 42/5, Tulsi Nivas, 'D' Road, Churchgate, Bombay-400020.

(Transferor)

(2) Master Atul Naik & Master Aseem Naik Sons of Sh. Ganapati Hammu Naik, 16 Munirka Vihar, New Delhi-110 067

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) hy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 709, Meghdoot Building, 94 Nehru Place, New Delhi Mg. 627 sq. ft.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi-110002

Date: 11-3-87 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq.)/R-I/37EE/7-86/3203.—
Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 708 situated at Meghdoot Bldg., 94 Nehru Place, New Delhi Area 627 Sq. ft. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in July 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Miss Harsha Ishwar Thadhani d/o Sh. Ishwar H. Thadhani, 42/5, Tulsi Nivas, 'D' Road, Churchgate, Bombay.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Kaushalya Naik w/o Sh. Ganapati Hammu Naik, 16 Munirka Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 708, Meghdoot Huilding, 94 Nehru Place, New Delhi Mg. 627 sq. ft.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi-110002

Date: 11-3-87

(1) M/s Indian Biotech Company Pvt. Ltd. 109/32-33, Nehru Place, New Delhi-19 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nina Sagar and Sh. Rajiv Sagar, r/o S-419, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1987

(a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-sons, whichever period expires later;

Ref. No. J.A.C. (Acq)/R-I/37EE/7-86/3209.— Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-ship property having a fair market value. as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 613 situated at International Trade, Nehru Place Hotel, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the LT. Act, 1961 read with rule 48DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in July 1986

1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any

Flat No. 613, In International Trade Tower, Nehru Place Hotel, Nehru Place, New Delhi Mg. 726 sq. ft.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Della-110002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-3-87

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/R-1/37-EE/7-86/3210.— Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ground floor shop No. G-6. Mg. 264 sq. ft. situated at in Sahyog, 58, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Delhi in July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said metrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Master Sharad Mohan (Minor) through his father and natural Gurdian Sh. Sunil Mohan, R/o D-316, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kamiesh Garg, R/o E-43, Hauz Khas, New Delhi, Mrs. Rani Paliwal, R/o Paliwal Nagar, G. T. Road, Panipat, Shri Mahesh Anand, R/o 59, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Ground floor Shop No. G-6, in Sahyog, 58, Nehru Place, New Delhi Mg. 264 sq. ft.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/ACQ-VI/SR.I/7-86/721.—
Whereas, I, T. K. SAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1545/11-C (40/23) built on Plot No. 23, West Patel
Nagar, New Delhi situated at New Delhi/Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of
the Registering Officer
at Delhi in July, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Folk Garments Pvt. Ltd., 69/1-A, Najafgarh Road, New Delhi-15, through its Managing Director Shri Ashok Sachdev S/o Shri C. I.. Sachdev, R/o D-29, N.D.S.E., Part-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ashoka Builders & Promoters, 4-Racquet Court Road, Civil Lines, Delhi through its partner Shri Deepak Kumar Aggarwal, R/o 10, Under Hill Lane, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Property No. 1545/11-C(40/23) built on Plot No. 23, measuring 800 sq. yds. at West Patel Nagar, New Delhi".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Date : 13-3-1987

#### FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.1/7-86/724.—
Whereas, I. T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Madras House bearing Mpl. No. 4939, Plot No. 67/4, Darya Ganj. New Delhi (Flat No. 5 on GF and Flat No. 10 on F.F.), Roof terrace situated at New Delhi/Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Delhi in July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shrimati Sunita Vohra Wd/o Late, Shri Panna Lal Vohra & Shri Vinod Kumar Vohra and Shri Rakesh Vohra Ss/o Late Shri Panna Lal Vohra at present R/o 67/4, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor) (2) M/s. Neelam Farms & Forests Pvt. Ltd., through its Director M/s. Neelam Aggarwal W/o Shri K. M. Agarwal, R/o B-26, N.D.S.E.-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"1/6 undivided share in the lease hold land measuring about 133 sq. yds. with double storey House, Property consisting of 1/6th portion of the building known as Madras House bearing Mpl. of 4939, Plot No. 67/4, Darya Ganj, New Delhi (Flat No. 5 on GF and Flat No. 10 on F.F.) roof terrace.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.I/7-86/728.— Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M/14, Rajouri Garden Area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi situated at New Delhi/Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Delhi in July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Parminder Kaur W/o Shri Manjeet Singh & Shri Manjeet Singh S/o Late Shri Harbhajan Singh, R/o DF-83, Tagore Garden, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Udham Singh S/o Late Shri Jawahar Singh, R/o J-13, 59, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"First Floor of Property, No. M/14, Mg. 200 sq. yds. situactd at Rajouri Garden, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1987

Scal ;

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VL 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. tAC/ACQ.VI/SR.1/7-86/729.—Whereas, I, T. K. SAH,

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M/14, situated at Rajouri Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi situated at New Delhi/Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferre/registered under

has been transferre/registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in July, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:-

(1) Shri Navtej Singh S/o
Late Shri Harbhajan Singh and
Smt. Varinder Kaur W/o
Shri Navtej Singh, R/o M/14, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Udham Singh S/o Late Shri Jawahar Singh, R/o J-13/59, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Ground Floor of Property No. M/14, mg. 200 sq. yds. situated at Rajouri Garden, area of Vill. Basai Darapur, Delhi State, Delhi".

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1987

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR.I/7-86/756.—
Whereas, I, T. K. SAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 10.IIB Northern City Extension Subzi Mandi Delhi No. 10-UB, Northern City Extension, Subzi Mandi, Delhi situated at New Delhi/Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transefrred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth, tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-20-26GI/87

 Shri Vivek Puri S/o Late Col. Sarvjit Puri, R/o C-4D/32-B, Janakpuri, New Delhi-110058. (Transferor)

(2) 1. Shri Sohan Lal S/o Shri Ram Sarup,

D. K. Gupta S/o Roshan Lal,
 Smt. Sudha Gupta W/o R. L. Gupta,
 Smt. Pama Wati W/o Om Parkash & Sanjay Mukim S/o Bhola Shankar,
 All R/o Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One House bearing No. 10-UB, Area 295.6 sq. yds. at Northern City Extension, Subzi Mandi, Delhi".

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/Acq.VI/SR.I/7-86/759.—

Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. E-8, Block-E situated in C.C. Colony, Delhi State Govt. Employees Co-operative House Bldg. Soc. Ltd. Near R. P. Bach, G. T. Road Delhi

Bagh, G. T. Road Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair to believe that the fair market value of the property as market value of the aforesaid property and I have reason to aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri A. K. Gupta S/o Shri K. N. Gupta, R/o B-4/7, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Sunita Devi W/o Shri Harish Chandra, R/o E-8, C. C. Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"Ground Floor of Property No. E-8, Block-E, area meas 200 sq. yds, situated in C. C. Colony, Delhi State Govt. employees Co-op, House Bldg. Soc. Ltd., near R. P. Bagh, G. T. Road, Delhi".

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Kedar Nath Gupta S/o Late Shri Kerori Mal Gupta, R/o B-4/7, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

 Shri Harish Chandra S/o Shri Raghubir Narain, R/o E-8, C. C. Colony, Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI 3RD FLOOR, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/Acq.VI/SR-I/7-86/760.—
Whereas, I, T. K. SAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. E-8 situated at the Colony of Delhi State Govt., Employees Co-operative House Bldg. Soc. Ltd. Near Rana
Partap Bagh, situated at Delhi
(and moe fully described in the Schedule annexed herto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 in the
Office of the Registering Officer
at New Delhi in July, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid ptrsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"First and Second Floor of Property No. E-8, area meas. 200 sq. yds. situated in the colony of Delhi State Govt. employees co-operative House Bldg. Soc. Ltd., near Rana Partap Bagh, Delhi (C. C. Colony)".

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1987

### FORM I.T.N.S .--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/Acq.VI/SR.I/7-86/761.—
Whereas, I, T. K. SAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 10,00,000/- and bearing No.
Municipal No. 4379/4, Khasra No. 58, Darya Gani, New
Delhi situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 in the
Office of the Registering Officer
at New Delhi in July, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) Shri Nirmal Kumar Bose S/o Shri A. C. Bose, R/o 4379/4, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prakash Chand Jain S/o Shri Tirkha Ram Jain,
(2) Shri Arun Kumar Jain S/o Shri P. C. Jain, both R/o 4378/4B, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free hold rights of land measuring about 455.00 sq. yds. bearing Property Municipal No. 4379/4, Khasra No. 58, Min. situated at Darya Gani, New Delhi-2.

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC(Acq)/R-VI/SR.I/7-86/762.--Whereas I,

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F-2/1 Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
20—16GI/87

 Smt. Kamla Wati, W/o Shri Manak Chand, R/o F-2/1, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Amit Arora, W/o Shri Manmohan Singh, R/o F-3/15, Model Town, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

"Undivided half share of Property No. F-2/1, Model Town, Delhi."

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC(Acq)/R-VI/SR.I/7-86/763.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F-2/1. Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in July, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Kamla Wati, W/o Shri Manak Chand, R/o F-2/1, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Satwant Arora, W/o Shri Karam Singh R/o F-3/15, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dage of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULB

"Undivided half share of property No F-2/1, Model Town, Delhi."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4'14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR-I/7-86/772.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. B-4/7(1-2), Rana Partap Bagh, Delhi-7
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in July, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Nagendra Bhatnagar S/o Late Shri Rajendra Swaroop Bhatnagar, R/o B-4/7(1-2), Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transfaror)

(2) Kedar Nath Gupta, S/o Shri Karori Mal Gupta and Dr. Anil Kumar, S/o Shri Kedar Nath Gupta, R/o E-8, C.C. Colony, Delhi-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

"Property No. B-4/7(1-2) Rana Partap Bagh Delhi-7 land measuring 423.637 sq. mtr."

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1987

## FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Dulahdinomal Asnani 7/3, West Patel Nagar, New Delhi-110008:

(Transferor)

(2) M/s. Bata India Ltd. 30, Shakespeare Sarani Calcutta-700 017.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR-I/7-86/777.--Whereas, I,

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7/3, West Patel Nagar, Delhi-110008 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in July, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property us aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and exprossions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

7/3 West Patel Nagar, New Delhi-110008, admeasuring 200 sq. yds.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR-II/7-86/300.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 59. West Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any facome arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-21--26GI/87

(1) Shri S. Balject Singh S/o Shri Rattan Singh, L-31, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Raj Pal Gupta S/o Late Shri Kishan Chand,
2. Master Rohit Gupta
S/o Shri R. P. Gupta, both R/o 11/10, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Free-hold plot bearing plot No. 59, on West Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi. Mg. 555.55 Sq. Yds.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI New Delhi

Date: 13-3-1987

### FORM ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR-III/7-86/325.—Whereas, I. T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the minovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 32, Block No. 56, Park Area, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in July, 1986
to an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesiid exceeds the apparent consideration therefor by said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) tacibiating the concealment of any income at any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Shri Bhagwan Dass, S/o Shri Karan Singh, R/o 12/12, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s, Consortium Holdings Pvt. Ltd., B-2, Janakpuri, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

21 storeyed building on Plot No. 32, Block No. 56, measuring 1288.2 sq. yds., Park Arca, Karol Bagh, New Delhi. (20% share in the said property).

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following reisens, uimely :--

Date: 13-3-1987

La region there are an in the contract

#### FORM ITNS--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Rcf. No. IAC/ACQ.VI/SR-III/7-86/326.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2318—2321, Chuna Mandi, Pahargani, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ł

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely:—

 Shri Gurmeet Singh S/o S. Sewa Singh R/o 2318, Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Trans India, International Ltd., 1/6, Jhandewallan Ext., New Delhi, through its Director.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property Bearing No. 2318—2321, Chuna Mandi, Pahargani, New Delhi, Area 147 Sq. Yds.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delhi

Date: 13-3-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR-III/7-86/327.—Whereas, 1, T. K. SAH,

1. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 59/25, Khasra No. 1343/153, Municipal No. 7970, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1986

for an apparent co-sideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Verinder Katyal S/o Late Lala Bhagwan Das Katyal R/o 21, Bunglow Road, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Hari Chand

Smt. Sheela Devi
 Smt. Sheela Devi

W/o Shri Hari Chand

3. Smt. Santosh Kumari

W/o Shri Om Parkash, Smt. Shashi Arora

W/o Shri Jagdish Lal All R/o 2064, G. No. 38-39, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing No. 59/25, Khasra No. 1343/153, Municipal No. 7970, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi-5, measuring 552.44 sq. yds.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi

Date: 13-3-1987 Seal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-VI
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/SR-III/7-86/328,—Whereas, I. T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

to as the said Act I, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. R-855, New Rajinder Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in July, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Dr. Surjit Singh S/o Late Dr. Sohan Singh and S. Paramjit Singh S/o Dr. Sohan Singh, R/o R-855, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chander Sahni S/o Shri Des Raj Sahni R/o R-855, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. R-855, measuring 195 sq. yds, situated at New Rajinder Nagar, New Delhi.

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-3-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/ACQ.Vt/SR-lII/7-86/329.—Wherens, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Mpl. No. XV1/11263, Plot No. 38, Block No. 7-A,
W.E.A. Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in July 1086

New Delhi in July, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Rup Narain Gupta, S/o Late Shri Inder Narain Gupta, R/o 7-A/38, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor

(2) Shri Naresh Kumar Jhanji, S/o Lute Shri Kartar Chand Jhanji, R/o 7-A/38, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period e.
  45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing Mpl. No. XVI/11263, Plot No. 38, Block No. 7-A, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, measuring about 199.83 Sq. Yds.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inftiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this motion under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S. Balbir Singh S/o S. Ishwar Singh R/o S. 6. Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Joginder Singh S. o S. Sunder Singh and Smt. Gu bachan Kaur W/o S. Joginder Singh R/o 18/21, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VI, 4/14-A, ASAF AI.I ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Rel. No. IAC/ACQ. VI/SR. III/7-86|329-A.--Whereas, I,

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 11014, built on Plot No. 21, Block No. 18, Kb.

No. 794/767, W.E.A., Karol Bagh,

New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1986

New Delhi in July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/er

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

"House No. 11014, built on Plot No. 21, Block No. 18, measuring 240 sq. yds. Khasra No. 794, 767, at Western Extn. Arca, Karol Bagh, New Delhi".

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-VI New Delhi

Date: 13-3-1987

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the alcressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/Acq. VI/37EE/7-86[74.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. A-26,

No. A-26, situated at Ashok Vihar-I, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi VI on July 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration and that the efficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Jagdish Lal Munjal S/o Sh. Rukma Ram Munjal R/o A-26, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Parkash Modi,
(2) Vinod Kumar Modi,
(3) Ved Prakash Modi and
(4) Prem Prakash Modi S/o Sh. Murari Lal,
All R/o 5917, Basti Harphool Singh,
Sadar Thana Road, Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"A-26, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi-110052".

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sh. Girdhari Lal Sennik, 1-C'13, New Rohtak Road, New Delhi-110005.

(Transferor)

(2) M/s. Vikas Agencies (P) Ltd. A/4, Mayapuri Indl. Area, New Delhi-110064.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. 1AC/Acq. V1/37EE/7-86/75.—Whereas, 1, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable as the 'taid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1-C/13, Kh. No. 1668|1299|153 Mpl. No. 9737 New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred in the office of the Registering officer of I.T. Act, 1961 IAC Range, New Delhi-VI in July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the sold instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acc in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

ow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building No. 1-C/13, Kh. No. 1668/1299.153. No. 9737, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi,

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi

Date: 13-3-1987

Scal:

22 -26GI/87

persons, namely :--

## NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-VI, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. 1AC/ACQ, VI/37EE/7-86[76,—Whereas, 1, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-ta). Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing No.
Cottage No. 14, of proposed apartment No. 4, Recquet
Court Road, Civil Lines, Delhi-54.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the LA.C. Acquisition Range VI at Delhi on July 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the ereduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of tre said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. High Tower Builders, 4, Racquet Court Road Civil Lines Delhi-54.

(Transferor)

(2) Sh. Amar Nath Khandelwal S/o R. K. Khandelwal, Manoj Kumar Khandelwal S/o R. K. Khandelwal, Smt. Sujata Khandelwal W/o A. N. Khandelwal and Smt. Avin Khandelwal W/o M. K. Khandelwal R/o 118/611 Kaushalpuri, Kanpur-2,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Cottage No. 14 of proposed apartment No. 4, Racquet Court Road, Civil Lines Delhi-54".

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range-VI New Delhi

Date: 13-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VI, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/ACQ. V1/37EE/7-86|77.—Whereas, 1, T. K. SAH,

1. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, Lower Duplex at 2 No. Raj Narain Road, Civil Lines, Delhi-54 situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule approved beyon)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acquisition Range VI Delhi on July 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to have the parties have not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealeent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Vimla Arora and Mr. Daya Arora R/o 7-A/44, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi-110005.

(Transferor)

(2) Shri Lal Chand Jain S/o Shri Ram Narain Jain and Smt. Santosh Jain W/o Sh. Lal Chand Jain R/o 18/11, Shakti Nagar, Delhi-110007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as ure defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Flat No. 6, Lower Duplex at 2 No. Raj Naraín Road, Civil Lines, Delhi-110054".

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issues of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VI, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/ACQ. VI/37EE/7-86[78.--Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 95 in Block BC (Pas.) Shalimar Bagh Residental Scheme Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed herethas been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range VI on July 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Anterjit Kaur W/o Sh. Simran Singh C-15, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sushil Gupta W/o Sh. Nanak Chand Gupta 170/55A, Ramcshwar Nagar, Azadpur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

"Property No. 95 in Block BC (Pas.) situated in the layout plan of Shalimar Bagh Residential Scheme, Delhi,"

T. K. SAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VI
New Delhi

Date: 13-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. 1AC/ACQ.VI/37EE/7-86/78-A.—Whereas, 1. T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17A/10, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi situated at New Delhi/Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has be transferred /registered under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the LAC Acquisition Range,

Delhi in July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Kishore Chand Chopra
 Shri Tek Chand Chopra,
 Shri Kuldeep Chand Chopra,
 Shri Suresh Chand Chopra,

5. Shri Subhash Chand Chopra,
6. Shri Ramesh Chand Chopra
All R/o 15-A/60 W.E.A. Karol Bagh,

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Basanl, Shri Amit Bansal All R/o B-15, Greater Kailash-1, New Delhi.

New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"Property No. 17A/10, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi,"

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1987

#### (1) Shri Gobind Singh 1/1, Roop Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prabhu Dayal Aggarwal, F-23, Mansarover Garden, New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC/ACQ.VI/37EE/7-86/78-B.—Whereas, I, T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. F-23, Preet Vihar, Delhi situated at New Delhi/Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred/registered under the Income Tax Act. 1961 in the Office of the 1.A.C Acquisition Range, Delhi in July 1986. Delhi in July, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income\_tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

"F-23, Preet Vihar, Delhi. Mg. 570 sq. yds.."

T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-3-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. Satnam Singh S/o Shri Arjun Dass, R/o 4-43 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudarshan Dhingra W/o Shii Surjeet Singh Dhingra R/o Kothi No. 4, Road No. 45A Punjabi Bagh West New Delhi.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC(Acq)/R-VI/37EE/7-86/78-C.-Whereas, I, T. K. SAH,

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4 of G.F. Kothi No. 4. Road No. 45A situated at Punjabi Bagh West New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962 in July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

l portion of ground floor Kothi No. 4 Road No.45A Punjabi Bagh West New Delhi.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-3-199

#### FORM 11NS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VI AGGARWAI, HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC(Acq), R-V1/37EE/7-86/78-D.—Whereas, I, T. K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- und bearing 1- portion of G.F. Kothi No. 4, Road No. 45-A situated at Punjabi Bagh West New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in July 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

 Mi, Satnam Singh S'o Shri Arjun Dass, R/o 4-43 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Randeep Singh So Shri Surjeet Singh R/o Kothi No. 4, Road No. 45A Punjabi Bagh West New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1 portion of ground floor Kothi No. 4 Road No. 45A Punjabi Bagh West New Delhi.

> T. K. SAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VI Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC (Acq.)/R-V/37EE/7-86/87-E.-Whereas, I, K. SAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Kothi No. 4, Road No. 45-A, Punjabi Bagh situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962

in July, 1986\*

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—23—26GI/87 (1) Mr. Satnam Singh, A-43, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Jatinder Pal Singh, Kothi No. 4, Road No. 45A, Punjabi Bagh West, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immos-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Entire second floor of Kothi No. 4. Road No. 45A Punjabi Bagh West, New Delhi. Free hold.

> T. K. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V, New Delhi-110 002

Date: 13-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

HE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING

ACQUISITION RANGE-V, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1987

Ref. No. IAC (Acq.)/R-V/37-EE/7-86/78F.—Whereas, I,

T. K. SAH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Kothi No. 4, Road No. 45-A, Punjabi Bagh situated at New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 read with rule 48 DD (4) of the Income Tax Rules 1962

in July, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or been or been or been or been by the transferee for which ought to be disclosed by the trunsferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Satnam Singh, A-43, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Inder Pal Singh, Kothi No. 4, Road No. 45-A, Punjabi Bagh West, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

1st floor of Kothi No. 4, Road No. 45A, Punjabi Bagh West, New Delhi.

> T. K. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V, New Delhi-110 002

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1987

(1) Mrs. Sheela Subhash Madiman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Hoechst India Limited.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 6th March 1987

File No. AR.II/37EE/36573/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 112, 'Nibbana', Pali Hill, Bandra situated at

Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 11-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 112, 'Nibbana', Fali Hills, Bandra, Bombay-50. The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/36573/86-87 on 11-7-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-3-1987

#### FORM FINS-

(1) Smt. Amina A. G. Bhombal,

(Transferor)

(2) Shri Balkar Singh Luthra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 6th March 1987

File No. AR.II/37EE/36658/86-87.-Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 602, 6th floor, Fabina Premises Co-op. Society Ltd., at Plot Nos. 42 & 28/2, St. Martin's Road Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 17-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a pariod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 602 on the 6th floor of the Premises known as Fabina Premises Co-op Society at Plot Nos. 42 & 28/2, St. Martin's Road, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been Registered by the Competent Authoritly, Bombay under No. AR.II/37EE/36568/86-87 on 17-7-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Seal:

Date: 6-3-1987

(1) Mrs. Heena Igbal Halaney.

(Transferor)

(2) Tata Burroughs Ltd.

(3) Transferee.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property.)

### ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 6th March 1987

Ref. No. AR.II/37EE/36772/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.
Flat No. 401, 'lal Darsham' at 288, (Chimbai, Master Vinayak Cross Read Bondro (West) Bombay 50

Cross Road, Bandra (West), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and, the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the

Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 401, on the 4th floor and car parking space No. 5, in the building known as 'Jal Darshan' at 288, Chimbai, Master Vinayak Cross Road, Bandra (West), Bombay-50.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/36772/86-87 on 18-7-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o fine said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-3-1987

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Dorothy Saldanha.

(Transferor

(2) M/s. Sarkar Builders.

(Transferee

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 6th March 1987

File No. AR.II/37/EE/36634/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, have a fair market value

excessding As. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 205, in the Salsette Catholic Co-operative Society's Estate Plan No. 1 at 10, St. John Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period e. 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 205 in the Salsette Catholic Cooperative Society's Estate Plan No. 1 at 10, St. Johon Road, Bandra, Bombay-50, bearing CTS No. C/853.

The agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/36634/86-87 on 414-7-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1987

### (1) Mrs. Manorama Suresh Patel.

(Transferor)

(2) Kalyanji Jamnadas Tanna.

(Transferce)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 6th March 1987

No. AR.II/37EE/36878/86-87.—Whereas, 1, C. SHAH.

earing the Competent Authority under Section 269B of the nome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the impossible property having a factor market value and first novable property having a fair market value exceeding its, 1,00,000/- and bearing that No. 102, 'Jal Darshan' at 288 Chimbai, Bandra (West),

Jombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

at Bombay on 25-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor of the building known as 'Jal Darshan' at 288, Chimbai, Master Vinayak Cross Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/36878/86-87 on 25-7-1986

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-3-1987

(1) Mr. Christopher Joseph Bhilip Rodricks.

(Transfeior)

(2) Hatim Sheikh Turabhai Malla.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 6th March 1987

No. AR.II/37EE/36921/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 101, Park Avenue Society, 1st floor, 16th & 29th

Road, Bandra, Bombay-50

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 101, Park Avenue Society, 1st floor, 16 & 29th Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJI/37EE/36921/86-87 on 25-7-1986,

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1987

Seal

(1) Smt. M. S. Vaijayanthi.

(Transferor)

(2) M/s Chaitra Advertising Pvt. Ltd.

(Transferee)

(2) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE QF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING
BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 6th March 1987

No. AR.II/37EE/36979/86-87.—Whereas, I. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 52, 5th floor, Rajiv Apartments, S. No. 313B, Hissa No. 2, Pali Hill, Zig Zag Road, Bombay-50 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

at Bombay on 25-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 52 on the 5th floor of Rajiv Apartments, Survey No. 313B, Hissa No. 2, City Survey No. 909, at Pali Hill, Zig Zag Road, Bombay-400 050. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/36979/86-87 on 25-7-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquis tion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

24-26GI/87

Date: 6-3-1987

, (1) Mrs. Preeti B. Asrani.

(Transfero

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Laxman V. Gope and Mrs. Gopt L. Gope.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay-38, the 6th March 1987

No. AR.II/37EE/36547/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. 1, 10th thoor, 'B' Wing Kanti Apartments, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50 situated at Rombay

situated at Bombay

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immova-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, 10th floor, 'B' Wing, Kanti Apartments, Mount Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/36547/86-87 on 11-7-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-3-1987

### FORM TINS

(1) Shri Krishnakumar Maheshwari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Asharali N. Madraswala Smt. Atika W/o A. Madraswala

(Fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, **BOMBAY-38** 

Bombay, the 6th March 1987

File No. AR. II/37EE/36682/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 10, 3rd floor, Park Reach Co. Opp. Hsg. Society
Ltd., TPS IV, Bandra (West), Bombay-50 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
have been transferred and the agreement is recovered under has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-7-1986

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 10, 3rd floor, Park Reach Co. Opp. Housing Society Ltd., Plot No. 7, TPS IV, Bandra (W), Bombay-50.

The Agreement has been Registered by the Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/36682/86-87 on 17-7-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-3-1987

(1) Woodland Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Cassandra Ferreira

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 6th March 1987

Ref. No. AR-II 37EE/36552/86-87.—Whoreas, I, K. C. SHAH, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 71, 7th floor, Ariane, Plot No. 158, Perry Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 71, 7th floor, 'Ariane' Plot No. 158, Perry Road, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/36552/86-87 on 11-7-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 11 of 1922) of the said Act. or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 6-3-1987

(1) M/s, Alankar Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bennie Philips.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 6th March 1987

Ref. No. AR. 11/37EL/37144, 86-87.—Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R<sub>3</sub>, 1,00,000/- and bearing Flat No. 403, God's Fift, at Prof. Almeida Road, Bandra, Bombay-50 alongwith covered car parking space No. 4 situat-

ed at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transcerred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 31-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 403 in the building God's Gift, at Prof. Almeida Road, Bandra, Bombay-50 and also covered car parking space No. 4 in the same building.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/37144/86-87 on 31-7-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-3-1987

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Mr. Moti K. Advani

(Transferor)

(2) Reckitt & Colman of India Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 6th March 1987

Ref. No. AR. IF 37EE/37142/86-87.—Whereas, 1, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 29, 14 Pali Road, Bandia, Bombay-50 situated at Bombay

(and moe fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 31-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facililating the concealment of any income or any atomorys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons, whichever period expises later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 29, 6th floor 'Sea Mist' at 14 Pali Road, Bandra, Bombay-50,

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/37142/86-87 on 31-7-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 6-3-1987

### (1) M/s. Alankar Enterprises

(Transferor)

(2) M/s. Ramniklal Nandlal Bros.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 6th March 1987

Ref. No. AR. II/37EE/37086/86-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, God's Gift at Prof. Alemida Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 31-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice. In the Official Gazet.e or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 301 in the building 'God's Gift' at Prof. Alemida Road, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/37086/86-87 on 31-7-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 6-3-1987

(1) Smt. K. Shivnath

(Transferor)

(2) Tata Burroughs Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 6th March 1987

AR. II/37EE/36771/86-87.—Whereas, I, , K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property having a fair market value exceeding the state of the first parking space. No. 2-5, 'Apsara' at Pali Hill, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18 7-1986

Bombay on 18-7-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Irrcome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 5-2, 2nd floor and car parking space No. 2-S in the building known as 'Apsara' situate at 61-B, Pall Hill, Air India Society, Bandra, Bombay-400 050.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/36771/86-87 on 18-7-1986.

> K. C. SHAH
> Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 6-3-1987

### FORM I.T.N.S.——

(1) Mis. Rani Jayanti Kumari

(Transferor)

(2) Mr. Abdulaziz Noormohommed Memon

(3) Transferee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE, BOMBAY-38

Bombay, the 6th March 1987

Ref. No. AR. II/37EE/37004 85-87.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11 and garage, Dakshin Pali, S. No. 245/1, Pali Hill Bandra Fombay 50

Hill, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 25-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 25-26GI/87

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 11 and Garage, Dakshin Pali, S. No. 245/1, Pali Hill, Bandra, Bombay-400 050.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II  $37 \pm E / 37004 / 86-87$  on 25-7-1986

Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 6-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

AC QUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BUILDING, BALLARD FSTAFF. BOMBAY-38

Bombay, the 6th March 1987

Ref. No. AR IF 37EE/36326/86-87.—Whereas, I, K C SHAH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here na ter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing Flat No 502, Killan Towers, Pali Hill, Bandia, Bombay-400.050 situated at Bombay.

400 050 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4 July 1986

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Mrs. Manju A. Gupta Mr. Amitabh Gupta

(Transferoi)

(2) Mis Seema Lalwani

(Transferce)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 502, Kıran Toweis, Pali Hill, Bandra, Bombay-500 050.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No AR. II/37EF/36326/86-87 on 4-7-1986

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date . 6-3-1987

FORM I.T.N.S.---

- (1) M/s. M. R. Combine.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Bindiya M. Lahori.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM No. 560, 5th FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020.

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. A.F. IIC/37EE 36407/86-87.-Whereas, I, V. B. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Hat No 309, "Jal Darshan", Juhu, Bombay-400 049 situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as 'given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Hlat No. 309, "Jal Datshan", Juhu, Bombay-400 049

The Agreement has been Registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIC 371 L/36407/86-87 on 4-7-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-HC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 10-3-87

(1) Sharadchandra Jayantilal Madia

(Transferor)

(,

(2) Bharat Ratilal Choksey & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, ROOM No. 560, 5th FLOOR, ΛΑΥΑΚΑR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020.

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. A R. IIC/37EE/36752/86-87,--Whereas, 1, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income (ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 704, Leela Apartment, 7th floor, S. V. Road, Opp.:
Golden Tobacco, Vile Parle (W) Bombay-400 056
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been tronsferred and the contraction of the contraction.

has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 18-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislocted by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No 704, Leela Apartment, 7th floor, S. V. Road, Opp. Golden Tobacco, Vile Parle (West), Bombay-400 056.

The Agreement has been Registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR. IIC/37EE/36752/86-87 on 18-7-1986

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 10-3-87 Seal:

### (1) M/s. Juhu Estate Corporation, Mittal Tower, 16th floot, 'B' wing, Nariman Point, B'bay-21.

(Transferor)

# NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. Rajan, 9 Devraj, S. V. Road, Goregaon, Bombay-62,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. A. R. 11C. 37EE 36273/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 23/A, 2nd floor, Ruia Park Bldg., Survey No. 47,
Jhuhu, Bombay-400 049
tand more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under sec-, tion 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

at Bombay on 4-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1937).

### THE SCHEDULE

Flat No. 23A, 2nd floor, Ruia Park BlHdg., Survey No. 47, Juhu, Bombay-400 049.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IIC/37EE|36273|86-87 on 4-7-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 2690 of the said Act. to the following persons, namely :-

Dated: 10-3 1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II BOMBAY-400-038

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. A. R.-IIC 37EE/37068/86-87.-Whereas,

I, V. B. GUPIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 32C, 3rd floor, Ruia Park Bldg. Survey No. 47,

Juhu, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 28-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s Juhu Estale Colporation, Mittal Tower, 16th floor, 'B' Wing, Natuman Point, Bombay-21.
  - (Transferor)
- (2) Shri Farooq Rafiuddin Faquih and Ors, 2nd floor, SEA Glimpse, 4, Walton Road, Electric House, Bombay-39.

(Transferce)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 32-C, 3rd floor, Ruja Park Bldg, at Survey No. 47, Juhu, Bombay.

The Authority has been registered by the Competent Authority, Bombay under 15 o. AR-IIC/37EE|37068|86-87 on 28-7-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 10-3-1987

### FORM ITNS----

(1) F. N. Mansuri and Others.

(Transferor)

(2) Mrs. Nilam Ravichandra Mehta (of Dubai) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IIC, BOMBAY-400 020

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. A.R. V. B. GUPTA, A.R.-IIC/37EE 36740/86-87.—Whereas,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Residential Building (under construction) 3 Bed Room Hall Flat at Sea Breeze Apt. Plot No. 995, Juhu Tara Road, Bombay-400 049 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 18-7-1986

at Bombay on 18-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this rotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 'or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Residential Building (under construction) 3 Bed rooom. Hall Flat at Sea Breeze, Apt. Plot No. 995, Juhu Tara Road, Bombay-400 049,

The Agrement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IIC/37EE 36740/86-87 on 18-7-1986. the Competent

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range-IIC, Bombay-400 049

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following person parally:—

Date: 10-3-1987

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IIC, BOMBAY-400 038

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR-IIC/37EE|36633|86-87.-Whereas, I, V. B. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the

to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/\* and bearing No. Bungalow No. 2 out of C. T. S. No. 72A, Golden Beach Scheme Rusa Park, Juhu, Bombay-400 054 admeasuring 1724 sq. ft situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the sald Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 14-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Jimmy Mirchandani and Ors. No. 2, Golden Beach Scheme, Ruia Park, Juhu, Bombay-400 054.

(Transferor)

(2) Mrsc Saida Fakı uddin Mansuri and Ors. Chote Gope Bldg., 35th Rd., Bandra (W), Bombay-50.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Bungalow No. 2, out of C.T.S. No. 72A, Golden Beach Scheme, Ruia Park Juhu, Bombay-54 adm. 1724 sq. ft.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IIC,/37EE[36633]86-87 on 14-7-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIC Bombay-38

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date · 10-3-1987

### FORM ITNS---

### (1) M s. Roopktishna Investments,

(Transferor)

(2) Manmohan Singh Sethi.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OLUCE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IIC, BOMBAY-400 020

Bombay, the 10th March 1987

A.R.-HC/37EE[36660]86-87,---Whereas, Ref. No. 1, V. B. GUPΓA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. 1, 1st floor, Roop Sagat, Beating C.t.S. No. 567-2, Jainki Kutir Juhu Road, Bombay-400 049 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authorisis. Authority

at Bombay on 17-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purcies has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said let I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 26—26GI/87

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons;

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No F-1 First floor, Roop Sagar, Bearing C.T.S. No. 567 2, Janki Kutir, Juhu Road, Bombay-400 049.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-IIC 37EE 36660 86-87 on 17-7-1986

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-HC. Bombay-20

Date: 10-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IIC, BOMBAY-400 020

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. A.R.-IIC 37EF 56881 86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing F.P. No. 93, CTS No. 987, 987/1 to 987/6, of T.P.S., Vile Parle (E), Bombay-400 057 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

- (1) Shri Shamrao Narayan Mantri.
- (Transferor)
- (2) M's Shri Mahalaxmi Construction Co.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

F. P. No. 93, CTS No. 987, 987, 1, to 987/6, of T. P.S.L. Vile Parle(E), Bombay-400 057.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-IIC/37FF|36881|86-87 on 25-7-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIC. Bombay-20

Date : 10-3-1987 Seal :

### FORM ITNS----

- 1) Dr. T. B. Mirchandani & Others.
- (Transferor)
- (2) Mr. Fakruddin Nasruddin Mansuri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ROOM NO. 560, 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 10th March 1987

Ref. No. A.R.IIC/37FE/36632 86-87.—
Whereas, I, V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Bungalow No. 3 out of C.T.S. No. 72A, Golden Beach
Scheme, Ruia Park, Juhu, Bombay-400 054, admeasuring
2715 sq. ft. situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Compe-

tent Authority at Bombay on 14-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Bunglow No. 3 out of C.T.S. No. 72A, Golden Beach Scheme, Ruia Park, Juhu, Bombay-400 054, admeasuring 2715 sq. ft.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/C/37EE/36632/86-87 on 14-7-1986.

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJC, Bombay

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISOF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IIC, CONTRACTOR BLDG. BALLARD ESTATE. BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 10th March 1987

Ref. No. A.R.IIC 37EE/36728/86-87,—
Whereas, I, V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000- and bearing
Plot No. 3, C.T.S. 287 in the Registration Sub-Dist. of
Bandra and in the Bombay Suburban Dist! situate lying
and being at luhu Vile Parle
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-7-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the atoresaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from thetransfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Ihereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kamalaben J. Patel, 22, August Kranti Marg, Bombay-400 036.

(Transferor)

(2) Pravin H. Doshi, 401, Anuradha Bldg., Irla Bridge, S. V. Road, Andheri (W), Bombay-58.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 3, C.T.S. No. 287 in the Registration Sub-Dist. of Bandra and in the Bombay Suburban Dist, situate lying and being at Juhu Vile Parle.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/C/37EE/36728/86-87 on 18-7-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC,
Bombay

Date: 10-3-1987

(1) Smt. Subhashini Padmakar Mehta & Others. (Transferor)

(2) Shri Dhirajlal Premchand Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 560, 5th FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. A.R./C/37EE/36898/86-87.— Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Plot No. B-6 in the Vasanta Theosophical Co-op. Housing Society Ltd. bearing City Survey No. 924 of Juhu, admeasuring 569 sq. mtrs. with a building admeasuring 140 square metres thereon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. B-6 in the Vasanta Theosophical Co-op. Hsg. Socy. Ltd., bearing City Survey No. 924 of Juhu, admeasuring 569 sq. mtrs. with a building admeasuring 140 square meters thereon.

The Agreement has een registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR/C/37EE/36898/86-87 on 25-7-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-3-1987

(1) M/s. Roopkrishna Investments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

3180

(2) Avnash Kaur Sethi,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION ANGE-II, ROOM NO 560 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 10th March 1987

Ref. No. A R [II]C 37EE 36659 86-87 --- Whereas, I, V B GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No F-2, First Floor, Roop Sagat, Bearing (TS No 567/2, Janki Kuth, Juhu Road, Bombay-400 049 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the assresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. F-2. First floor, Roop Sagar, Bearing C.T.S No. 567/2, Janki Ktuir Juhu Road, Bombay-400 049

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II|C|37EE|36659|86-87 on 17-7-1986

> V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 10-3-1987

### FORM ITNS----

(1) M/s. Poonam Enterprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Gita Natwarlal Panchal.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 560 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 10th March 1987

Ref. No. A.R.|II|C|37EE|37052|86-87.—Whereas. I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 61 on 6th floor, Stilt No. 5, B-Wing, NEHA Apartments, CTS. No. 968, Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-400 049

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Oazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chaples XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 61 on the 6th floor, Stilt No. 5, B-Wing, Neha Apartments, C.T.S. No. 968, Juhu Tara Road, Juhu Bombay-400 049.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/C 37EE/37052/86-87 on 28-7-1986.

V. B. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 

Date: 10-3-1987

(1) Juhu Estate Corporation.

(Transferor)

(2) Mrs. Pasang Lama and Mr. Som Bahadur Lama.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION ANGE-II, ROOM NO. 560 5TH FLOOR, AAYAKAR BHAVAN. MAHARSHI KARVE ROAD, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 10th March 1987

Ref. No. A.R.-II|C|37EE|37069|86-87.--Whereas, I. V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 12 & 13, C-Wing, 1st floor of Ruia Park Building
at Survey No. 47, Juhu, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-7-1986

nor an apparent consideration which is less than the tan market value of the aforesaid property and I have reason to allieve that the fair market value of the property as afore and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Flat No. 12 & 13 C-Wing on 1st floor of Ruia Park Building at Survey No. 47, Juhu, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay under No. AR-II|C|37EE|37069|86-87 on 28-7-1986.

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

V. B. GUPTA Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1987

### 

(1) Miss Pooja Jogee Bhar

(Transferor) ()

(2) The Indian Hotels Co. Ltd

(Transferse)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACOUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-IA/37EE, 1A-51-11877/86-87—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the internable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No 301-302, Presiden' House, Nathalal Parekh Marg Bombay-400 005 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competen Authority at Bombay on \$\frac{1}{7}/1986\$ for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the prope ty no aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to bet ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette
- EXPLANATION —The terms and expressions used herein as ic defined in Chapter XXA of the said ici, shall have the same meaning as given p that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 301-302, President House, Nathalal Parekh viaug Bombav-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10480 on 1/7/1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta.
Acquisition Range-IA, Bomba)

Date: 9-3-1987

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—27—26GI/87

### FORM I.T.N.S.——

(1) Mr. Kuldeep Chandresh Shah

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Indian Hotels Co. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref No. AR-IA/37EE/1A-52/11878/86-87.--Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No 601, President House, 83/85, Nathalal Parekh

Marg, Bombay-400 005. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tarnsferred and the sale is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been w which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealt' tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursuance namedy: ing persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 601, Picsident House, 83/85, Nthalal Parekh Maig, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by Bombay, under No. AR-IA/37EE/10481 on thority. 1-7-1986

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Date: 9-3-1987

### (1) Mr. Ghandresh C. Shah

(Transferors)

(2) The Indian Hotels Co. Ltd.

(Transferees)

(3) N. A.

(Person in occupation of the property)

(4) N. A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property) interested in the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JA, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-IA 37EE/1A-53-11879/86-87.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 901-902, President House, Nathalal Parckh Marg, Bombay-400 005.

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1 7/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No 901-902, President House, Nathalal Parekh Marg Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10482 on 1/7/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Da'e: 9/3/1987

### PORM ITNS-

(1) Ms Poota Jogce Bhat

(Transferor) (

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Indian Hotels Co Ltd

(Transferce) (s)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined -

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IA BOMBAY

Bombny, the 9th March 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

Ret No AR-IA 37EF/1A-54-11880/86 87 —Whereas NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a full market value exceeding Rs 10 00,000 - and bearing

Flat No 501, President House, 83 85, Nathalal Parckh Marg Bombay-5.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 209 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competen Authority at Bombay on 1 7/1986 for an apparent consideration which is less than the fair consideration which is the fa

market value of the noresaid property in a large reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen relicent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazett

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

The No. 501 President House 83-85. Nathalal Pickh Marg Bombay 400005

the agreement has been registered by the Competent ithority Bombay, under No ARIA/37EE/10483 on Authority l 7/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, nombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date 9/3/1987 Seal

### FORM ITNS----

#### (1) Miss Sonal Jogee Bhai

(Transferois)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OI 1961)

(2) The Indian Hotels Co. Ltd.

(Transferces)

(3) N. A

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) N. A

(Person whom the undersigned knows to be into ested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

ACQUISITION RANGLAA BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which\_ver period expires later,

Bombay, the 9th March 1987

Ret No AR 1. 37L1/1155 11881/86 87 - Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

Flat No. 401 402. President House, Nathalal Parckh, Bombay situated at Bombay

(and more fully de crib d in the Schedulo annexed he etc.) has been to insterred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of to Competen Authority at Bombay in 1.7/1986 for in apparent consideration which is less than the fair

market value of the dorested property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more thin fifte 1 p 1 cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties his not been tinly stated in the said instrument of transfer with the object of — (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FAPIANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 101 402 President House, Nathalal Patekh Bom bav-5

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-IA 37FE/10484 on 1 7/1986

NISAR AHMID Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IA, Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 9/3/1987 Seal .

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, Bombay

Bombay, the 9th March 1987

Rei No AR-IA 37EE/1A 56 11882/86 87 -- Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property having a fan market value exceeding ks 1,00,000 / and bearing Fla No 801 802, President House, Nathalal Parekh Marg Bombay-400 005

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competen Authority at Bombay on 1 7/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely — (1) Mr Vishu Sharma

(Transferor) (s)

(2) The Indian Hotels Co Ltd

(Transferce) (s)

(3) N A

(Person in occupation of the property)

(4) N A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 801 802, President House, Nathalal Parekh Marg, Bombay-400 005

The agreement has been registered by the Competer uthority, Bombay, under No AR-IA/37EF/10485 en \uthority, 1 7/1986

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA Bombay

Dae: 9/3/1987

### FORM LT.N.S.-

(1) M/s. President Construction International

(Transferors)

(2) The Indian Hotels Co. 1.td.

(Transferce) (s)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-1A 37EE/1A-57-11884/86-87.-Whereas, J, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Bombay Basemen President House, 83/85 Nathalal Parekh Marg, Bombay-5.

ami Jor

Marg. Bombay-5. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1 7/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

marker value of the atorevald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !---

cal facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incomo-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Westell-Far Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used nerein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter

### THE SCHEDULF

Bombay Basement President House, 83/85 Nathalal Parckh Marg, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competenthority, Bombay, under No. AR-1/37EE 10487 on Authority, 1 7/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Dae: 9/3/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43) OF 1961)

### (1) Mr. Motiram A Ladwani

(Transferor)

(2) Industrial Oxygen Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Industrial Oxygen Co. P. Ltd.
(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

AR-IA /37FF /58 / [1889 / 86187. -- Whereas, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No. 69, 6th floor Jolly Maker Chamber II, 225, Noti-

man Point, Bombay-21. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/7/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to be the other than the fair that the their fair test that the transfer is the same test and the same is registered under section.

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 69, 6th floor folly Maker Chamber II, 225, Narman Point, Bombay-21

The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay, under No IA/37FE 10490/85-86 ox 1-7-1986.

> NISAR AHMID Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge 14, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 3

Date: 9-3-1987

NOTICE UNDER SI-CTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-IA/37EE 1A59 11897/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No 1102, President House, 83/85 Nathalal Parekh Marg, Bombay-5, transferred by Percy & Kaizad Roadlines Pyt. Ltd.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tarnsferred and the sale is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986 for apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

28--26 GI/87

- (1) Percy & Kaizad Roadlines Pvt. Ltd.
- (2) The Indian Hotels Co. Ltd.

(Transferors)

(3) N. A.

(Transferees)

(Person in occupation of the property) (4) N. A.

(Person whom the undersigned knows to o interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1102, P evident House, 83/85 Nathalal Paickh Marg, Bombay-5, transferred by Percy & Kaizad Roadlines Pvt. Ltd.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR-IA/37EE/10496 on 1-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Date: 9-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

AR-IA/37EE/61/11967/86187.—Whereas, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office Premises No. 1101, 11th floor, Dalamal Towers, Block No. III, 211, Nariman Point, Bombay-400 021.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

tand more juny described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/7/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) (1) Dhanvantrai Tilakrai Shah Smt. Smita Dhanvantrai Shah

(Transferor)

(2) M/s Complex Trading Co. Ltd.

(Transferce)

(3) Transferors & M/s. Aristo Chemicals P. Ltd. (Person in occupation of the property)

(4) Transferors

(Person whom the undersnied knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Premises No. 1101, 11th floor, Dalamal Towers, Block No. III, 211, Nariman Point, Bombay-400 021. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10518 86-87 on 1/7/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JA, Bombay

Now, therefore, in pursuasce of Section 269C of the said Act, I hereby Initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-3-1987

\_\_\_\_\_\_

# FORM ITNS----

#### (1) M/s Lalitrai Investments & Agencies P. Ltd. (Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) AMA Associates

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days rfom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACOUISITION RANGE-IA, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable p. perty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/62/11973/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office Premises No. 820 on 8th floor, Tulsiani Chambers,
Nariman Point, Bombay-21.

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under sect on 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/7/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Office Premises No. 820 on 8th fl/oor, Tulsiani Chambers, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Authority, Bo on 8/7/1986. Bombuy, under No. AR-IA/37EE/10519/86-87

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-3-1987

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-IA 37EE/1A63/11898/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ownership Flat No. 16, Plot No. 138, Horizon View, 138 Gen Jagannath Bhosle Marg, Bombay-400020.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under section, 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Yamini C. Desai & Another

(Transferors)

(2) Shri Devanshu Surendra Mehta

(Transferees)

(3) Shri V. M. Desai

(Person in occupation of the propty)

(4) Shri Devanshu Surendra Mchta

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Ownership Flat No. 16, Plot No. 138, Horizon View, 138 Gen. Jagpnnath Bhosale Marg, Bombay-400 020.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IA/37EE/10497 on 1/7/1986.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-1/37FE/1A 64/11914/86-87.— Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bcreafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceding Rs. 1 lakh and bearing No. Flut 56 on the 5th Floor of Shangrilla Co.op, Hsg. Society, Ltd., Colaba, Bombay-400 005. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Mehernoosh R. Khajotia.

(Transferor)

(2) Sh. Shiavax Rustom Senjana & Another.
(Transferee)

(3) Sh. Mehernoosh R. Khajotia and Family, (Person in occupation of the property)

(4) None

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforcarid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 56 on the 5th Floor of Shangrilla Bldg., The New Shangrilla Co.op. Hsg. Socty. Ltd., Colaba, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10503 on 1-7-1986

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-3-1986

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. IA/37EE/1A 65/11952/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income--(ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 4 Harr Building Sahid Bhagatsingh Road, Old Custom House at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the

Competent Authority at Bombay on 8-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Jaysukhalal Reichand.

(2) Mayur Mangaldus Kothari.

(Transferor)

(Transferec)

(3) Transferor.

(4) None

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a- given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 4, Hari Building Sahid Bhagatsingh Road, Old Custom House, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10511 on 8-7-

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay.

Date: 9-3-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sh. K. Chhadda & Smt. Kunta K. Chadda. (Transferor)

(2) Sh. Harishchandra A. Budarani Sh. Devidas N. Budarani.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-1A/37EE/IA66/11957/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMFD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 94 on 9th floor in Maker Chamber No. VI, Nariman Point, Bombay-21,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any radneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 94 on 9th floor in Maker Chamber No. VI, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10531/86-87 on 8-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay.

Date: 9-3-1986

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT. 1961 (49 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-IA-37EE/1A 67/11995/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Right title and interest in the said Flut No. 20 5th Floor, Ishwar Bhavan 'A' Road. Churchgate Bombay-20, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the

Bombay on 8-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

Competent Authority at

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment 62 any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Surekha Vasant Kedar.
- (Transferor)
- (2) Sh. Ravi S. Poddar.
- (3) Smt. Surekha V. Kedar & Sh. Ravi S. Poddar.
  (Person in occupation of the property)
- (4) None.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Right Title and interest in the said Flat No. 20, 5th Floor, Ishwar Bhavan, 'A' Road, Churchgate, Bombay-20.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10524 on 8-7-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay.

Date: 9-3-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IA **BOMBAY**

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-1A/68/37EE/11999/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat Nos. 35 & 26 on 9th floor, Jal Kiran CHSL, Cuffe Parade, Coloba, Bombay-5. situated at Rombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any incom- or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mrs. P. Lama, Mrs. K. S. Monappa, Bahadur Lama Ranjan Bhadur Lama, Pritam D Lama & Anju B.
- (2) Mr. Ramesh M. Narvekar, Mrs. Rekha R Narwekar Miss Ruchira R. Narwekar, Miss Rupali R. Narwekar, Miss Rujuta Ramesh Narwekar,
- (3) Transferors.

(Person in occupation of the property)
(4) Tax Recovery Officer, D-I Ward, Bombay.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have thesame meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 35 & 36 on 9th floor, Jal Kiran CHSL, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37FF/10551/86 87 cm 14-7-1986.

> **NISAR AHMFD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 29—26GI/87

Date: 9-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) S. K., Family Trust & Others,

(Transferor)

(2) Rajen J. Damani & Others.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-JA/37EE/1A 69/12018/86-87.—Whereas, 1, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Office No. 89A, 8th Floor,
228, Mittal Chambers,

Nariman Point, Bombay-21. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under section, has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Office No. 89A, 8th Floor, 228, Mittal Chambers, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10539 on 8-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissionir of Income-tax Acquisition Range-IA. Bombay.

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-3-1986 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-1A/80/37EE/12040|86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 807 on 8th fl.

Embassy Centre, Narimon Point, Bombay-400 021.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-consideration for such transfer as agreed to between the persons, namely :--

(1) Rajasthan Spinning & Weaving Mills Ltd. (Transferor)

(2) Ruchi Finance Limited.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned ;-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Office No. 807, on 8th floor, Embassy Centre, Nariman Point Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10543/86-87 on 8-7-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay.

Date: 9-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IA **BOMBAY** 

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-IA<sub>1</sub>/71/37EE/12045/86-87.—Wheeras, NISAR AHMED,

being the (ompetent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 on 2nd floor Swadhin Sadan, C Road, Church-

gase, Bombay-400020.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Fransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1 Narmada J. Majithia alias, Narmadaben P. Majthia, Ramesh Popatlal Majithia.

Ambrish Chinubhai Sheth,

(Transferor)

Rita Ambrish Sheth.

(Transferee)

(3) Transferees. (Person in occupation of the property)

(3) Transferees. (Person whom the undersigned knows to interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 2nd floor Swadhin Sadan, Road, Churchgate, Bombay-400020.

The agreement has been registered by the Competent Bombay, under No. AR-I/37EE/86-87, Authority, 8-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Date: 9-3-1987

(1) M/s. Vijay Wool Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Enari Investment and Consultancy.

(Transferec)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-LA BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-IA/37ΕΓ/1A72/1/2057/86-87.--Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), have reason to believe that the individual property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Premises No. 97, Atlanta Building, Atlanta Premises Cooperative Society Ltd., Nariman Point, Bombay-400021, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1986

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Premises No. 97, Atlanta Building, Atlanta Premises Cooperative Society Ltd., Mariman Point, Bombay-400021.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10549 on 8-7-86.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-3-1987

(1) M/s. Prime Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Industrial & Trade Links.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-JA BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-1A/37EE/12863/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Premises No 62, 6th Floor, Mittal Court, 'C' Wing, Nariman Point Bombay-4000021.

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Premises No. 62, 6th Floor, Mittal Court, 'C' Wing, Nariman Point, Bombay-400021. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10552 on 4-2-86

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-3-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mr. Vinoo R. Panikar & Mrs. lyonne V. Panikar.

(Transferors)

(2) Mr. Abbas Ahmedali Dadabhai & Mrs. Memuna Aobas Dadabhai Mrs. Usha Suresh Shah (Confirming Party).

(Transferees)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE-IA. BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-IA/1A/74/37EE/12128/86-87.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impact of the said Act's the said Act's the said to be said to b movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat Nos. 201 and 202 on 20th floor, Dial Mahal, near Hotel President, Cuffe Parade, Bombay-5.

situated at Bombay

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shallhave the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 which ought to be disclosed by the transferee for Act, 1957 (27 of 1957).

# THE SCHEDULE

Flat Nos. 201 and 202 on the 20th floor, Dial Mahal near Hotel President, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10567/86-87 on 14-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-3-1987

(1) Mr. Shankar Lumar Choudhari.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Ajit Singh Bedi and Mrs. Gurdeep Kaur Bedi.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(Transferce)

ACQUISITION RANGE-1A, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-I/1A/37EE/12129/86-87.—Whereas, I, NJSAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Flat No. 152-B on 15th floor, Sea Lord, Cuffe Parade, Sea Lord CHSL, Cuffe Parade, Bombay-400005.
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more tully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 152-B on 15th floor, Sea Lord, Cuffe Parad; Sea Lord CHSL. Sea Lord Apartments, Cuffe Parade Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10568/86-87 on 14/7/1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 9-3-1987

#### FORM ITNS----

(1) Smt. H. Tejuja, Manibhai Lakhmichand, Mohini Vashumal, Lajs Shewaram and Pushpa Kishinchand. (Transferor)

(2) M/s. Maritime Services Pvt Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IA **BOMBAY**

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-IA/1A/76/12143/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No 405 on 4th floor, Emca House at 289 Shahid Bhagat Singh Road, Fort, Bombay-1, situated at Bombay (and more fully described in the Section 269B of the Income Section 269B of the

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :--

Ojections if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 405 on 4th floor, Emca House situated at 265 Shahid Bhagat Singh Road, Fort, Bombay-1.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.I/37EP 10572/86-87 on 14-7-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-3-1987

## (1) Shri Dileep Mulchand Ghuanee.

(Transferor)

(2) M/s. Mani Management Consultant Pvt. Ltd. (Transferec)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/1A-77/12146/86-87.—Whereas, I, I. NISAR AHMED,

I. NISAK AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. office Premises 'No. 306, Churchgate Chambers, 5, New Morries Lynes Romboy 400,020

Marine Lines, Bombay-400 020. No. 14-7-1986

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of study apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asse's which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Irdian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or hte Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. 306, Churchgate Chambers, 5, New Marine Lines, Bomoay-20.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/15076/on 14-7-

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .

Dated: 9-3-1987

Seal ;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IA, BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref No AR-IA/37EE/1A-78/12290/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section '269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing office No. 31, Jolly Maker Chambers No. 2, 3rd floor Nari man Point, Bombay-21.

situated at Bombay
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered and the same is registered under section
269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at

Bombay on 8-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Prem Kumar & Sons (HUF)

(Transferor)

(2) Mr. Dharuv Subodh Kaji and Others (Transferee)

(3) Prem Kumar & Sons (HUF)

(person in occupation of the property)

(4) None.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 31, Jolly Maker Chambers No. 2, 3rd floor, 225 Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE|10625|on 8-8-1986

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IA, Bombay.

Dated: 9-3-1987

# FORM ITNB

(1) Rajasthan Spinning & Weaving Mills Ltd.

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(Transferor) (s)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Şıyaram Sılk Mılls Limited.

(Transferee) (s)

# GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IA BOMBAY

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-IA/1A/79/37EE/12039/86-87.—Whereas, 1, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of tincome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property become a far market value. able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 806, Embassy Centre, Nariman Point, Bombay-400 021

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 806, Embassy Centic, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IA/37EE/10541/86-87 on 8-7-1986.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay

Dated: 9-3-1987

#### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IA **BOMBAY** 

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. IA/37EE|1A|80|86-87.—Whereas,

I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 34, 3rd floor, Maker Towers, 'J' Cuffe Parade, Eombay-5. (Plot No. 73-A, 74, 83,84 & 85 of Block V of Backbay Reclamation).

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the

269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mrs. Jamila Shahabuddin & Mehmood Khan

(Transferor) (s) (2) Mahavir Prasad Jain and Jaikumar Jain.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 34, 3rd floor, Maker Towers, 'J' Cuffe Parade, Bombay-400 005. (Plot No. 73-A, 74,83,84 & 85 of Block V of Backbay Reclamation).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE|10581|14-7-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 9-3-1987

#### FORM ITN

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

## OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IA **BOMBAY**

Bombay, the 9th March 1987

Ref. No. AR-IA/37EE/1A-84/12218/86-87.—Whereas,

I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. Flat No. H-53, 3rd 1-loor Bldg, Hassa Mahal, 223, Cuite Parade, Bombay-5.

situated at Bombay

transfer with the object of :--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Offlec of the Competent Authority at Bombay on 14-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Dr. Susil C. Munsi and Another,

(Transferon) (s)

(2) M1. Jagdish H. Vaswani.

(Transferee) (s)

(3) None.

(Person in occupation of the property)

(4) None.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovalc property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. H-33, on the Third Floor, Bldg. 'Hassa Mahal'

223, Cuffe Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I[37FE/10594] on 14-7-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IA, Bombay. Bombay

Dated: 9-3-1987

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD, AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 198 7